रांची

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 वर्ष:01 अंक:59 सोमवार,03 नवम्बर

हरमन ख्वाब हुए पूरे,बेटियां विश्व चैंपियन

52 साल बाद पहली बार महिला वनडे विश्व कप की चैंपियन बनी भारतीय टीम

नवी मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेटटीम ने आखिरकार 52 साल लंबेइंतजार को खत्म करते हुए पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीतकरइतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौरकी कप्तानी में भारत ने 2025महिला विश्व कप फाइनल में दक्षिणअफ्रीका को 52 रन से हराकर अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया।डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 7 विकेट पर 298 रन का मजबूतस्कोर खड़ा किया। चोटिल प्रतिकारावल की जगह टीम में शामिल की गई शेफाली वर्मा ने 78 गेंदों पर 87रन की दमदार पारी खेली, जिसमेंसात चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं दीप्ति शर्मा ने 58 गेंदों पर58 रन बनाकर शानदार साथनिभाया। शेफाली ने स्मृति मंधाना (45) केसाथ पहले विकेट के लिए 104गेंदों पर 106 रन और जेमिमा रोड्रिग्स (24) के साथ 62 रन कीसाझेदारी कर भारत को सशक्तशुरूआत दी। इसके बाद रिचा घोषने अंत में 24 गेंदों पर 34 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर रनगति को बनाए रखा। दक्षिण अफ्रीका के लिए आयोबोंगा खाका सबसे सफल गेंदबाज रहीं,जिन्होंने 58 रन देकर तीन विकेटझटके। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करनेउतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम कीशुरूआत लड़खड़ाई, लेकिनकप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने 98 गेंदोंपर 101 रन की शानदार शतकीयपारी खेलकर टीम को मुकाबले मेंबनाए रखा। हालांकि भारतीय गेंदबाजों ने जल्द ही मैच का रुख पलट दिया।दीप्ति शर्मा ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि शेफाली वर्मा ने 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए।अफ्रीकी टीम 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई और भारत ने मैच52 रन से अपने नाम कर लिया।भारत ने महिला क्रिकेट विश्व कप में पहली बार खिताब जीता है। टीमइंडिया इससे पहले 2005 और 2017 के फाइनल में पहुंची थी,लेकिन जीत से चूक गई थी।

ब्रीफ न्यूज

ट्रंप से डरते हैं मोदी, उनपर अडाणी-अंबानी का है कंट्रोल

एजेंसी

नई दिल्ली : खगड़ियाः लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को खगड़िया में आयोजित चुनावी सभा मेंप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार परतीखे आरोप लगाए। राहुल ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और विदेश नीतियों पर प्रश्न उठाते हुए कहा, '56 इंच की छाती वाला डरपोक है। गांधी जी की छाती बड़ी नहीं थी, लेकिन वे किसी से नहींडरते थे; इंदिरा भी किसी से नहीं डरती थीं।' उन्होंने दावा किया किमोदी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डरते हैं और इसीलिए ट्रंप के दबाव में कुछ फैसले लिए गए। राहुल ने एक बार फिर उस घटनाक्रम का जिक्र किया जिसमें उन्होंने बताया था कि ट्रंप- ॉल के बाद कोई ऑपरेशन रोका गया था, और कहा, 'मैं मोदी जी को चुनौती देता हूं – बिहार आकर कहें कि ट्रम्प झूठ बोल रहा है।' राहुल गांधी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री न सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति से डरते हैं बल्कि उनका नियंत्रण 'अडाणी और अंबानी' जैसे उद्योगपतियों के हाथ में है। सभा में उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार के दौरान मोदी चुनावी रणनीतियों के अनुरूप कुछ दिखा देते हैं, लेकिन चुनाव के बादउनकी नीतियां बड़े उद्योगपतियों के पक्ष में जाएंगी।

भारतीय जमीन से सबसे भारी सैटेलाइट लेकर गया बाहुबली रॉकेट

नई दिल्लीः रविवार को इसरो ने शाम बाहुबली रॉकेट से 4400 किलो का सैटेलाइट लॉन्च किया। ये भारतीय जमीन से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) तक लॉन्च होने वालासबसे भारी सैटेलाइट है। येनौसेना कीकम्युनिकेशन क्षमताओं को और मजबूत करेगा। जीटीओ (29,970 किमी * 170 किमी) एक अंडाकार ऑर्बिट है। रॉकेट ने इस ऑर्बिट में सैटेलाइट छोड़ दिया है। अब कल सैटेलाइट इंजन फायर होगा और ये ऑर्बिट को सर्कुलर कर लेगा। इसे जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (जियो)कहते हैं। इसमें सैटेलाइट 24 घंटेकवरेज दे सकता है।

ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूरों के घर लौटने का रास्ता साफ

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद आने की प्रक्रिया में शुरू हुई तेजी, मिल गया वेतन

संवाददाता

कई महीनो से ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूरों के घर लौटने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद घर वापसी की प्रक्रिया अब तेज हो गई है। झारखंड सरकार के सक्रिय हस्तक्षेप के आधार पर एल एंड टी कंपनी ने इस पूरे मामले का संज्ञान लिया है। कंपनी ने इस मामले में अपने अधीन काम करने वाली दिल्ली की निजीफर्म प्रेम कंस्ट्रक्शन के मालिक को फटकार लगाई है। तत्काल सभी मजदूरों के बकाया वेतन के भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। कंपनी की ओर से दीगई जानकारी के अनुसार, सभी मजदूरों को 4 नवंबर को ट्यूनिस से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना किया जाएगा। मुंबई पहुंचने के बाद मजदूरों को झारखंडके लिए रवाना किया जाएगा।गौरतलब है कि यह पूरा मामला तब सामने आया, जब झारखंड के 48 मजदूर प्रेम कंस्ट्रक्शन नामक कंपनी(जो एल एंड टी के अधीन काम करती है) के माध्यम से काम करने ट्यूनीशिया गए थे। वहां पहुंचने के बाद उन्हें न तो तय अनुबंध मिला और न ही वेतन। 30अक्टूबर को मजदूरों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया कि उन्हें धोखे से विदेश भेजा गया। वहां बिना वेतन व भोजन के 12-12 घंटे काम कराया जा रहा है। वीडियो में उन्होंने झारखंड सरकार सेअपनी वतन वापसी की गुहार लगाई थी।मजदूरों ने कहा था कि विदेश भेजने से पहले उनसे तय मजदूरी और अनुबंध का वादा किया गया था, लेकिन ट्यूनीशिया पहुंचते ही सब कुछ बदल गया। इसके बाद झारखंड सरकार ने तत्काल विदेश मंत्रालय से संपर्क किया और मजदूरों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की गई।

जोधपुर में बस और ट्रक में जोरदार टक्कर, 15 लोगों की मौत, दो गंभीर

एजंसी

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुरजिले में फलोदी के पास रविवाररात एक भीषण सड़क हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई।अधिकारियों ने बताया कि हादसे मेंदो लोग घायल हुए हैं। अधिकारियोंके अनुसार हादसे में मरने वालों मेंज्यादातर महिलाएं हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस हादसे पर शोक जताया है।पुलिस ने बताया कि यह हादसा भारतमाला राजमार्ग पर मतोड़ा गांवके पास हुआ। यात्रियों को लेकर जोधपुर की ओर आ रहा एक टैम्पोट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। जोधपुर के पुलिसआयुक्त ओम प्रकाश ने कहा, इसहादसे में 15 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले प्राथमिक उपचार के लिए ओसियांके अस्पताल ले जाया गया औरबाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया।पुलिस के अनुसार पीड़ित जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थेऔर बीकानेर के पास कोलायत में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चनाकरने के बाद लौट रहे थे। सभीशवों को ओसियां के सरकारीअस्पताल के मुर्दाघर में रखवायागया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसेपर शोक जताया है। उन्होंने 'एक्स'पर एक पोस्ट में लिखा,"फलोदी केमतोडा क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवंहृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।" शर्मा ने कहा, "जिला प्रशासन केअधिकारियों को सभी घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करनेहेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रभु से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति दें तथा घायलों को शीघ्रस्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।"पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा,"मुझे पटना मेंअभी समाचार मिला है।

आरा की चुनावी जनसभा में पीएम मोदी का कांग्रेस और राजद पर हमला

एजेंसी

पटना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेरविवार को बिहार के आरा मेंविशाल जनसभा को संबोधितकरते हुए आरजेडी और कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भोजपुरी भाषा में की और कहा कि 'आज विकसित बिहार के संकल्प के साथ पूरा एनडीए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस और आरजेडीमें घमासान मचा हुआ है।' पीएम मोदी ने कहा कि आरजेडी और कांग्रेस बिहार की पहचानमिटाने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 'ये लोग बिहार में घुसपैठियों के समर्थन में यात्राएं कर रहे हैं और उन्हें बचाने में तन-मन से जुटे हैं।' मोदी ने कहा,'नामांकन वापसी से एक दिन पहले बिहार में बंद कमरे में गुंडागर्दी का खेल खेला गया था। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि मुख्यमंत्री पद आरजेडी के पासजाए, लेकिन आरजेडी ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया।' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और आरजेडी के बीच अब टकराव इतना गहरा है कि 'चुनाव से पहले ही न घोषणा पत्र में कांग्रेस की सुनी गई, न प्रचार में उसकी पूछ है, और चुनाव के बाद ये एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगेंगे।'

उपलब्धि 'बाहुबली' ने रचा इतिहास, इसरो ने लॉन्च किया संचार उपग्रह सीएमएस-03

समुद्र की निगहबानी के लिए लांच किया सबसे भारी सैटेलाइट

एजंसी

श्रीहरिकोटा : भारतीय अंतरिक्षअनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धिहासिल करते हुए अपनेशक्तिशाली रॉकेट एलवीएम3-एम5 से देश का अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से शनिवार को हुएइस प्रक्षेपण के साथ भारत कीउच्च क्षमता वाली अंतरिक्ष संचार प्रणाली को नई दिशा मिली है। करीब 4,400 किलोग्राम वजनी यह उपग्रह भारतीय नौसेना के लिए विशेष रूप से विकसितकिया गया है। इसके माध्यम से नौसेना को समुद्र में बेहतर संचार नेटवर्क, लंबी दूरी की निगरानी और जहाजों, विमानों व पनडुब्बियों के बीच सुरक्षित संचार सुविधा प्राप्त होगी। इसरो ने बताया कि इस उपग्रह में देश में विकसित अत्याधुनिक तकनीकी उपकरण लगाए गए हैं,जो नौसेना की संचालन क्षमता को कई गुना बढ़ा देंगे।इसरो के अनुसार, एलवीएम3- एम5 – जिसे उसकी भारी पेलोड क्षमता के कारण 'बाहुबली रॉकेट' कहा जाता है – 4000 किलोग्राम तक के पेलोड को भू-समकालिकस्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित करने में सक्षम है।सीएमएस-03 उपग्रह सात वर्षों तक सेवा देगा और मल्टी-बैंड संचार प्रणाली के जरिये तेज इंटरनेट, सुरक्षित डाटा ट्रांसमिशन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसीउन्नत सेवाएं प्रदान करेगा। उपग्रह के जरिए दूरदराज के क्षेत्रों तक डिजिटल पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा। नौसेना ने एक बयान में कहा कि यह मिशन उनकी अंतरिक्ष-आधारित संचार और समुद्री

इसरो ने एलवीएम3-एम5 रॉकेट से सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) उपग्रह किया लॉन्च .. 4,400 किलोग्राम वजनी — भारत का अब तक का सबसे भारी संचार उपग्रह .. विशेष रूप से भारतीय नौसेना के लिएविकसित, सात वर्ष तक करेगा काम.. मल्टी-बैंड प्रणाली से इंटरनेट, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सुरक्षित डाटा सुविधा

दुलारचंद हत्याकांड : तीन महीने बाद फिर बेऊर जेल पहुंचे बाहुबली अनंत सिंह

एजेंसी

पटनाःहत्या के मामले में पटना पुलिस ने शनिवार की देर रात जदयू के उम्मीदवार और बाहुबली अनंत सिंह को उनके घर से गिरफ्तार किया था। इसके बाद रविवार को पुलिस ने अनंत सिंह लेकर पटना सिविल कोर्ट पहुंची। सीजेएम कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अनंत सिंह को बेऊर जेल भेजा गया है। 3 महीने बाद वो फिर से बेऊर जेल में रहेंगे। इससेपहले 6 अगस्त को अनंत सिंह मोकामा गोलीकांड में बेऊर से बाहर आए थे। पुलिस कोर्ट में पेशी के लिए अनंत सिंह को ब्लैक स्कॉर्पियो में लेकर पटना सिविल कोर्ट पहुंची थी। इस दौरान अनंत सिंह की तस्वीर भी सामने आई थी। पटना केएसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने 150पुलिस वालों के साथ अनंत सिंह को देर रात उनके बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना में कारगिल चौक स्थित घर से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने अनंत सिंह को घर से उठाया और पटना लेकर आई। इसके बाद रात 2 बजे पटना डीएम और एसएसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी। 11 घंटे से अनंत सिंह रंगदारी सेल में थे। बताया जाता है कि वो रात भर सोए नहीं और पुलिस से कहते रहे कि घटना के वक्त मैं काफिले से आगे निकल चुका था,पीछे क्या हुआ मुझे पता नहीं।हत्याकांड मेंबाहुबली और जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह को शनिवार देर रात को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा खुद उन्हें गिरफ्तार करने गए थे। उन्हें गिरफ्तार करने के बाद पटना लाया गया था। हालांकि इससे पहले अनंत सिंह को पुलिस लाइन में रखा गया और सुबह एसएसपी कार्यालय स्थित स्पेशल रंगदारी सेल में रखा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिकजेडीयू नेता ने रात को कुछ नहीं खाया और सुबह उन्होंने चाय पी और नाश्ता भी किया था। अनंत सिंह तीन महीने बाद फिर से बेऊर जेल में रहेंगे। इससे पहले मोकामा गोलीकांड मामले में 6 अगस्त कोबेऊर जेल से बाहर आए थे।

झारखंड में आदिवासी और कुड़मी समाज को एकजुट करेगी माकपा

रांची, मार्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी (माकपा) झारखंड राज्य कमिटी की रविवार को बैठक हुई, जिसमें पहचान की राजनीति के आधार पर आदिवासीझ्रकुड़मी विभाजन पर गहरी चिंता व्यक्त की गई।

बैठक के दौरान कमिटी के पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यह विभाजन राज्य की सामाजिक एकता और सामूहिक प्रगति के लिए घातक है। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि किसानों, युवाओं और मेहनतकश तबकों की एकजुटता को संरक्षित रखने के लिए माकपा राज्यव्यापी अभियान चलाएगी।

बैठक में इस तथ्य का स्वागत किया गया कि दोनों समुदायों के भीतर बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो इस विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ खड़े हैं। पार्टी ने कहा कि इन प्रगतिशील लोगों के साथ संवाद बढ़ाते हुए दोनों समुदायों के बीच संपर्क और सहयोग को मजबूत किया जाएगा, ताकि विभाजन की राजनीति को परास्त किया जा सके।

राज्य कमिटी ने सरकारी ब्लड बैंक की जर्जर स्थिति और सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में चल रहे छह जिला अस्पतालों को पीपीपी मोड में दिए जाने के कदम का विरोध किया। कमिटी के सदस्यों ने कहा कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को कमजोर करेगा और गरीब तबकों की पहुंच सीमित करेगा। बैठक में संताल परगना और कोल्हान क्षेत्र में खनन और खनिज परिवहन से होने वाले प्रदूषण, सड़क दुर्घटनाओं और कृषि योग्य भूमि के नष्ट होने जैसी गंभीर समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत सर्वेक्षण कर मांग पत्र तैयार किया जाएगा और उसके आधार पर आंदोलन की शुरूआत की जाएगी।

वहीं, राज्य के अंचल कार्यालयों में बड़ी संख्या में लंबित दाखिलखारिज (म्यूटेशन) के आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई करने, गैर-मजरुआ भूमि की रसीद जारी करने तथा अंचल और प्रखंड कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान छेड़कर धरना-प्रदर्शन करने का भी निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान करल की वाम-जनवादी मोर्चा सरकार की राज्य में अत्यंत गरीबी को समाप्त किए जाने के ऐतिहासिक कार्य पर सरकार और जनता को बधाई दी गई। राज्य कमिटी के सदस्यों ने बताया कि आगामी 7 नवंबर (समाजवादी क्रांति दिवस) से 15 नवंबर (झारखंड स्थापना दिवस) तक केरल मॉडल के पक्ष में व्यापक जन-अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान राज्यभर में सभा, सेमिनार, परिचचाओं और गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता सुरजीत सिन्हा ने की।

झारखंड में 'मोंथा' का असर खत्म, अब बढ़ेगी ठंड

रांची,

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान 'मोंथा' का असर अब झारखंड में खत्म हो गया है। इसके साथ ही राज्य भर में अब ठंड के तेजी से बढ़ने की संभावना है। दरअसल, झारखंड के विभिन्न जिलों में 'मोंथा' के चलते तीन-चार दिनों से बारिश हो रही थी। इससे आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मौसम साफ रहेगा।

विभाग का कहना है कि रांची सहित कई जिलों में देर रात और सुबह में कुहासा छाया रहेगा। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश गोड्डा जिले के महागामा में 80.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा बोआरीजोर में 75.6 मिमी, , पथरगामा 56.2 मिमी, , गोड्डा 48.4 मिमी, , हंटरगंज में 32 मिमी, महेशपुर में 42 मिमी, , कोडरमा में 32 मिमी, , सतगांव 24 मिमी और सानजोर में 23.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री, जमशेदपुर में 31.1 डिग्री, डाल्टनगंज में 27.4 डिग्री, बोकारो में 28.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

बाबूलाल मरांडी के बयान निराधार आरोपों का पुलिंदा हैं: विनोद पांडे

रांची, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के बयान को राजनीतिक बौखलाहट का परिणाम बताया है। उन्होंने झूठ और अफवाह की राजनीति करने का आरोप भी लगाया।

विनोद पांडेय ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि बाबूलाल मरांडी की बयानबाजी पूरी तरह से निराधार आरोपों का पुलिंदा है। उन्हें जनता के मुद्दों पर बोलना चाहिए, न कि अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए झूठे आरोपों का सहारा लेना चाहिए। हेमंत सरकार जनता के विश्वास से बनी है और उसी भरोसे पर मजबूती से खड़ी है, जबकि भाजपा झूठ और अफवाह की राजनीति में लिप्त है।

पांडेय ने कहा कि जो व्यक्ति अपने शासनकाल में भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों के प्रतीक रहे हों, उन्हें नैतिकता और कानून की बातें शोभा नहीं देतीं। झारखंड की जनता जानती है कि हेमंत सोरेन सरकार पारदर्शिता और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध है। यहां किसी पर कार्रवाई तथ्यों और सबूतों के आधार पर होती है, न कि भाजपा सरकारों की तरह राजनीतिक दुर्भावना से।

झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा शासनकाल में पुलिस तंत्र का दुरुपयोग कर विरोधियों और निर्दोष आदिवासियों को फंसाया गया था। आज जब जांच एजेंसियां निष्पक्ष काम कर रही हैं, तो भाजपा नेताओं को परेशानी हो रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साफ कहा है कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रिम्स में घायलों से मिले देवेंद्रनाथ महतो, सरकार से कि मुआवजे देने की मांग

रांची, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो रविवार को रिम्स पहुंचे। बीते दिनों बुंडू जन आक्रोश रैली में शामिल होने के दौरान हुए सड़क हादसे में घायल आदिवासी ग्रामीणों से मुलाकात की। घायलों का हालचाल जाना और डॉक्टरों से मिलकर उनके बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही।

देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि यह दर्दनाक हादसा अत्यंत दुखद है। रैली में शामिल होने निकले ग्रामीण अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे। लेकिन रास्ते में यह त्रासदी घटित हुई। यह अनहोनी थी। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से सभी मृतक परिवारों को उचित मुआवजा देने और घायलों को निशुल्क उपचार उपलब्ध कराने की मांग की। गौरतलब है कि बुंडू के पास एनएच-33 पर गोसाईडीह के समीप हुए इस हादसे में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। और कई घायल हैं। जिनका रिम्स में इलाज चल रहा हैं।

उत्तर प्रदेश अपराध शाखा से मिली सूचना के आधार पर रांची पुलिस ने एक ट्रक से बरामद की कफ सिरप की खेप

रांची,

रांची की मांडर थाना पुलिस ने उत्तर प्रदेश क्राइम ब्रांच से मिली सूचना के आधार पर प्रतिबंधित कफ सिरप की खेप बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने एक सख्स को भी गिरप्तार किया है। आरोपित मुंबई के जोगेश्वरी ईस्ट के प्रेमनगर स्थित दुबे चाल जनता कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपित की पहचान वसीम निजाम शेख के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मुंबई का रहने वाला है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान 134 बोरी में बंद 13 हजार 400 बोतल सिरप बरामद किया है।

रांची के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रवीण पुष्कर ने प्रेस वार्ता कर रविवार को बताया कि एक नवंबर की रात वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), रांची को उत्तर प्रदेश क्राइम ब्रांच के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ट्रक (एनएल 01एएच-5510) में अवैध रूप से कफ सिरप को लोड कर रांची के चान्हो थाना की ओर से किसी अन्य जगह बेचने के लिए ले जाया जा रहा है।

सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की ओर से खलारी के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दल-बल के साथ एनएच-39 पर टांगरबसली मोड़ के पास जांच अभियान चलाया और ट्रक को चान्हो की ओर से आते देख कर सशस्त्र बल के सहयोग से उक्त ट्रक को रोका। ट्रक में भरे समान के संबंध में चालक से पूछताछ करने पर उसने बताया कि सड़ा हुआ चावल लदा हैं। पुलिस की जांच के क्रम में ट्रक के ऊपरी हिस्से में तो सड़े हुए चावल की बोरियां पाई गईं, लेकिन चावल की बारियों को हटाकर देखने पर सफेद रंग के प्लास्टिक के 134 बोरी बन्द अवस्था में कफ सिरफ की बोतलें पाई गईं। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने औषधी निरीक्षक को सूचित किया और औषधी निरीक्षक ने जब मौके पर पहुंच कर बन्द बोरी को खोलकर देखा, तो सभी बोरियों में कफ सिरप की बोतलें पाई गईं। कफ सिरप की कुल बोतल की संख्या-13400 है। बरामद कफ सिरप से संबंधित कागजता ट्रक चालक से मांगने पर उसकी ओर से कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किये। इसके बाद ट्रक सहित बरामद कफ सिरप को जब्त किया गया। बरामद कफ सिरप का बाजार मूल्य 30 लाख रुपये बताया जा रहा है।

संक्षिप्त खबर

विधि विभाग की वेबसाइट पर स्थानीय कानूनों को सार्वजनिक करने के लिए पत्राचार करेगा चेंबर

रांची, झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स की लीगल अफेयर्स उप समिति की पहली बैठक चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा की अध्यक्षता में चेंबर भवन में रविवार को हुई।

बैठक में डिजिटलाईजेशन ऑफ लोकल लॉ को आम जनहित में सुलभ बनाने के उद्देश्य से विधि विभाग की वेबसाइट पर सभी स्थानीय कानूनों को सार्वजनिक करने के लिए विभाग को पत्राचार करने का निर्णय लिया गया। झारखण्ड में लोकायुक्त और राज्य सूचना आयोग के सभी महत्वपूर्ण पद वर्षों से रिक्त होने के कारण होनेवाली प्रशासनिक कठिनाइयों पर भी चर्चा हुई। यह सहमति बनी कि इन महत्वपूर्ण पदों पर शीघ्र नियुक्ति के लिए राज्य सरकार से आग्रह किया जाएगा।

चर्चा के क्रम में यह भी सहमति बनी कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित कराने के लिए डीजीपी को पत्र भेजा जाएगा। इसके अलावा, व्यापारियों से संबंधित जटिल कानूनों की समीक्षा कर उनके सरलीकरण के लिए विभागीय स्तर पर पहल शुरू करने का भी निर्णय लिया गया। उप समिति के अध्यक्ष प्रेम शंकर मिश्रा ने कहा कि विधि से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाना व्यापारिक वातावरण को सुदृढ़ करेगा। झारखंड में विधिक प्रणाली का डिजिटल रूपांतरण समय की आवश्यकता है। उप समिति अध्यक्ष देवेश अजमानी और वैभव मोदी संयुक्त रूप से कहा कि व्यापार जगत और शासन तंत्र के बीच बेहतर समन्वय के लिए विधिक जागरूकता और कानूनों की समय-समय पर समीक्षा बेहद जरूरी है। लीगल अफेयर्स उप समिति इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएगी। बैठक में चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव रोहित पोद्दार, लीगल उप समिति के चेयरमैन प्रेमशंकर मिश्रा, देवेश अजमानी, वैभव मोदी, सदस्य पूनम आनंद, शशांक भरद्वाज, प्रमोद सारस्वत, राजीव चौधरी, शैलेन्द्र सुमन और श्रवण कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

रांची स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में महाप्रसाद का वितरण

रांची, रांची के श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम, पुंदाग स्थित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को 236वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन हुआ। यह आयोजन गोपी किशन छापड़िया के सौजन्य से श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा किया गया। पुजारी अरविंद कुमार पांडे ने मंदिर में श्री राधा-कृष्ण का दिव्य श्रृंगार कर दोपहर 12 बजे मेवायुक्त केसरिया खीर का भोग लगाया। इसके बाद, मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर आयोजित भजन संध्या में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। राधे-कृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। सामूहिक महाआरती कर ईश्वर का मनन किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि आज चार हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री राधा-कृष्ण के दर्शन किए। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, मधुसूदन जाजोदिया, नंदकिशोर चौधरी, पूरणमल सर्राफ, हरीश कुमार, बसंत वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

पूर्वी सिंहभूम भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मोहम्मद एजाज रसूल पार्टी से निष्कासित

रांची, पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद एजाज रसूल को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

मोहम्मद एजाज रसूल को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने, घाटशिला उपचुनाव में पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव प्रचार में शामिल होने के कारण पार्टी से निष्कासित किया है।

प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ, प्रदीप वर्मा ने इस आशय से संबंधित पत्र रविवार को जारी किया है, जो तत्काल प्रभाव से लागू है।

कांग्रेस कोटे के दोनों स्वास्थ्य मंत्री चाईबासा ब्लड बैंक कांड के जिम्मेदार

रांची: थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे को चाईबासा ब्लड बैंक द्वारा एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ा दिए जाने का मामला उजागर होने के बाद से प्रदेश भाजपा सरकार पर लगातार हमलावर है. इस मामले को लेकर एक ओर जहां स्वास्थ्य महकमा व्यवस्था सुधारने के लिए अलर्ट मोड में है. वहीं राज्य की मुख्य विपक्षी दल भाजपा इस मुद्दे पर काफी आक्रामक नजर आ रही है. आज रविवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने 13 जनवरी 2021 को भारत सरकार की ओर से झारखंड के औषधि नियंत्रण विभाग को भेजे गया पत्र की छाया प्रति सार्वजनिक की है. ये पत्र जारी करते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि चाईबासा ब्लड बैंक की घटना पूरी तरह से राज्य की महागठबंधन की सरकार में स्वास्थ्य विभाग, औषधि नियंत्रक निदेशालय और 2021 में राज्य के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री की लापरवाही का नतीजा है. अजय साह ने कहा कि भारत सरकार की ओर से झारखंड स्वास्थ्य विभाग को स्पष्ट रूप से चेताया गया था. चाईबासा ब्लड बैंक का वर्ष 2020 में हुए ज्वाइंट इंस्पेक्शन में पायी गयी खामियों का जिक्र करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिया था. जिससे ब्लड बैंक में आवश्यक सुधार हो लेकिन 2021 से अब तक झारखंड के दोनों भ्रष्ट स्वास्थ्य मंत्रियों ने इस चेतावनी को पूरी तरह नजरअंदाज किया।

नालंदा में मंत्री इरफान अंसारी का बीजेपी पर बड़ा हमला, बयान पर भाजपा से मिला करारा जवाब!

रांची:

अपने बयानों की वजह से लगातार सुर्खियों में बने रहने वाले झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एक बार फिर अपने बयानों की वजह से भाजपा के निशाने पर हैं. चुनावी दौरे पर बिहार के नालंदा जिला में उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही डबल इंजन की सरकार को ₹राक्षसों का राज₹ करार दिया था. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री के इस बयान के बाद भाजपा की झारखंड प्रदेश इकाई की प्रवक्ता ने कहा कि समाचार में बने रहने के लिए इरफान अंसारी इस तरह के उटपटांग बयान देते रहते हैं.

स्वास्थ्य विभाग में राक्षसों का राज-राफिया नाज

राफिया नाज ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को अपना पूरा ध्यान राज्य की बेपटरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर देना चाहिए जहां मासूम बच्चों को ल्क्ष्र पॉजिटिव खून चढ़ा दिया जाता है, अस्पताल में दवा नहीं है, लोगों की स्वास्थ्य की बुनियादी जरूरत को भी सरकारी अस्पताल पूरा नहीं कर पा रहा है. राफिया नाज ने कहा कि वास्तव में तो राक्षस डॉ. इरफान अंसारी का स्वास्थ्य विभाग बन गया है, जो मासूम बच्चों तक को ल्क्ष्र पॉजिटिव ब्लड चढ़ाकर उनकी जान लेने पर तुला है.

'बिहार में जंगलराज भाजपा की परिकल्पना'

अपने चुनावी दौरे के दौरान बिहार के नालंदा में इरफान अंसारी ने कहा था कि ये लोग कहते थे कि बिहार में जंगल राज है, लेकिन उनका मानना है कि बिहार में कोई जंगलराज नहीं था. यह भाजपा की बनाई परिकल्पना भर थी, लेकिन आज तो उससे बदतर राक्षसों का राज बिहार में है. उन्होंने कहा कि अगर हमसब मिलकर इस राक्षस राज को समाप्त नहीं किया तो आनेवाली हमारी पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी. डॉ इरफान अंसारी इतना पर ही नहीं रुके थे. उन्होंने आगे कहा था कि उद्योगपतियों के पैसे से भाजपा के नेता घूम रहे हैं, लेकिन इंडिया ब्लॉक के नेताओं के पास जनता का समर्थन है.

'सीएम नीतीश को भाजपा ने बौना बनाया'

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री और जामताड़ा से विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने कहा था कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भाजपा ने बौना बना दिया है. अब उनको भाषण भी नहीं दिया जाता है.

जेएमएम नेता का बयान, मोकामा की घटना को बताया बिहार में व्याप्त जंगलराज का प्रतीक

रांची:

मोकामा में हुई दुलारचंद यादव की सरेआम हत्या को झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बिहार में व्याप्त जंगलराज का उदाहरण करार दिया है. इस मामले में मोकामा के पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर झामुमो प्रवक्ता मनोज पांडेय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. मनोज पांडेय ने कहा कि इसमें प्रशंसा करने का नहीं बल्कि बिहार की सरकार, वहां के मुख्यमंत्री, पुलिस प्रमुख और चुनाव आयोग से यह सवाल पूछने का वक्त है कि पुलिस की चौकसी के बावजूद कैसे इतनी बड़ी घटना घट गई? उन्होंने कहा कि जब चुनावी प्रक्रिया शुरू होने से पहले हथियार जमा करा लिए जाते हैं तो जदयू नेता के काफिले में हथियार कहां से आये, वहां के पूर्व विधायक अनंत सिंह खुद एक मीडिया में कह रहे है कि 40 गाड़ियों के काफिले के साथ वह थे, 30 गाड़ी आगे बढ़ गईं तब यह घटना घटी. क्या चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों को यह दिख नहीं रहा है. मनोज पांडेय ने आगे कहा कि विरोधियों के नेताओं को गोली मरवा कर ये लोग अब कार्रवाई कर रहे हैं, यह प्रशंसा का नहीं दुर्भाग्य की बात है.

पत्रकारों की आवाज कोई नहीं दबा सकता : अवधेश शुक्ला

- झारखंड पत्रकार संगठन की बैठक में शुक्ला के नेतृत्व पर जताया गया सर्वसम्मत भरोसा, कार्य समिति ने इस्तीफा किया नामंजूर

पलामू, संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड पत्रकार संगठन की बैठक रविवार को केंद्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला की अध्यक्षता में ऐतिहासिक माहौल में संपन्न हुई। जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लेकर संगठन की एकजुटता और मजबूती का परिचय दिया। बैठक की शुरुआत में संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला द्वारा दिया गया इस्तीफा सर्वसम्मति से नामंजूर कर दिया गया। उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि श्री शुक्ला ने सदैव पत्रकारों की आवाज बुलंद की है और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। ऐसे में संगठन को उनके सशक्त नेतृत्व की आवश्यकता है।बैठक में निर्णय लिया गया कि संगठन अब पलामू जिले के सभी प्रखंडों में बैठकें आयोजित कर पत्रकारों की समस्याओं को करीब से समझेगा और समाधान के लिए ठोस पहल करेगा।केंद्रीय अध्यक्ष अवधेश शुक्ला ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना हैं, और इस आईने पर कोई धूल जमने नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पलामू के पत्रकारों को सच लिखने से कोई नहीं रोक सकता, संगठन इसके लिए किसी भी स्तर तक जाएगा।उन्होंने राज्य सरकार से पत्रकारों के हित में ठोस नीतियां बनाने की मांग की। कहा कि झारखंड सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए काम कर रही है, लेकिन पत्रकारों के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बहुत जल्द संगठन का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिलकर पत्रकारों को आवास और स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिलाने की मांग करेगा।बैठक का संचालन वरिष्ठ पत्रकार अरविंद तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन रघुवीर नारायण पांडे ने किया। उपस्थित पत्रकारों ने बैठक को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह संगठन की नई ऊर्जा और एकता का प्रतीक बनेगी।बैठक में नीलकमल शुक्ला, राजकुमार पांडे, प्रवीण शुक्ला, उपेंद्र कुमार, राजीव तिवारी, विजय तिवारी, नीरज कुमार, मिथिलेश विश्वकर्मा, रघुवीर नारायण पांडे, जितेंद्र कुमार सिंह, मोरध्वज पांडे, अनिल कुमार,अभिषेक रंजन, आशीष कुमार, शशि भूषण सिंह, पवन प्रभात, दुर्गा प्रसाद तिवारी, योगेंद्र कुमार मिश्रा, धनंजय तिवारी, अनीश कुमार, मोहम्मद हसीब सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

आसनसोल वाराणसी पैसेंजर ट्रेन से रेलवे और वन विभाग ने अवैध लकड़ी किया जप्त

कोडरमा, संवाददाता

झुमरीतिलैया : कोडरमा गुरपा रेल खंड में ट्रेन से लकड़ी का अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु रविवार को डनि जितेंद्र कुमार साथ स्टाफ एवं रजनीश कुमार, वन क्षेत्र पदाधिकारी गुरपा साथ स्टाफ द्वारा संयुक्त रूप से ऑपरेशन विलेप के तहत गाड़ी संख्या 13553 अप आसनसोल वाराणसी पैसेंजर ट्रेन का वन विभाग द्वारा दो मिनट अतिरिक्त ठहराव पर गुरपा रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म संख्या दो पर समय 13.09 13.13 बजे आगमन पर चेकिंग के दौरान विभिन्न कोच के खिड़की बाहर छिपे ढंग एवं कोच के अंदर हरा कच्चा लकड़ी बरामद हुआ, मौके पर पूछताछ में किसी ने भी मालिकाना हक नहीं बताए जिसे लावारिस हालत में उतार कर एकत्र करने पर वजन करीब 750 किग्रा, जिसका अनुमानित मूल्य 6000 हजार रु0 बरामद हुआ है। इस संबंध में संयुक्त नोट बनाया गया जिसे वन विभाग, गुरपा अपने साथ ले गए। अभियान शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

5 नवंबर को नगर विकास मंत्री सह उच्च शिक्षा मंत्री आवास का घेराव करेंगे सहायक अध्यापक

धनबाद : झारखंड राज्य संघर्ष मोर्चा की एक आवश्यक बैठक धनबाद के गोल्फ ग्राउंड मैदान में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती संचालन राज्य कोषाध्यक्ष छोटन प्रसाद साव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 5 नवंबर 2025 को नगर विकास मंत्री सह उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आवास का घेराव किया जाएगा। जिसमें सहायक अध्यापकों ने आह्वान किया है कि धनबाद के तमाम सहायक अध्यापक अध्यापिका जिले के सभी पदाधिकारी सभी प्रखंडों के पदाधिकारी एवं सभी संकुलों के पदाधिकारी एवं सहायक अध्यापक अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर बखूबी एकता का परिचय दें। अगर 5 नवंबर को मंत्री के आवास घेराव के बाद सरकार के द्वारा सार्थक पहल करते हुए मांग को पूरा नहीं किया जाता है तो आगामी 15 नवंबर 2025 को झारखंड के तमाम सहायक अध्यापक धनबाद के तमाम सहायक अध्यापक रांची के मोरहाबादी मैदान में एकत्रित होकर विरोध यात्रा निकालते हुए मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे, जिसकी सूचना सरकार एवं विभागीय अधिकारियों को 31 अक्टूबर को लिखित रूप में दी जा चुकी है सहायक शिक्षकों की मांग समान काम का समान वेतन। पिछले समझौता के तहत आकलन परीक्षा को टेट के समतुल्य मान्यता, समझौते के अन्य सभी बिंदु को लागू करना। सहायक अध्यापकों की सेवा निवृत्ति 60 से बढ़ाकर 65 वर्ष किया जाए। इस बैठक में मुख्य रूप से अशोक चक्रवर्ती?, छोटन प्रसाद साव, गुरु चौधरी उर्फ नरेंद्र सिंह चौधरी, संजय सिंह, नवल कुमार मिश्रा, रविन्द्र नाथ महतो, अनिल रवानी, मुकेश कुमार सिंह, मनोज साहनी,शिव दयाल पासवान ओमप्रकाश महतो ललित चौधरी नन्दलाल महतो दीपक कुमार मुखा सहित दर्जनों सहायक अध्यापक उपस्थित थे।

जमुआटांड़ में श्रीमद भागवत कथा को लेकर 251 कलश के साथ निकला शोभायात्रा

पचरास : जमुआटांड शास्त्री नगर में संगीतमय श्रीमद भागवत कथा को लेकर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा मंडप परिसर से निकल कर डुमरा जयरवाथ पहुंची। जहां विद्वान पंडितों ने वैद मंत्रोच्चार के बीच 251 कलशों में जलाभरण करवाया। पंडित प्रदीप शास्त्री व प्रीति शास्त्री ने बताया कि ये नवंबर से आयोजित धार्मिक अनुष्ठान की पूर्णाहुति 9 नवंबर को विशाल भंडारा के साथ सम्पन्न होगी। जगत गुरु विष्णु स्वामी आचार्य श्री महाराज हरिहर मगोत्री के द्वारा प्रवचन कथा की समाप्ति 8 नवंबर को होगी। गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु भक्ति गीतों की धुन पर नाचते थिरकते व जयकारा लगाते चल रहे थे।इस दौरान धार्मिक जयकारों से माहौल भक्तिमय बन गया था। यात्रा के दौरान कथा वाचक जगत गुरु विष्णु स्वामी आचार्य जी महाराज सुसज्जित रथ में सवार थे, जो भक्तों को आशीर्वाद दे रहे थे। कलश यात्रा में वैदिक शास्त्री, दिलीप पाठक, सरस्वती ज्ञानपीठ हरिणा के निदेशक डा. मुकेश कुमार साव, नीरजा साव, प्रदीप पांडे सहित काफी संख्या में श्रद्धालु थे।

लायंस क्लब सिन्दरी के द्वारा विभिन्न चौक चौराहे पर बैरीकेड्स लगाये गये

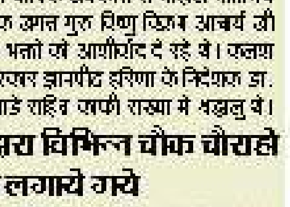

सिंदरी : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण में लायंस क्लब सिन्दरी के द्वारा विभिन्न चौक चौराहे पर बैरीकेड्स लगाये गये । जिनमें सिन्दरी थाना-3, मोटर पार्स-1, एस के कोर मोड-4 और डगडा पुल पर 2 बैरीकेड्स लगाये गये गिरीडीह के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी सह लायंस क्लब ऑफ गिरीडीह के चार्टर सदस्य लायन प्रदीप डोकानीया एवं लायन अमरजीत सिंह सलूजा के सौजन्य से प्राप्त उपरोक्त बैरीकेड्स के द्वितीय चरण में शीघ्र ही 10 और बैरीकेड्स लगाये जाएंगे। उपस्थित सदस्य - लायन प्रशान्त पाण्डेय, हरविंदर सिंह, मनोज तिवारी, अखिलेश सिंह, प्रेम सिंह टग्गर, रामा चन्द्रा प्रभाकर, मासूम अहमद, मृत्युंजय कुमार, उदय सहाय, नरेश कुमार सिंह आदि शामिल रहे।

सांसद ने किया फैमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया

बलियापुर : रविवार को सांसद दुलु महतो व भाजपा नेत्री तारा देवी ने रविवार को बिचियापुर पेट्रोल पंप के पास बने फैमिली रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया। संचालक इसवर मोदक ने कहा खाने के लिए कम दामों में ग्राहकों को खाना मिलेंगे खाने में सभी वैरायटी मौजूद रहेंगे मौके पर। शकील अंसारी, शाहबुद्दीन अंसारी,अजमत खान, सुभाष सिंह चौधरी, झामुमो नेता लक्ष्मी नारायण महतो, मनोज चौधरी, सांसद प्रतिनिधि विजय रवानी, राजेश, शंकर रवानी, अभिषेक बजाज, रवीन्द्र कुमार,पियूष कुमार बनर्जी, प्रदीप,सारणी, राजेश, उमाचंद अंसारी, परेश मोदक विट्टू सिंह प्रसून महतो आदि मौजूद थे।

आवास योजना का लाभ मिलने की आश में आज भी ग्रामीण नारायण राम आते परेशान नजर

कोडरमा, संवाददाता

कोडरमा : जिला के डोमचांच प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बगडो पंचायत के वार्ड संख्या 03 निवासी नारायण राम पिता जौकलाल राम का मिट्टी मकान जर्जर होकर धंसने लगा है। उनका पूरा परिवार भय के कारण जर्जर मिट्टी मकान छोड़कर इधर उधर रहकर किसी प्रकार जीवन यापन करने को विवश हैं। वहीं नारायण राम के बताए अनुसार जनप्रतिनिधि सहित पदाधिकारियों से मदद की गुहार लगा चुके हैं। परंतु किसी भी प्रकार से सहयोग अभी तक नहीं मिल पाया है। उन्होंने यह भी बताया की मिट्टी घर धंसने के कारण जानवरों को भी घर में नहीं रखते हैं। काफी हमसब पूरा परिवार परेशान हैं। उन्होंने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मांग किया की जल्द से जल्द हमें आवास योजना का लाभ दिया जाय ताकि पूरा परिवार सकुशल तरीके से रह सके। जरा सोचिये सरकार गरीबों योग्य लोगों को योजनाओं का लाभ कैसे मिले इसपर फोकस कर प्रचार प्रसार करवाती है। परंतु ना जाने योग्य लाभुक कैसे योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। यह बड़ा सवाल खड़ा करता है।

संत श्री विज्ञान देव जी महाराज के जन्मदिन के अवसर पर विहंगम योग संस्थान ने किया रक्त दान

- अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में लगाया गया शिविर कुल 22 यूनिट हुआ रक्त दान
- आपके रक्त दान से बचेंगे कई लोगों की जान, रक्त दान सबसे बड़ा धार्मिक कार्य है गौराग महतो

पलामू, संवाददाता

हुसैनाबाद/पलामू : अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में शिविर लगा कर विहंगम योग संस्थान ने रक्त दान किया यह कार्यक्रम स्वर्वेद कथामृत के प्रवर्तक सुपूज्य संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर किया गया। विश्व व्यापी रक्तदान शिविर के तहत 1 नवंबर को हुसैनाबाद में यह आयोजन हुआ,कार्यक्रम में अनुमंडलीय प्रशासन भूमि सुधार उप समाहर्ता हुसैनाबाद गौरांग महतो एवं अनुमंडल चिकित्सा प्रभारी उपाधीक्षक डॉ संजय कुमार रवि संस्था के परामर्श सुरेंद्र प्रसाद सिंह एवं पलामू जिला सह संयोजक राजेश भारद्वाज आदि ने संयुक्त रूप से सद्गुरु के चित्र पर माल्यार्पण एवं अखंड दीप प्रज्वलित कर रक्तदान शिविर का प्रारंभ कराया। मौके पर एलआरडीसी गौरांग महतो ने कहा कि आपके रक्त दान से कई लोगो को जीवन दान मिलेगा रक्त दान दुनिया के सबसे बड़ा धार्मिक व सामाजिक कार्य है।उन्होंने विहंगम योग संस्थान के द्वारा मानवता वादी कार्य करने के लिए साधुवाद दिया और कहा की प्रत्येक वर्ष बड़ा ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। वहीं चिकित्सा प्रभारी उपाधीक्षक डॉ रवि ने कहा कि विहंगम योग संस्थान सामाजिक कार्यों में एवं मानवता की सेवा में हमेशा विशेष योगदान करता रहा है। जिला सह संयोजक राजेश भारद्वाज ने कहा विहंगम योग संस्थान आध्यात्मिक संस्थान के साथ साथ सामाजिक संगठन भी है, एक यूनिट रक्तदान करके हम सब तीन जिंदगियां बचाते हैं। रक्तदान महादान है प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को 3 महीने पर एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए इससे कई प्रकार के रोगों से भी बचाव हो जाता है। आगे उन्होंने कहा रक्त प्रयोगशाला में नहीं बनाया जा सकता, रक्तदान कर ही हम रक्त की कमी को एवं रक्त के अभाव में होने वाले अनेक जीवन को बचाया जा सकता है इसलिए हुसैनाबाद वासियों से विशेष आग्रह है हुसैनाबाद में ब्लड बैंक की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। शिविर में अंतिम समय तक कुल 22 लोगो ने रक्त दान किया था, शेष लोगो की रक्त पहचना से जांच की जा रही थी। मौके पर झारखंड राज्य परामर्शक श्री सुरेंद्र प्रसाद सिंह, जिला प्रचारक रामाशीष सिंह, रामप्रवेश सिंह, प्रखंड सेवा प्रभारी चंदन मेहता, अमृतेश मिश्रा, इंद्रजीत विश्वकर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, हैदरनगर प्रखंड प्रभारी सुचित कुमार, मोहन राम, राजेंद्र सिंह, बसंत, सुप्रिया जैन सहित अनेक लोग मौजूद थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम कमीशनिंग कार्य का किया अवलोकन

मॉक पोल कर इलेक्ट्रॉनिक रिजल्ट और वीवीपैट पर्चियों का कि मिलान

जमशेदपुर, संवाददाता

जमशेदपुर : आगामी 11 नवंबर को होने वाले घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए उपयोग की जाने वाली ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की कमीशनिंग प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने इस मौके पर को-ऑपरेटिव कॉलेज परिसर में संचालित कमीशनिंग एवं मॉक पोल का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रत्याशियों की सूची के प्रकाशन और दूसरे रैंडमाइजेशन के बाद क्रमवार सीयू, बीयू और वीवीपैट मशीनों की कमीशनिंग की गई। जिसमें बैलेट पेपर, कैंडिडेट सेटिंग और सिंबल लोडिंग का कार्य किया गया तथा आयोग के दिशा-निर्देश के अनुरूप एड्रेस टैग और पिंक पेपर सील से सीलिंग की गई। इस दौरान प्रत्याशी या उनके प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। साथ ही प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पांच प्रतिशत मशीनों पर 1000-1000 वोट डालकर मिलान किया गया। जिसमें इलेक्ट्रॉनिक रिजल्ट और वीवीपैट पर्चियां एक समान पायी गई। जिसके बाद सभी मशीनों को स्ट्रॉंग रूम में कड़ी सुरक्षा के साथ रखा गया है। मतदान के दिन के लिए ईवीएम मशीनों को प्रत्याशियों/प्रतिनिधियोंकी उपस्थिति और वीडियोग्राफी के बीच मतदान केंद्रों पर भेजा जायेगा। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, ईवीएम कोषांग के प्रभारी मो. मेजाहिद अंसारी समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

मानगो में तीन हजार से अधिक भक्तों ने किया श्री श्याम बाबा का प्रसाद ग्रहण

जमशेदपुर, संवाददाता

जमशेदपुर : देवउठनी ग्यारस के शुभ अवसर पर श्री श्याम मित्र मंडल मानगो का दो दिवसीय 26 वां श्रीश्री श्याम जन्मोत्सव पूरी श्रद्धा, भक्ति भाव के साथ धूमधाम से रविवार को संपन्न हुआ। मानगो न्यू पुरुलिया रोड स्थित श्री श्याम भवन में दूसरे दिन रविवार की सुबह 4:15 बजे मंगला आरती की गई। बाबा श्याम का बागा का पूजन एवं भोग दोपहर 12:15 बजे लगा। महाप्रसाद दोपहर 1:15 बजे से शुभारंभ हुआ और जो संध्या 5 बजे तक चला। शहर के लगभग हर क्षेत्र समेत आस-पास एरिया से आये तीन हजार से अधिक भक्तों ने बाबा श्याम का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पूरे कार्यक्रम में श्याम भक्ति का ऐसा रंग चढ़ा कि भक्तों ने श्री श्याम प्रभु के अलौकिक छवि को अपने हृदय पटल पर अंकित किया। भक्तों ने बाबा श्याम के समक्ष सच्चा है दरबार तुम्हारा, संकट काटो श्याम हमारा की प्रार्थना की। इससे पहले शनिवार की देर रात्रि तक भजनों संग बाबा श्याम के जयकारे गूंजते रहे। हजारों भक्तों ने श्याम बाबा का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। रात 12 बजे केक कटिंग के बाद भक्तों के बीच बधाई बांटी गई। देर रात्रि महाआरती के बाद उपस्थित भक्तों के बीच छप्पन भोग प्रसाद वितरित किया गया। इसे सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष महावीर प्रसाद अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल अग्रवाल (मामाजी), सचिव विजय खेमका, कार्यक्रम कोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, सीमांत अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, अजय सिंह, दीपक पटवारी, पवन अग्रवाल, अजय चौधरी, पवन संघी, मनोज मोदी सहित श्री राजस्थान नवयुवक संघ, श्री श्याम महिला मंच और श्रीश्याम युवा मंच के सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान भी रहा।

कदमा केपीएस में 'लेट्स मेक अ डिफरेंस' यूथ कॉन्फ्रेंस का हुआ शानदार समापन

जमशेदपुर, संवाददाता

जमशेदपुर : कदमा स्थित केरला पब्लिक स्कूल में रविवार 'लेट्स मेक अ डिफरेंस' यूथ कॉन्फ्रेंस का शानदार समापन हुआ। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि टाटा स्टील कॉर्पोरेट सर्विसेज के वीपी डीबी सुंदरा रामम उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथियों में बासवत्ता मजूमदार मुख्य निदेशक, राजीव अग्रवाल एवं श्रद्धा अग्रवाल समन्वयक, शरत चन्द्रन निदेशक केपीएस समूह, शान्ता वैद्यनाथन संस्थापक प्राचार्या, लक्ष्मी आर शैक्षणिक निदेशक, आलमेलु रविशंकर प्रधानाध्यापिका समेत अन्य भी मौजूद थे। रविवार को कदमा केपीएस में 'लेट्स मेक अ डिफरेंस' जमशेदपुर यूथ कॉन्फ्रेंस 2025 का भव्य समापन हुआ। आत्मचिंतन, संवाद और परिवर्तन के चार दिवसीय सम्मेलन का यह अंतिम दिन आत्मबोध, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और भावनात्मक नवीकरण की भावना से परिपूर्ण रहा। इस आयोजन में जमशेदपुर के 17 विद्यालयों के लगभग 750 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वर्तमान समय में जहां शोर और स्क्रीन का आधिपत्य है। वहां 'लेट्स मेक अ डिफरेंस' ने युवाओं को एक विराम, एक पवित्र अवसर दिया। स्वयं से पुनः जुड़ने का। जिसमें राष्ट्रीय संचालक बासवत्ता मजूमदार और उनकी प्रभावी टीम द्वारा संचालित यह सम्मेलन सैकड़ों छात्रों के लिए एक आत्मपरिवर्तनकारी अनुभव बना। इस वर्ष का आयोजन विशेष था क्योंकि इसने 25 वर्षों की साझेदारी 'सिल्वर जुबली' का उत्सव भी मनाया। जिसने युवा मनों में आत्मचेतना की लौ जगाई है। इस अवसर पर निदेशक शरत चन्द्रन ने कहा कि केपीएस ट्रस्ट इस आत्ममंथन पर आधारित यूथ कॉन्फ्रेंस का आयोजन हर वर्ष बिना किसी विराम के करता आ रहा है। केवल अपने छात्रों के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जमशेदपुर के युवाओं के लिए। जिसका उद्देश्य सदैव यही रहा है कि युवा मन अधिक सहनशील, विचारशील और 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार बनें। इसकी यात्रा केपीएस में वर्ष 2000 से प्रारम्भ हुई। जब इसे 'सवेरा' नामक एक आवासीय शिविर के रूप में शुरू किया गया था। यह शिविर प्रति वर्ष लगभग 50 विद्यार्थियों को आत्मचिंतन का अनुभव कराता था और 2012 तक चलता रहा। इसके बाद यह कार्यक्रम 'लेट्स मेक अ डिफरेंस' के रूप में विकसित हुआ। जिसने अपनी पहुंच और प्रभाव को व्यापक बनाते हुए हजारों युवाओं के जीवन को स्पर्श किया। एक छोटे शिविर से लेकर पूरे शहर के आंदोलन तक आज भी केपीएस ट्रस्ट की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो जागरूकता, नैतिकता और सहानुभूति के विकास को प्राथमिकता देती है। इसके केन्द्र में 'क्वायट टाइम' है और एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें विद्यार्थी स्वयं से संवाद करते हैं। अपनी अन्तः चेतना की सुनते हैं और जीवन के अर्थ पर विचार करते हैं। आत्मानुभवों की साझेदारी, भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर चर्चाएं और मौन के क्षणों के माध्यम से प्रतिभागियों ने सीखा कि कैसे वे व्याकुलताओं के बीच संतुलन बना सकते हैं, संबंधों को सुदृढ़ कर सकते हैं और अपने उद्देश्य को पुनः खोज सकते हैं। वहीं अपने संबोधन में बासवत्ता मजूमदार ने कहा कि हर पीढ़ी अपने विध्वंसक का सामना करती है। सच्ची शक्ति दुनिया को शांत करने में नहीं, बल्कि अपने मन को साधने में निहित है। जब बाहर का शोर भीतर की आवाज से ऊंचा हो जाए, तब हमें रुककर फिर से सुनना चाहिए। वहीं से असली परिवर्तन शुरू होगा है। 'इनिशिएटिव्स ऑफ चेंज' से प्रेरित 'लेट्स मेक अ डिफरेंस' अब एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है और जो आत्म-नेतृत्व, सत्यनिष्ठा और संवेदनशीलता को बढ़ावा देता है। केपीएस कदमा में इसका सिल्वर जुबली समारोह इस सतत दृष्टि का उत्सव है। जहां शिक्षा आत्मचिंतन से जुड़ती है और सफलता आत्मबोध से। केपीएस ट्रस्ट के दूरदर्शी नेतृत्व में केरला पब्लिक स्कूल समग्र विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है। जहां शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नैतिकता और करुणा का संतुलन सिखाया जाता है। इस सम्मेलन ने पुनः यह सिद्ध किया कि मौन, सच्चाई और सेवा के बल पर ही भविष्य के सशक्त एवं संवेदनशील नेता गढ़े जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली ने दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया : योगी आदित्यनाथ

वैशाली, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वैशाली जिले के लालगंज विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी संजय कुमार सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। तेज बारिश के बावजूद भारी संख्या में लोग रैली स्थल पर जुटे रहे। योगी आदित्यनाथ ने जनसभा में कहा कि यह धरती यूं ही लोकतंत्र की जननी नहीं कहलाती। वैशाली ने दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया है। जिस जोश और उत्साह के साथ आप बारिश में भी डटे हैं, यह साबित करता है कि लालगंज में भाजपा का कमल फिर से खिलेगा। उन्होंने कहा कि बिहार अपने गौरवशाली अतीत के लिए जाना जाता है। यही वह धरती है, जिसने विश्व को नालंदा विश्वविद्यालय दिया और लोकतंत्र की नींव रखी। योगी ने सरदार वल्लभभाई पटेल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने के लिए उन रियासतों को झुकाया जो भारत गणराज्य में शामिल नहीं होना चाहती थीं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार में अराजकता का माहौल था किसान पलायन कर रहे थे, नौजवान बेरोजगार थे, और व्यापारियों की हत्या आम बात थी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों में बिहार ने स्थिरता और विकास की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं। योगी ने कहा कि नया भारत झुकता नहीं, रुकता नहीं। आतंकवाद और नक्सलवाद को उसके गढ़ में घुसकर खत्म करता है। यह भारत विकास भी करता है और सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। उन्होंने कांग्रेस और राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग राम मंदिर का विरोध करते थे, कोर्ट में कहते थे कि राम हैं ही नहीं। लेकिन आज मंदिर बन रहा है, और यही नया भारत है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया पर बुलडोजर चलता है और उनकी संपत्ति जब्त कर गरीबों के लिए आवास बनाए जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि अगर बिहार में एनडीए की सरकार बनती है, तो न माफिया राज लौटेगा, न अपराध। सभा के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि लालगंज सहित पूरे बिहार में भाजपा और एनडीए की ऐतिहासिक जीत होगी। अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल वोट बैंक की राजनीति करता है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में देश और बिहार दोनों विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने गरीबों के लिए मुफ्त राशन, आवास, शौचालय, बिजली और रोजगार जैसी योजनाओं को धरातल पर उतारा है।

दुलारचंद यादव मर्डर केस में अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर बोले तेजस्वी, यह तो होना ही था

पटना, एजेंसी। दुलारचंद यादव हत्याकांड में देर रात पटना पुलिस ने अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि, अब मोकामा की जनता चुनाव लड़ेगी। शनिवार की रात पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा पूर्व विधायक को गिरफ्तार करने टीम के साथ मोकामा पहुंचे थे। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी का वीडियो भी अनंत सिंह ने अपने पोस्ट में शेयर किया है। गिरफ्तारी के बाद क्या बोले अनंत सिंह ?- दुलारचंद यादव मर्डर केस में गिरफ्तारी के बाद बाद मोकामा से जेडीयू सांसद अनंत सिंह ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सत्यमेव जयते !! मुझे मोकामा के जनता पर पूर्ण भरोसा है !! इसलिए चुनाव अब मोकामा की जनता लड़ेगी ! अनंतसिंह। पटना एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने दी जानकारी -पटना के एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि इस हत्याकांड में मोकामा से जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह समेत उनके दो सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अब तक तीन लोगों की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एसएसपी ने बताया कि यह कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और घटनास्थल से जुटाए गए वीडियो फुटेज जैसे साक्ष्यों के आधार पर की गई है। क्या बोले अनंत सिंह के समर्थक- वहीं अनंत सिंह के समर्थक ने कहा कि अनंत सिंह ने कानून का सम्मान करते हुए ये गिरफ्तारी दी है और उनका कहना है की वो पूरी तरह बेगुनाह है। और जहां तक चुनाव की बात है तो मोकामा की जनता चुनाव लड़ती है। हमेशा से विधायक जी के साथ मोकामा की जनता ने न्याय किया है और इस बार भी करेगी। अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर बोले तेजस्वी यादव - अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तो होना ही था यह स्पष्ट था। जिस प्रकार से घटना का अंजाम दिया गया यह तो होना ही था। आज प्रधानमंत्री जी आ रहे हैं आज ही आरा में और रोहतास में पिता पुत्र की हत्या कर दी गई। लगातार बिहार में महा जंगल राज की स्थिति बन रही है कोई ऐसा दिन नहीं है जिस दिन बिहार में गोलियां ना चल रही हो। यह सब प्रधानमंत्री जी को नहीं दिख रहा है। महागठबंधन की सरकार बनने का दावा - आप लोगों को बता देना चाहता हूं 14 नवंबर को महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

आरजेडी ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी किया,

पीएम मोदी का महागठबंधन पर कड़ा प्रहार

आरा, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान से महज चार दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरा के भोजपुर जिले में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। एनडीए के संकल्प को मजबूत बताते हुए पीएम मोदी ने महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीएम पद को लेकर घमासान को 'गुंडागर्दी' करार दिया और कहा कि नामांकन वापसी से एक दिन पहले बंद कमरे में यह खेल खेला गया।एनडीए की एकजुटता बनाम महागठबंधन का घमासान- पीएम मोदी ने कहा कि राजद वालों ने कांग्रेस की कनपट्टी पर बंदूक रख कर सीएम पोस्ट की उम्मीदवारी चोरी की है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए कहा कि एनडीए विकास की राह पर अडिग है, जबकि विपक्षी गठबंधन आपसी कलह में उलझा हुआ है।

आज विकसित बिहार के संकल्प के साथ पूरा एनडीए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस-आरजेडी में घमासान मचा हुआ है। नामांकन वापस लेने से एक दिन पहले बिहार में बंद कमरे में गुंडागर्दी का खेल खेला गया था। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि सीएम पद पर आरजेडी के नेता का नाम तय हो, लेकिन आरजेडी ने मौका छोड़ा नहीं। आरजेडी ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर सीएम पद चोरी कर लिया, घोषणा करवाकर ही रहेऔर पशुपालकों के लिए नई सौगातें- जनसभा में पीएम मोदी ने बिहार की नई एनडीए सरकार की योजनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि के तहत छोटे किसानों को 6,000 रुपये देती है। बिहार की नई एनडीए सरकार अपनी ओर से इस राशि में 3,000 रुपये और बढ़ाने जा रही है। इसके अलावा, पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए 'बिहार दुग्ध मिशन' की घोषणा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने मछली पालन क्षेत्र में भी प्रगति का उल्लेख किया, एक समय था जब बिहार दूसरे राज्यों से मछली आयात करता था, लेकिन एनडीए सरकार की नीतियों का परिणाम है कि अब बिहार दूसरे राज्यों को मछली भेजता है और बेचता है।

'मेक इन बिहार' का सपना- आर्थिक विकास पर फोकस करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज दुनिया में मेक इन इंडिया को लेकर काफी उत्साह है। हमारा लक्ष्य बिहार को मेडइन बिहार का केंद्र बनाना है। इसके लिए हम हजारों लघु और कुटीर उद्योगों के नेटवर्क को मजबूत करेंगे। उन्होंने बिहार की युवा शक्ति को सशक्त बनाने का वादा किया और कहा कि एनडीए के नेतृत्व में राज्य 'जंगल राज' से बाहर निकलकर विकास की नई ऊंचाइयों को छूएगा। जनसभा में हजारों की संख्या में लोग उमड़े, जहां मोदी ने नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए एनडीए की एकता पर जोर दिया।

महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर तनाव- पीएम मोदी के इस बयान से महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर पहले से चल रहे तनाव को नई जान मिल गई है। आरजेडी ने तेजस्वी यादव को महागठबंधन का चेहरा घोषित करने के बावजूद कांग्रेस ने शुरू में हिचकिचाहट दिखाई थी। कांग्रेस नेता उदीत राज ने कहा था कि तेजस्वी आरजेडी के लिए सीएम फेस हो सकते हैं, लेकिन गठबंधन का फैसला सामूहिक होगा। नामांकन के दौरान 10-12 सीटों पर आरजेडी और कांग्रेस के उम्मीदवारों के बीच ओवरलैपिंग हो गई, जिससे अंतिम समय में नाम वापसी का ड्रामा चला। पूर्व राजस्थान सीएम अशोक गहलोत को मध्यस्थ बनाकर भेजा गया, जिन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी से बैठक की।

सीट शेयरिंग पर अनिश्चितता- महागठबंधन में सीएम फेस पर सहमति के बावजूद सीट शेयरिंग का विवाद बरकरार है। आरजेडी ने 143 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, जबकि कांग्रेस को मात्र 61 मिलीं। बछवाड़ा, राजापाकर और बिहार शरीफ जैसी सीटों पर नाम वापसी की समयसीमा निकल चुकी है, जिससे 'फ्रेंडली फाइट' की नौबत आ गई।वीआईपी प्रमुख मुकेश साहनी को डिप्टी सीएम फेस बनाकर निषाद वोटों को साधने की कोशिश की गई, लेकिन कांग्रेस को कोई स्पष्ट भूमिका न मिलने से असंतोष बढ़ा है।

तेज प्रताप यादव ने अपने भाई तेजस्वी पर साधा निशाना, अखिलेश को भी लपेटा

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से महज चार दिन पहले राजनीतिक बयानबाजी चरम पर है। जनशक्ति जनता दल (जजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने पटना में मीडिया से बातचीत में कई मुद्दों पर तीखे तेवर दिखाए। अनंत सिंह की गिरफ्तारी से लेकर पीएम मोदी के रोड शो, तेजस्वी यादव के शपथ ग्रहण दावे और अखिलेश यादव के बयान तक पर तेज प्रताप ने हर सवाल पर बेबाकी से जवाब दिया।

अनंत सिंह की गिरफ्तारी पर तेज प्रताप : मोकामा से निर्दलीय उम्मीदवार अनंत सिंह की हालिया गिरफ्तारी पर तेज प्रताप ने कहा, जिस तरीके की छवि है और जिनके ऊपर आपराधिक और क्रिमिनल मामले दर्ज हैं, वह तो गिरफ्तार होगा ही। उन्होंने इसे कानून की कार्रवाई बताया और कहा कि ऐसे लोगों को कानून के दायरे में रहना चाहिए। गौरतलब है कि अनंत सिंह पर हत्या, अपहरण समेत 70 से अधिक मामले दर्ज हैं और वह 2020 में भी जेल से चुनाव जीतकर विधायक बने थे।

पीएम मोदी के रोड शो पर कहा चुनाव है, लोग आएंगे ही :प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार में लगातार रोड शो पर सवाल उठने पर तेज प्रताप ने कहा, सब लोग अपना-अपना काम कर रहे हैं, हम भी अपना काम कर रहे हैं। चुनाव है तो लोग आएंगे ही। उन्होंने इसे लोकतंत्र की खूबसूरती बताया और कहा कि जनता सब देख रही है। पीएम मोदी ने पिछले दो दिनों में पटना, गया और मुजफ्फरपुर में रोड शो किए हैं, जिनमें भारी भीड़ उमड़ी।

तेजस्वी के शपथ बयान पर तंज: आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के उस बयान पर कि 18 नवंबर को मैं मुख्यमंत्री पद की शपथ लूंगा, तेज प्रताप ने मुस्कुराते हुए कहा, अभी सरकार बनी नहीं है। कहने के लिए लोग कुछ भी कह सकते हैं, ऐसे ही कहते रहेंगे। उन्होंने इसे चुनावी जोश बताया, लेकिन साथ ही अपने भाई पर निशाना साधते हुए कहा कि बयानबाजी से सरकार नहीं बनती, जनादेश चाहिए।अखिलेश यादव पर हमला- समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान कि सीएम नीतीश सिर्फ चुनावी दूल्हा हैं पर तेज प्रताप ने कहा, अखिलेश यादव के बारे में क्या कहा जाए? वह तो बाउंड्री फांद जाते हैं, गेट फांद जाते हैं। ऐसे दीवार फांदने वाले लोग क्या बोलेंगे? यह तंज अखिलेश के उस पुराने वाकये की ओर इशारा था।

प्रधानमंत्री के रोड शो में नहीं शामिल हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटना में फिर से रोड शो किया, प्रधानमंत्री के रोड शो में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौजूद नहीं हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोपहर को दो जनसभाओं को संबोधित किया। इसके बाद शाम को पटना में भव्य रोड शो किया। 6 नवंबर को पटना जिले के सभी सीटों पर वोटिंग - 6 नवंबर को पटना जिले के सभी विधानसभा में वोट डाले जाने हैं। पटना जिले में 14 विधानसभा की सीटें हैं और उस पर एनडीए की नजर है। प्रधानमंत्री इससे पहले भी सिंदूर ऑपरेशन के बाद पटना में रोड शो किया था कुछ ही महीने के अंतराल पर ये दूसरा रोड शो है।

लगातार दूसरा रोड शो में सीएम नीतीश नहीं रहेंगे मौजूद -बिहार विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। आज प्रधानमंत्री दो-आरा और नवादा में जनसभा को संबोधित करेंगे और शाम को करीब साढ़े पांच बजे पटना में भव्य रोड शो करेंगे।इससे पहले सिंदूर ऑपरेशन के बाद जब प्रधानमंत्री ने पटना में रोड शो किया था तो उसमें भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए थे। अब लगातार दूसरा रोड शो है जिसमें नीतीश कुमार मौजूद नहीं रहेंगे। नीतीश कुमार आज कई चुनावी सभा में ले रहे भाग - मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज कई चुनावी सभा में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री के चुनाव प्रचार अभियान को देख रहे जदयू एमएलसी संजय गांधी के अनुसार मुख्यमंत्री आज कई चुनावी सभा करेंगे। तारापुर, साहेब कमाल, महेशी सहरसा और उसके बाद मधेपुरा के आलमनगर में जनसभा होगी और फिर रात में मधेपुरा में ही मुख्यमंत्री विश्राम करेंगे। शाम 5 बजे से शुरू होगा पीएम का रोड शो - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो रविवार शाम 5 बजे से शुरू होगा। यह यात्रा पटना के दिल कहे जाने वाले दिनकर गोलंबर से शुरू होकर नाला रोड, बारी पथ, ठाकुरबाड़ी रोड, बाकरगंज होते हुए गांधी मैदान स्थित उद्योग भवन तक जाएगी।

आज से मौसम साफ होने के आसार, मोंथा ने बिहार चुनाव प्रचार की रफ्तार थामी

पटना, एजेंसी। मोंथा चक्रवात का असर अब बिहार चुनाव पर भी पड़ चुका है। पिछले तीन दिनों से पटना समेत बिहार के कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। ऐसे में डर है कि पहले चरण के चुनाव (छह नवंबर) पर खराब मौसम पर खराब मौसम का असर न पड़ जाए। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, पूर्णिया, समेत कई जिलों में लगातार बारिश के कारण जलजमाव है। जनसभा स्थल और हेलीपैड जलमग्न हो चुके हैं। मौसम विभाग की ओर से अगले तीन दिनों तक बारिश के आसार जताए गए हैं। मोंथा चक्रवात के कारण बिहार के लगभग सभी जिलों में आसमान में बादल छाए हुए हैं। उत्तरी भागों में अति भारी बारिश और बाकी जिले में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, मौसम विभाग ने तीन नवंबर के बाद से मौसम साफ होने के आसार जताए हैं। इधर, पटना नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने सभी अधिकारियों को बारिश को ध्यान में रखते हुए पूर्ण सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। खराब मौसम के कारण महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दलों की जनसभाएं रद्द करनी पड़ रही है। पटना का मौसम कितना खराब हो चुका है कि हेलीकॉप्टर सेवा पूरी तरह बाधित हो चुकी है। पिछले दो दिनों से कई स्टार प्रचारक के हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पाए। इस कारण से वह अपने कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन दिनों में 23 उड़ानें रद्द की गई हैं। कम दृश्यता और हेलीपैड जलमग्न होने के कारण ऐसा हो रहा है। खगड़िया में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की आज होने वाली सभा खराब मौसम के कारण रद्द हो गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

एनडीए के 10 और महागठबंधन 12 उड़ानें रद्द हुई हैं : मौसम विभाग के अनुसार, लगातार बारिश और आसमान में बादल छाए रहने के कारण दृश्यता दो हजार से भी कम है। इसलिए हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रही है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन दिनों में महागठबंधन के 10 उड़ानें रद्द हुईं। इनमें राजद के छह, कांग्रेस के दो और वीआईपी के दो हेलीकॉप्टर चुनावी सभा के लिए उड़ान नहीं भर पाए। वहीं एनडीए के 12 उड़ानें रद्द हुई हैं। इनमें भाजपा के नौ, जदयू के तीन उड़ानें रद्द हुई हैं। पिछले तीन दिनों में सीएम नीतीश कुमार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतन राम मांझी, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, कांग्रेस नेता पप्पू यादव समेत कई नेताओं की जनसभा प्रभावित हो गई। इतना ही नहीं खराब मौसम के कारण गुरुवार को पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बारिश के कारण तेजस्वी यादव की बिहारीगंज और आलमगंज की जनसभा रद्द हो गई।

बिहार में कांग्रेस कार्यकर्ता की संदिग्ध मौत से हड़कंप, पानी भरे गड्ढे में मिला शव

रोहतास, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राज्य में हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मोकामा में दुलारचंद यादव की हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि रोहतास जिले के नौहट्टा इलाके में कांग्रेस कार्यकर्ता वीर कमलेश सिंह का शव मिलने से सनसनी फैल गई है।

कैसे हुई कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या- नौहट्टा थाना क्षेत्र के कर्माडीहा गांव के पास पानी भरे गड्ढे में संदिग्ध परिस्थितियों में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर एसडीपीओ-2 कुमारी वंदना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान टीपा गांव निवासी पारस सिंह के 63 वर्षीय पुत्र वीर कमलेश सिंह के रूप में हुई है।

परिजनों ने लगाया आरोप- परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक के भाई राणा प्रताप सिंह ने कहा, कमलेश कांग्रेस का सक्रिय कार्यकर्ता था। घर लौटते वक्त उसकी राजनीतिक द्वेष में हत्या कर शव फेंक दिया गया। दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया। एसडीपीओ कुमारी वंदना ने बताया कि मृतक कल से घर नहीं लौटा था। वह नशे की लत का शिकार था और अक्सर घर से बाहर रहता था। मौके से उसका मोबाइल फोन बरामद हुआ है। प्रथम दृष्टया शरीर पर कोई जख्म के निशान नहीं मिले हैं।क्या कहती है पुलिस- एसडीपीओ ने आगे कहा कि, लोगों से पूछताछ में पता चला कि वीर कमलेश नशा करता था और किसी से दुश्मनी नहीं थी।

लिफ्ट में फंसे नीतीश कुमार के करीबी मंत्री, कर्मचारियों ने गेट तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का प्रचार चरम पर है। तमाम नेता अपने दल और गठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने के लिए दिन-रात पसीना बहा रहे हैं। इसी क्रम में प्रचार पर निकले बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी के साथ एक अनचाही घटना घट गई। वह होटल के लिफ्ट में फंस गए। जिस वजह से वह काफी देर तक अंदर ही फंसे रहे।

लिफ्ट में फंसे महेश्वर हजारी- असल में समस्तीपुर के मगरदही घाट स्थित एक होटल के लिफ्ट से मंत्री महेश्वर हजारी समेत उनके सुरक्षा गार्ड निकल रहे थे लेकिन अचानक लिफ्ट ने काम करना बंद कर दिया। बताया जाता है कि ओवरलोड के कारण लिफ्ट ने काम करना बंद कर दिया। जिस वजह से तमाम लोग अंदर फंस गए।

लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला- लिफ्ट बंद होने के कारण सायरन बजने लगा। आनन-फानन में होटलकर्मियों ने लिफ्ट को मैन्युअली नीचे उतारा गया। साथ ही लिफ्ट का दरवाजा तोड़ा गया। जिसके बाद सभी को सुरक्षित

कौन हैं महेश्वर हजारी?- बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी समस्तीपुर जिले की कल्याणपुर विधानसभा सीट से जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी हैं। वह इस सीट से मौजूदा विधायक भी हैं। हजारी बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

चिराग ने तेजस्वी को दी सलाह कहा अहंकार ठीक नहीं, नरेंद्र नीतीश को जोड़ी होगी हिट

पटना, एजेंसी। मोकामा हत्याकांड के बाद बिहार में राजनीति चरम पर है नेता विपक्ष तेजस्वी यादव के इस बयान के बाद कि एनडीए सरकार अपराधियों को संरक्षण देती है. अब इस बयान पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि अगर एनडीए सरकार अपराधियों को संरक्षण देती तो शनिवार देर रात जो कार्रवाई हुई है वह नहीं होती. हमारी सरकार एक बात को लेकर के स्पष्ट है और जैसा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी कहते हैं कि ना हम किसी को बचाते हैं और ना ही हम किसी को फंसाते हैं

दोषी होगा उसे कतई बख्शा नहीं जाएगा - केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह एक न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है. दुर्घटना घटी है वह दुखद है और मैं कतइ इस बात का का पक्षधर नहीं हूं, अगर एक भी हिंसा की घटना घटती है तो वह हमारी सरकार के लिए चिंता का विषय है जो भी दोषी होगा उसे कतई बख्सा नहीं जाएगा. जांच अभी चल रही है एक बार जांच में स्पष्ट रूप से सामने आ जाए कि किसी षड्यंत्र के तहत किसकी साजिश थी और जो भी गुनहगार होगा उसे बख्सा नहीं जाएगा.

जांच के नतीजे सामने आते ही जल्द होगी कार्रवाई -तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनती है तो सभी अपराधी खरमास के पहले जेल में होंगे. इस पर चिराग पासवान ने कहा कि हमलोग इंतजार तो नहीं कर रहे हैं की खरमास आएगा. जब भी जांच के नतीजे सामने आते हो हम लोग जल्द से जल्द कार्रवाई होगी. हमारी सरकार में हम लोग इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी तरीके से न्याय मिलने में विलंब नहीं हो. मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जी के सरकार में

बिहार के सबसे अमीर प्रत्याशी, अरबों में संपत्ति, हैरान कर देगी पत्नी की पूंजी

मुंगेर, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की रणभेरी बज चुकी है। पहले चरण के मतदान से महज चार दिन पहले मुंगेर सीट से एनडीए गठबंधन के बीजेपी प्रत्याशी कुमार प्रणय ने अपना चुनावी हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें उनकी संपत्ति का ब्योरा सामने आया है। यह खुलासा न केवल मुंगेर, बल्कि पूरे बिहार को चौंका देने वाला है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, कुमार प्रणय पूरे बिहार के सबसे अमीर प्रत्याशियों की सूची में शीर्ष पर हैं।

सबसे अमीर प्रत्याशी, 170 करोड़ की संपत्ति का दावा-कुमार प्रणय ने अपने शपथ पत्र में चल और अचल संपत्ति को मिलाकर कुल 170 करोड़ रुपये (लगभग 1170 अरब) की संपत्ति घोषित की है। यह आंकड़ा किसी छोटे-मोटे उद्योग समूह के वार्षिक टर्नओवर से कम नहीं है। उनकी चल संपत्ति, जिसमें नकद, बैंक जमा, शेयर और अन्य निवेश शामिल हैं, का सकल मूल्य 83135 करोड़ रुपये है। वहीं, अचल संपत्ति में कृषि एवं गैर-कृषि भूमि के साथ इमारतें शामिल हैं, जिनका वर्तमान बाजार मूल्य 86165 करोड़ रुपये आंका गया है।

इसके विपरीत, उनकी पत्नी की घोषित चल संपत्ति मात्र 132 रुपये है। यह विपरीत छोर वाला आंकड़ा किसी फिल्मी पटकथा जैसा लगता है, जहां पति करोड़ों में खेल रहे हैं और पत्नी के पास नाममात्र की पूंजी। एडीआर की रिपोर्ट में पहले चरण के 1,303 उम्मीदवारों में 519 (40 प्रतिशत) करोड़पति हैं, लेकिन कुमार प्रणय का दबदबा बेजोड़ है।

पांच सालों में दोगुनी से अधिक हुई आय- कुमार प्रणय की संपत्ति के साथ उनकी आय का ग्राफ भी ऊपर की ओर चढ़ा है। शपथ पत्र के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2020-21 में उनकी आय 4136 लाख रुपये थी, जो 2024-25 में बढ़कर 10175 लाख रुपये हो गई। यानी, मात्र पांच वर्षों में आय में 146 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि मुंगेर के यह राजनेता न केवल जमीन पर मजबूत हैं, बल्कि वित्तीय पटल पर भी नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। एडीआर के अनुसार, बिहार में औसत उम्मीदवार की संपत्ति 3126 करोड़ रुपये है, लेकिन प्रणय जैसे धनकुबेर उम्मीदवार राज्य की राजनीति को नया रंग दे रहे हैं।

बिहार के अन्य धनकुबेर उम्मीदवार-कुमार प्रणय के अलावा बिहार चुनाव 2025 में कई अन्य अमीर प्रत्याशी मैदान में हैं। एडीआर रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे चरण के अमीरों में मोकामा से अनंत सिंह (लगभग 70 करोड़ रुपये) तीसरे स्थान पर हैं, जो 2020 में भी टॉप पर थे। बेलागंज से जेडीयू की मनोरमा देवी (69 करोड़ रुपये) महिलाओं में सबसे अमीर हैं, जिनकी संपत्ति मुख्य रूप से रियल एस्टेट और कृषि भूमि पर टिकी है। अन्य प्रमुख नामों में नालंदा से कौशलेन्द्र कुमार (कांग्रेस, 30 करोड़ रुपये) और कोढ़ा से कविता देवी (219 करोड़ रुपये) शामिल हैं। सबसे गरीब उम्मीदवारों में दरभंगा से मोजाहिद आलम और पटना से शत्रुघ्न वर्मा (प्रत्येक के पास मात्र 1,000 रुपये) हैं।

मुंगेर सीट पर चारकोना मुकाबला- एक ओर जहां कुमार प्रणय की संपत्ति सुर्खियां बटोर रही है, वहीं मुंगेर सीट का इतिहास अस्थिरता से भरा पड़ा है। 2010 में जेडीयू के अनंत कुमार सत्यार्थी जीते, 2015 में आरजेडी के विजय कुमार विजय ने 216 प्रतिशत अंतर से बाजी मारी और 2020 में बीजेपी के प्रणव कुमार (अब कुमार प्रणय) ने मात्र 1,244 वोटों (0.8 प्रतिशत) के फासले से जीत हासिल की। इस बार चारकोना जंग माना जा रहा है। एनडीए से कुमार प्रणय का मुकाबला महागठबंधन के आरजेडी प्रत्याशी अविनाश कुमार विद्यार्थी से है, जिन्हें 2020 में हार का सामना करना पड़ा था। जन सुराज पार्टी के संजय कुमार सिंह, जो जिला परिषद सदस्य रह चुके हैं, तीसरे खंभे के रूप में उभर रहे हैं। स्वतंत्र उम्मीदवारों की मौजूदगी के साथ जातीय समीकरण (यादव, भूमिहार, कोइरी) और स्थानीय मुद्दे जैसे बाढ़ प्रबंधन व विकास कार्य निर्णायक होंगे। कोई आपराधिक केस नहीं-संपत्ति के इस पहाड़ के सामने कुमार प्रणय की आपराधिक पृष्ठभूमि पाक-साफ है। उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है। एडीआर के अनुसार, पहले चरण में 30 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले हैं, लेकिन प्रणय का रिकॉर्ड बेदाग है। हालांकि, मुंगेर की यह सीट हमेशा अप्रत्याशित साबित हुई है और 6 नवंबर को होने वाले मतदान में वोटरों का फैसला सबको चौंका सकता है। बिहार चुनाव की यह जंग न केवल धन-दौलत की, बल्कि राजनीतिक चातुर्य की भी परीक्षा लेगी।

यूपी में जुगाड़ की नाव से फसल बचा रहे किसान

खेतों में 2-3 फीट तक पानी, हताश किसान बोला-अब कुछ नहीं बचा

लखनऊ। यूपी में तीन दिन बाद बारिश तो थम गई, लेकिन किसानों की मुसीबतें खत्म नहीं हुई हैं। हजारों बीघा धान की फसल अब भी पानी में डूबी हुई है। खेतों में दो से तीन फीट तक पानी भरा है। कहीं खड़ी फसल गिर गई है, तो कहीं कटी फसल खेत में तैर रही है। बलिया में किसान जुगाड़ की नाव बनाकर फसल को बचा रहे हैं। उन्होंने लकड़ी के टुकड़ों पर टीनशेड बांधकर नाव जैसी संरचना बनाई है। उसी पर धान की फसल काटकर रख रहे हैं और फिर उसे सूखे स्थानों पर ले जा रहे हैं। गाजीपुर में किसान फसल सड़ने से बचाने के लिए कटाई करते नजर आए। फसल बर्बाद होने से एक हताश किसान ने कहा- फसल तो अब सड़ ही जाएगी, कुछ नहीं बचा है। जौनपुर में एक किसान तो निराश होकर खेत में ही बैठ गया। बुलंदशहर में बारिश के बाद गड्ढे में भरे पानी में डूबकर दो सगी बहनों की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, एक हफ्ते बाद सुबह-शाम की ठंड बढ़नी शुरू होगी। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि अक्टूबर में प्रदेश में सामान्य 28.2 मिमी के मुकाबले 131% अधिक, यानी 65.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सोनभद्र में सबसे अधिक 211.6 मिमी बारिश हुई, जबकि वाराणसी 210.3 मिमी के साथ दूसरे नंबर पर रहा। बुलंदशहर के डिबाई के देवी का नगला गांव में रविवार सुबह ईंट भट्टे के गड्ढे में भरे पानी में खेलते समय 4-6 साल की दो सगी बहनें डूब गईं। डूबने से दोनों की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि भट्टे पर बारिश के बाद कई दिनों से पानी भरा था। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कृषि वैज्ञानिक प्रो. पीके सिंह ने बताया- अचानक हुई भारी बारिश से पकी हुई धान की फसल बर्बाद हुई है। कई जगहों पर खेतों में पानी भर जाने से कटाई के लिए तैयार धान गिरकर खराब हो गया, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा, खड़ी फसलों पर भी असर पड़ा है। कई खेतों में पौधे पानी में डूब जाने से सड़ने लगे हैं। सब्जी किसानों के लिए भी यह बारिश मुसीबत बनकर आई। जिन सब्जियों की बेल या लतादार फसलें (जैसे आलू, तोरई, गाजर) होती हैं, वे पूरी तरह खराब हो गईं, क्योंकि लगातार नमी और पानी जमने से पौधों की जड़ें सड़ गईं। इस वजह से बाजार में सब्जियों की आपूर्ति कम हो गई है, जिससे कीमतें अब बढ़ेंगी। बारिश के बाद खेतों में फिर से अत्यधिक नमी आ गई है, जिसके कारण नई बुआई में देरी होगी। देर से बुआई का सीधा असर अगली फसल पर पड़ेगा। फसल देर से तैयार होगी और कीट-रोगों का खतरा बढ़ जाएगा। कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया- लगातार बारिश से प्रदेश के कई जिलों में किसानों की धान, सब्जी और अन्य फसलों को भारी नुकसान हुआ है। कई गांवों में खेतों में पानी भर जाने से फसलें पूरी तरह चौपट हो गईं। अब प्रशासनिक स्तर पर फसल क्षति का आकलन किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह तय होगा कि किस जिले या गांव में कितने प्रतिशत नुकसान हुआ है। बारिश या बाढ़ से नुकसान का आकलन क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट के जरिए किया जाता है। इसमें कृषि विभाग के अधिकारी खेतों का निरीक्षण कर त्रिभुज के आकार में फसल काटकर औसत उत्पादन का अनुमान लगाते हैं। यही आंकड़े तय करते हैं कि गांव या क्षेत्र में कितना प्रतिशत फसल नुकसान हुआ है। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया- राज्य सरकार की तरफ से सिर्फ उन्हीं किसानों को मुआवजा देने का प्रावधान है, जिनकी फसल 33% से ज्यादा खराब हो चुकी है। ऐसे प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को सर्वे के आधार पर कितना नुकसान हुआ है, देखकर मुआवजा दिया जाता है। हालांकि, अभी रिपोर्ट नहीं आई है कि कितनी फसलों का नुकसान हुआ है। सीएम योगी ने फसलों के नुकसान का सर्वे कराने और मुआवजा देने के लिए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अगर आपकी भी फसल बर्बाद हुई है तो अपने संबंधित तहसील कार्यालय में इसकी शिकायत करें। फिर टीम आपके यहां सर्वे करेगी। साथ ही, जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अपनी फसल का बीमा कराया है, वह नुकसान की सूचना 72 घंटे के अंदर टोल फ्री नंबर 14447 पर दें। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने सीएम योगी को लेटर लिखा है। उन्होंने किसानों के प्रति अपनी चिंता व्यक्त की है। अजय राय ने लिखा- बारिश से धान, आलू, तिलहन और हरी सब्जियों की फसलें नष्ट हुई हैं। महोबा में किसान छोटेलाल की मौत और झांसी में किसान कमलेश यादव ने आत्महत्या कर ली। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से तुरंत राहत और सहायता देने की मांग की है। फसलों के नुकसान का सर्वे और किसानों को तत्काल मुआवजा दिया जाए। मृत किसानों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए।

पटेल जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल कुशीनगर व नगर पालिका परिषद कुशीनगर द्वारा संयुक्त रूप से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार की सुबह नगर के नेशनल हाईवे चौराहे से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, नगर मंडल अध्यक्ष आद्या पांडेय, निवर्तमान अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, नगर मंडल उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, मंडल महामंत्री रवि शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने सभी को राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत पदाधिकारी नेशनल हाईवे चौराहे से शहीद अमिय त्रिपाठी चौक तक पहुंचे जहां आयोजित गोष्ठी में श्री जायसवाल ने लौह पुरुष, भारत रत्न, सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि स्व. सरदार पटेल में अदम्य साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र समर्पण की भावना थी। वह भारत को एक सूत्र में पिरोने वाले महान शिल्पी थे। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक शक्तिशाली और एकीकृत राष्ट्र के रूप में विश्व में उभरा है। इस दौरान विपुल दुबे, राधेश्याम गोंड,अमित पांडेय, श्रवण तिवारी, राहुल सोनी, सुमित जायसवाल, सभासद गण केशव सिंह, राजेश मद्धेशिया, मुन्ना शर्मा, गिरिजेश सिंह, राकेश यादव सहित शक्ति केंद्र संयोजक व कार्यकर्ता गण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कुशीनगर जिले में 35 मिमी. वर्षा रिकार्ड : गन्ना और धान दोनों फसलों को नुकसान, खेतों में पानी भरा

संवाददाता

कुशीनगर। मोंथा चक्रवात का असर कुशीनगर जिले में दिखाई दिया। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 35 मिली मीटर वर्षा हुई, अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में 115 मिली मीटर वर्षा, असमय तेज हवा के साथ रिकॉर्ड हुई। कई स्थानों पर गन्ना की फसल गिर गई, जिससे भारी नुकसान हुआ है। इस समय धान की फसल पक कर तैयार है, इस असमय वर्षा से धान की फसल को भी काफी नुकसान हुआ है। ये बातें पूर्व सहायक निदेशक व गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने भगवानपुर, हेतिमपुर, कसया, खेदनी आदि गांवो का भ्रमण कर गन्ना फसल को देखा तत्पश्चात ग्राम बकनहा शिव मंदिर परिसर में किसानों के साथ बैठक में कही। अचानक, असमय, रुक-रुक कर 35 मिली मीटर वर्षा होने से तापमान गिर गया, जिससे किसान चिंतित हैं। इस बारिश से खेतों में पानी भर गया है। अधिक नमी होने के कारण चारों चीनी मिलों में समय से गन्ना पेराई प्रारंभ करने में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। अप्रैल से अब तक कुल कितने मिली मीटर वर्षा हुई है, यह जानने के लिए पूर्व सहायक निदेशक ने चारों चीनी मिलों के अधिकारियों से बातचीत की। रामकोला चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक 'गन्ना' इंद्र शर्मा ने बताया कि 1040 मिली मीटर वर्षा हुई है। ढाढ़ा चीनी मिल के उपाध्यक्ष 'गन्ना' रविंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 850 मिली मीटर वर्षा हुई है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 30 मिमी वर्षा हुई है। खड्डा चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक श्री सुधीर कुमार ने बताया कि 1335 मिली मीटर वर्षा हुई है।

सेवरही चीनी मिल के वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक पी एन. शाही ने बताया कि 1050 मिली मीटर वर्षा हुई है, तथा अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 32 मिली मीटर वर्षा हुई है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. सुरुति ने पूर्व सहायक निदेशक को बताया कि मोंथा चक्रवात का असर कुशीनगर जिले में भी दिखा है, 35 मिली मीटर वर्षा रिकार्ड की गई है, अब मौसम साफ रहेगा। गन्ना फसल को कितना नुकसान हुआ है, फसल को देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक खेतों में पानी भरा है। जलभराव वाले गन्ने में पानी के ऊपरी आंखों से जड़ें निकल रही हैं। कुछ गन्ने की पत्तियां पीली पड़ रही हैं गन्ना गिरने के बाद गांठों से जड़ें निकल रही हैं। आंखें अंकुरित हो रहीं हैं। कुछ खेतों में गिरा हुआ गन्ना पुनः खड़ा हो रहा है। इससे उपज तथा चीनी परता दोनों घटेगा। शरदकालीन गन्ना बुवाई में देरी होगी। वर्तमान में गन्ने का मूल्य बढ़ने से किसानों में उत्साह दिखाई दे रहा है। ढाढ़ा चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता ने गेट क्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए 11 स्थानों पर भव्य गन्ना गोष्ठी का आयोजन करवाया है। इन गोष्ठियों में उन्होंने स्वयं किसानो से संपर्क किया है। जिसका सकारात्मक परिणाम मिल रहा है।

कंबाइन मशीन से टकराई बाइक, मां-बेटे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

रायबरेली। छतोह-गांधीनगर मार्ग पर शनिवार को सड़क हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हैं। क्षेत्र के ओलीपुर मजरे संडहा गांव निवासी नीलेश कुमार अपने पिता शेषपाल और मां निर्मला के साथ डीह थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव में रिश्तेदारी में जा रहे थे। छतोहझ्रगांधीनगर मार्ग पर जानकी देवी पब्लिक स्कूल के पास छतोह की ओर जा रही कंबाइन मशीन को ओवरटेक करने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर मशीन से जा टकराई। हादसे में नीलेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नसीराबाद पहुंचाया। वहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान मां निर्मला ने भी दम तोड़ दिया।

डंपर ने तीन दोस्तों को कुचला: एक साथ उठी तीनों की अर्थी, कर रहे थे सेना में जाने की तैयारी, गांव में सन्नाटा

ग्रेटर नोएडा। कोतवाली दादरी क्षेत्र में सड़क हादसे में मरने वाले तीनों दोस्तों के शव शनिवार रात में करीब साढ़े 10 बजे गांव में पहुंचे। शवों को देख परिजन, ग्रामीण बिलख उठे। गमगीन माहौल में तीनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। फिलहाल पुलिस को तहरीर नहीं मिली थी। गांव शेरपुर निवासी रोहित, मोंटू, श्वेत की दादरी कोतवाली क्षेत्र में हायर कंपनी के पास मोड़ पर डंपर की टक्कर से मौत हो गई थी। तीनों सुरक्षा बल में भर्ती होने की तैयारी कर रहे थे। परिजनों ने शासन, प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है। रविवार को गांव में दिन भर सन्नाटा पसरा रहा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के बुजुर्ग धर्मा, दुलीचंद, खचेड़ू का कहना है कि उन्होंने पहली बार एक साथ तीन युवाओं की अर्थियां उठती देखी हैं। पिता विनोद ने बताया कि मोंटू परिवार में सबसे बड़ा था। छोटा बेटा दीपांशु हाईस्कूल, बेटी पारूल कक्षा आठ में है। वह पंचर लगाते हैं। श्वेत के पिता राजकुमार ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। श्वेत उनका बड़ा बेटा था। छोटा बेड़ा स्पर्श हाईस्कूल का छात्र है। श्वेत के सफल होने से परिवार के हालात बदल जाएंगे यही सोचा था। रोहित के पिता जितेंद्र ने बताया कि वह मजदूरी करते हैं। रोहित उनका छोटा बेटा था।

चुनाव आयुक्त बोले: पूरे देश की वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण होगा

कानपुर। अकेले बिहार में अब तक विश्व का सबसे बड़ा वोटर लिस्ट शुद्धिकरण अभियान चला है। जिस दिन अन्य राज्यों में 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण होगा, वह भी एक ऐतिहासिक होगा। जब यह प्रक्रिया पूरे देश में पूरी होगी, तब आपको न सिर्फ अपने चुनाव आयोग पर, बल्कि अपने मुख्य आयुक्त और अपने समाज के ज्ञानेश कुमार पर भी गर्व होगा।

ये बातें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कानपुर में कही। रविवार को वे आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में शामिल होने पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं अपनी मां की बात नहीं टालता हूं। उन्हीं के कहने पर मैं यहां आया हूं। कार्यक्रम में उन्होंने आईआईटी में पढ़ाई के दिनों के किस्से, कानपुर से जुड़ा अपनापन और अनुभव साझा किए। आईआईटी कानपुर से पहले स्वरूपनगर स्थित टीएसएच स्पोर्ट्स हब में आयोजित माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा- चुनाव में किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा- मैंने अपनी माता जी से कहा था कि बिहार चुनाव के चलते आईआईटी आने की संभावना नहीं है। आईआईटी के लोगों ने भी मेरे आने की उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन मैं अपनी माता जी की आज्ञा का पालन करते हुए कानपुर आया हूं। मैं एक पूर्व विद्यार्थी के नाते आईआईटी कानपुर आया हूं। आईआईटी ने मुझे जो सम्मान देने का निर्णय लिया है, वह मेरे लिए गर्व की बात है। कानपुर में बिताए गए 4 साल मेरे जीवन के सबसे ऊर्जावान और यादगार साल रहे हैं। इस शहर से मुझे हमेशा गहरा लगाव रहा है। ज्ञानेश कुमार ने कहा, यह समय बिहार चुनाव का है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं से वोट की अपील कर रहे हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है, न विपक्ष सभी समान हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, दूसरे चरण का 11 नवंबर और मतगणना 14 नवंबर को होगी। मतदाता पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से मतदान कर सकें, इसके लिए आयोग पूरी तरह तैयार है। बिहार चुनाव के लिए 243 रिटर्निंग ऑफिसर, उतने ही ऑब्जर्वर, जिला कलेक्टर और पुलिस कप्तान तैनात हैं। हमें विश्वास है कि बिहार में होने वाला यह चुनाव पारदर्शिता, सक्षमता और सरलता का प्रतीक बनेगा और भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के लिए एक नजीर पेश करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पत्नी अनुराधा के साथ कानपुर पहुंचे थे। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया- काशी के घाट से गंगा में तैरीकी सीखने वाला एक लड़का जो बनारस के राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज में पढ़ता है। वहां से 10वीं का एग्जाम देता है। इसके बाद पिता के ट्रांसफर के साथ घूमता रहता है। फिर वह लखनऊ आ जाता है, यहां गवर्नमेंट कॉलेज में पढ़ता है फिर आईआईटी कानपुर में पढ़ने चला जाता है। पढ़ते-पढ़ते बीच में हम केरल भी चले जाते हैं। केरल आईआईटी कानपुर या दिल्ली से उतना ही दूर है जितना कि यहां से अमेरिका। मेरा अमेरिका जाने का सपना पूरा नहीं हो पाया। IIT कानपुर के कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच पर बैठे सभी लोगों का नाम लेकर धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने मंच पर बैठी अपनी पत्नी का परिचय देते हुए कहा कि मेरी होम मिनिस्टर अनुराधा भी मंच पर बैठी हैं। उन्होंने कहा- मेरे पिता आगरा में डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल भी रहे थे। और जब किसी जमाने में अंग्रेजों से टकराव हुआ तो उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी थी। आगरा जब इस बार जाएं तो वहां एत्मादौला जरूर जाएं। जब उसकी चार मीनारों से एक में से नीचे देखेंगे तो वहां आज भी मेरे बाबा का स्कूल चलता मिलेगा। रिटायरमेंट के बाद पिता जी का मन नहीं भरा तो एक स्कूल और खोल लिया। अब उसे मेरा बेटा चलाता है।

संक्षिप्त डायरी

पति ने पत्नी के सर पर लोहे की राड मारकर उतारा मौत के घाट

संवाददाता

हमीरपुर। एक पति ने गुस्से में आकर अपनी ही पत्नी के सर पर लोहे का राड मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद खुद पति ने ही अपनी पत्नी के घर वालों को फोन पर वारदात की जानकारी दी। पूरा मामला मौदहा कोतवाली क्षेत्र के कम्हरिया गाँव का है। वारदात की जानकारी के बाद पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे अपर पुलिस अधीक्षक मनोज गुप्ता ने बताया कि पुलिस जब मौके पर पहुंची,तो देखा कि आरोपी पति मुइनुद्दीन पुत्र फखरुद्दीन कमहरिया ने अपनी 27 साल की पत्नी रोशनी को घर के अंदर बंद कर रखा था। जिसके बाद परिवार वालों की मदद से घर का ताला तोड़कर जब अन्दर देखा तो, रोशनी की मौत हो चुकी थी। पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि आरोपी पति मुइनुद्दीन ने ही अपनी पत्नी के सिर पर लोहे की रॉड मारकर उसका कत्ल कर दिया था। वही फील्ड यूनिट टीम ने मौके पर पहुँच कर वारदात के सबूत जुटाये, जबकि पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर पुंछतांछ शुरू कर दी है। साथ ही मृतिका के परिवार वालों की तहरीर पर आगे की कार्यवाही की जा रही है। फिलहाल कत्ल की वजह अभी सामने नहीं आ सकी है।

भंते ज्ञानेश्वर के निधन पर रालोद राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भिक्षु संघ कुशीनगर के अध्यक्ष और बर्मी बुद्ध बिहार के महंथ अग्ग महा पंडित भदंत ज्ञानेश्वर के निधन पर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। रविवार को प्रदेश सचिव सिया शरण पाण्डेय, जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर बर्मी बुद्ध बिहार पहुंचे तथा दिवंगत बौद्ध धर्मगुरु ज्ञानेश्वर का दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भंते गण से मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिंह और प्रदेश अध्यक्ष श्री राय का शोक संदेश सुनाया। श्री पांडेय ने कहा कि भिक्षु ज्ञानेश्वर ने बुद्ध की शिक्षाओं का मानव हित में प्रसार किया। वह कुशीनगर के शैक्षणिक विकास के लिए जाने जाएंगे। इस दौरान राष्ट्रीय लोक दल के क्षेत्रिय उपाध्यक्ष भगवान दयाल विश्वकर्मा, युवा नेता कुलदीप कुमार, समाजसेवी मुकेश यादव, देवेंद्र राय, सिताराम मौर्य, बिशेश्वर निगम, भोला प्रसाद, रविन्द्र पान्डेय सहित पार्टी जनों ने स्वर्गीय भंते को श्रद्धांजलि दी।

दिवंगत भंते ज्ञानेश्वर को देशी विदेशी श्रद्धालुओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। म्यांमार मंदिर के प्रमुख दिवंगत बौद्ध धर्मगुरु भंते ज्ञानेश्वर को देशी विदेशी श्रद्धालुओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। करने के लिए देश, विदेश के बौद्ध श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। रविवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार और सांसद जौनपुर बाबू सिंह कुशवाहा, पूर्व कमिश्नर नई दिल्ली श्रीकृष्ण आनंद, विजय कुशवाहा, नेपाल के ज्ञानी शाक्य, संजीव शाक्य, बसपा कोऑर्डिनेटर और पूर्व सांसद घनश्याम खरवार, बस्ती के सांसद राम प्रसाद चौधरी, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ अखिलेश कटियार, सपा जिलाध्यक्ष विकास यादव, रमेश यादव, पूर्व विधायक सुरेश यादव, डॉ विवेक सिंह पटेल, पूर्व गृह मंत्री नेपाल सरकार देवराज कंडेल, वीरेंद्र तिवारी, प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय, प्राचार्य विनोद मोहन मिश्रा, आजमगढ़ से भिक्षु महा कश्यप, टीके राय, सहित म्यांमार, श्रीलंका, थाइलैंड, ताइवान, वियतनाम, तिब्बत आदि देशों और प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगल, दिल्ली, बिहार, मध्य प्रदेश आदि राज्यों से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सुबह थाई भिक्षु डॉ पी सोम पोंग, भंते सों क्रान के नेतृत्व में विशेष शांति पाठ किया गया। म्यांमार के राजदूत जा ऊ ने थाई भिक्षुओं को चीवर दान दिया। तिब्बती भंते कंचुक लामा ने तिब्बती रीति रिवाज से शांति पाठ किया। व्यवस्था में भिक्षु संघ कुशीनगर के मंत्री भिक्षु डॉ नन्द रतन, भंते के उत्तराधिकारी भिक्षु नंदका, भिक्षुणी धम्म नैना, भिक्षु आलोक, भिक्षु इंद्र श्री, भंते तेजवंत सहित भिक्षु सहित उपासक लगे हुए थे।

ई रिक्शे पर पलटी ईंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली, दबने से दो लोगों की मौत

मुरादाबाद। बिलारी में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। ईंटों से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली का पहिया निकलने के बाद वह बेकाबू होकर सड़क से गुजर रहे ई-रिक्शा पर पलट गई। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही ई-रिक्शा सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के मुताबिक करनपुर की ओर से ठाकुरद्वारा जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली ईंटों से भरी थी। ट्रॉली का पिछला दाहिना पहिया अचानक निकल गया। पहिया निकलते ही ट्रॉली बेकाबू हो गई और विपरीत दिशा से आ रहे ई-रिक्शा पर पलट गई। इससे ई-रिक्शा सड़क किनारे खाई में जा गिरा। ई-रिक्शा में बैठे आसमा व रफीक (निवासी रतुपुरा, थाना ठाकुरद्वारा) घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवा दिया है। ठाकुरद्वारा और कांठ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। दमकल कर्मियों ने पंप लगाकर पानी बाहर निकाल मलबे में दबे शवों को बाहर निकाला। पुलिस क्षतिग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली और ई-रिक्शा को जब्त कर थाने ले आई है।

लहसुन की खेती

लहसुन एक पाला सहिष्णु फसल है। इसके लिए विकास की अवधि में ठंडी व नम जलवायु की आवश्यकता होती है जबकि इसके पकने की अवस्था में गर्म व सूखा मौसम होना आवश्यक है। इस फसल को विभिन्न प्रकार की मिट्टियों में लगाया जा सकता है। परन्तु अच्छी उपजाऊ दोमट मिट्टी जिसमें पानी का उचित निकास हो लहसुन के लिए उपयुक्त रहती है।

भूमि की तैयारी तथा रोपाई

भूमि को 4–5 बार जुताई कर अच्छी तरह तैयार कर लें। भूमि को समतल कर क्यारियां बना लें ताकि सिंचाई ठीक ढंग से हो सके। सिंचाई के लिए नालियां भी साथ–साथ बनायें। अधिकांश क्षेत्रों में लहसुन की रोपाई सितम्बर मध्य से नवम्बर तक की जाती है। पंक्तियों से पंक्तियों की दूरी 15 से.मी. तथा कली से कली की दूरी 8–10 से.मी. रखें। इस प्रकार एक हेक्टर में लगभग 6.6 लाख पौधे आयेंगे। एक हेक्टेर में 500 से 700 कि.ग्रा. बीज की आवश्यकता होती है। कली बोते समय उसका नुकीला भाग ऊपर की तरफ रहना चाहिए।

किस्में

लहसुन की प्रमुख किस्में जमुना सफेद–5, गोदावरी, श्वेता, एच.जी–1, एचजी–6, पूसा सलेक्शन–10, एल.सी.जी.–1, ए.आर.यू.–52, एग्रीफाउंड सफेद (जी–41), यमुना सफेद (जी–1), यमुना सफेद–2 (जी–50), जी–282 व एग्रीफाउंड पार्वती है। निर्यात के लिए जी– 282 व एग्रीफाउंड पार्वती उपयुक्त रहती है। क्योंकि इनके कंद (बल्ब) आकार में बड़े रहते हैं।

खाद व उर्वरक

अंतिम जुताई के पूर्व खेत में 50 टन अच्छी सड़ी गोबर की खाद डालकर भूमि में मिला दें, लहसुन बोते समय 50 किलो नत्रजन, 50 किलो फास्फोरस तथा 50 किलो पोटाश प्रति हेक्टर आधार खाद के रूप में दें। एक माह की फसल होने पर 50 किलो नत्रजन प्रति हेक्टर खड़ी फसल में डालें।

निराई-गुड़ाई

लहसुन की फसल को 2–3 बार निराई–गुड़ाई की आवश्यकता होती है। पहली निराई–गुड़ाई फसल बोने के एक माह बाद करें। दूसरी उसके एक माह बाद तथा तीसरी आवश्यकतानुसार करें। फसल में लगभग ढाई माह बाद कंद (बल्ब) बनते समय एक गुड़ाई हेण्ड व्हील हो द्वारा अवश्य करें ताकि बल्वों का विकास अच्छा हो सके।

सिंचाई

लहसुन उथले जड़ वाली फसल है इसको लगातार सिंचाई की आवश्यकता होती है ताकि भूमि के ऊपरी भाग में भी नमी बनी रहे। बल्वों के विकास के समय भी भूमि में नमी की कमी नहीं होनी चाहिए। साधारणतः मिट्टी व जलवायु के आधार पर 8–15 दिनों के अंतर से सिंचाई देते रहना चाहिए। फसल जब पकने की अवस्था में पहुंच जाय तो सिंचाई रोक देनी चाहिए।

पौध संरक्षण

लहसुन की फसल को निमोटोड, कीट तथा बीमारियों से हानि पहुंचने की सम्भावना बनी रहती है। इसलिए फसल का समय – समय पर निरीक्षण करते रहना आवश्यक है।

निमोटोड लहसुन की जड़ों, बल्व तथा तने को हानि पहुंचाता है जिससे इसकी उपज में बहुत विपरीत प्रभाव पड़ता है। जिन क्षेत्रों में निमोटोड का प्रकोप वर्ष प्रति वर्ष होता है वहां फसल चक्र अपनायें तथा लहसुन की बोनी के पूर्व डाईक्लोरोप्रोपेन – डाइक्लोरोप्रोपान (डी.डी.) से भूमि को धुवन (फ्यूमिगेट) कर लें।

कीटों में थ्रिप्स लहसुन का प्रमुख शत्रु है। इसके शिशु तथा वयस्क पत्तियों को खुरचकर रस चूसते हैं, जिससे पत्तियां चांदी की तरह सफेद दिखाई देती हैं। इसके नियंत्रण के लिए ट्राइजोफास 40 ई.सी. का 500 मि.ली. प्रति हेक्टर मान से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें।

लम्बे समय संग्रहित लहसुन में माइट का प्रकोप भी देखने को मिलता है। इसके नियंत्रण के लिए मिथाइल ब्रोमाइड (1 लीटर / 1000 वर्ग फीट) से गोदाम को फ्यूमिगेट करें।

लहसुन की बीमारियों में सफेद सड़न, पेनिसिलियम द्वारा सड़न, स्टेमफाइलम झुलसा, बैंगनी धब्बे, लीफ ब्लाइट, भभूतिया रोग तथा मोजेक प्रमुख हैं। फसल को स्वस्थ रखने के लिए 15–15 दिन के अंतर से मेंकोजेब के 0.25 प्रतिशत घोल का छिड़काव करते रहें। बीमारी अनुसार उपचार करें। लहसुन में कभी–कभी पौधों में कुछ विकृतियां आ जाती हैं जो कुछ किस्मों में ही देखने को मिलती है, यह स्थायी नहीं रहती है।

उपज

4–5 माह में लहसुन की फसल तैयार हो जाती है। कंदों की खुदाई के अच्छी तरह सुखाकर भण्डारण करें। एक हेक्टर में लहसुन की 100 से 200 क्विंटल फसल प्राप्त हो जाती है।

वर्तमान समय में प्राकृतिक असंतुलन के चलते मौसम में भारी अनिश्चितता व्याप्त है। वर्षा की मात्रा, अवधि और समय निश्चित नहीं रह गया है। खरीफ के सीजन में किसानों के पास इतना समय नहीं होता है कि वे किसी फसल विशेष के अनुसार व्यवस्था कर सकें। सोयाबीन को ही लें, यह ऐसी फसल है, जो अनावृष्टि अथवा अतिवृष्टि से अत्यधिक प्रभावित होती है।

सबसॉइलर चलाएं, विपरीत मौसम में अच्छा उत्पादन पाएं

समय पर वर्षा न होना, अतिवृष्टि के साथ खेतों में पानी भर जाना – यदि ऐसी स्थितियां निर्मित हो जाएं तो किसान को अपेक्षित मात्रा में उत्पादन नहीं मिल पाता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए खेतों में सबसॉइलर चलाएं। विपरीत मौसम में अपने खेतों में सबसॉइलर चलाकर किसान अच्छा उत्पादन ले सकते हैं।

कैसे करे सबसॉइलर का उपयोग

सबसॉइलर खेतों को गहराई तक हलने वाला यंत्र है। सबसॉइलर से खेत में नाली बनाने के लिए 55 हार्सपॉवर के ट्रैक्टर की आवश्यकता होती है। इसकी सहायता से किसान अपने खेतों में ढाई इंच चौड़ी एवं ढाई फुट गहरी नाली बना सकते हैं। सबसॉइलर की कम से कम 15 फीट के अंतर से नाली बनाएं। खेतों में सबसॉइलर चलाने का सही समय 15 मई से 30 मई के बीच होता है। रबी मौसम के पश्चात गेहूं और चना की फसल निकलने के पश्चात सबसॉइलर चलाया जा सकता है।

कल्टीवेटर से तैयार करें खेत

किसान इस बात का विशेष ध्यान रखें कि सबसॉइलर से नाली बनाने के पश्चात किसान कल्टीवेटर से खेत तैयार करें। जहां तक संभव हो, पंजे का इस्तेमाल नहीं करें। यदि कल्टीवेटर चलाते हैं तो जमीन में पानी तेजी से उतरता है।

बरतें सावधानी

जहां तक संभव हो पंजा नहीं चलाएं, पंजा चलाने से पानी धीमे–धीमे जमीन में उतरता है। ऐसा देखा गया है, पंजा खेत में हार्ड लेयर का निर्माण करता है, इससे पानी खेत में रुक जाता है। पंजे से तैयार खेत में पानी या तो खड़ा रहता है अथवा तेजी से बह जाता है। अतिवृष्टि के दौरान जब खेत से पानी तेजी से बहता है तो वह मिट्टी का क्षरण करता है। तेज बहता पानी अपने साथ उपजाऊ मृदा, पोषक तत्व आदि भी बहा ले जाता है। कई बार पानी के साथ बीज भी बह जाते हैं, अथवा बीज पर अतिरिक्त मिट्टी चढ़ने से जमीन में अधिक गहराई में चले जाते हैं और अंकुरण नहीं होता। दोबारा बोवनी करनी पड़ती है, खर्च बढ़ता है। दूसरी ओर, यदि लंबे समय तक खेत में पानी खड़ा रहता है तो सोयाबीन फसल की जड़ों में बनने वाली गठानें विकसित नहीं हो पाती हैं। इस दशा में सोयाबीन फसल वातावरण में उपलब्ध नाइट्रोजन तत्व नहीं खींच पाती है। ऐसे में फसल पीली पड़ जाती है। किसानों को अतिरिक्त उर्वरक जैसे डाई अमोनियम फास्फेट (डीएपी) आदि का उपयोग करना पड़ता है और खर्च बढ़ता है।

बीबीएफ पद्धति अपनाएं

खेत तैयार होने के पश्चात सोयाबीन का अच्छा उत्पादन लेने के लिए किसान ब्रॉड बेड फरो (बीबीएफ) पद्धति से बोवनी करें। इसके लिए किसान दो नाली वाली बीबीएफ मशीन का उपयोग करें। जहां तक संभव हो बेड के ऊपर 4 अथवा 5 कतार में ही बोवनी की जाए। किसान नाली से नाली की दूरी 220 सेंटीमीटर रखे। इससे 200 सेंटीमीटर के बेड का निर्माण होता है। किसान पौधे से पौधे की दूरी भी नियंत्रित करें।

बीज परीक्षण जरूरी

सोयाबीन के बीज बहुत संवेदनशील होते हैं, जिनकी अंकुरण क्षमता तापक्रम के अनुसार तेजी से प्रभावित होती है। इसलिए किसान बीज परीक्षण करके ही बोवनी करें। बुवाई करने के पूर्व बीजोपचार अवश्य करें ताकि भली प्रकार अंकुरण हो। अधिक जानकारी के लिए सोयाबीन अनुसंधान केंद, इंदौर पर संपर्क किया जा सकता है।

सबसॉइलर के लाभ

सबसॉइलर एवं कल्टीवेटर से खेत तैयार करने से दोहरा लाभ मिलता है। किसान जब खेतों में सबसॉइलर चलाकर ढाई फीट गहरी नाली का निर्माण करते हैं तो वर्षा काल में बरसा पानी सीधे जमीन में उतर जाता है। सामान्य से अधिक पानी बरसने पर भी बेड पर खड़ी फसलों को हानि नहीं होती है। वहीं, दूसरी ओर ये पानी जमीन के नीचे संग्रहित रहता है। वर्षा की लंबी खेंच की स्थिति निर्मित हो, ऐसे में फसल को जब पानी की आवश्यकता हो तो यही वर्षा जल जीवनदायी साबित होता है। सोयाबीन में पुष्पन और फलन की दशा में जब पानी की अत्यंत आवश्यकता होती है, यही पानी धीरे–धीरे ऊपर उठता है। फसल को लंबे समय तक आपूर्ति करके जीवित रखता है, पौधों में तनाव नहीं बढ़ने देता। इस प्रकार सोयाबीन फसल प्रभावित नहीं होती। पीली नहीं पड़ती। इस प्रकार सबसॉइलर चलाने से किसानों को उत्पादन में कमी नहीं आती है। किसान इस बात की विशेष सावधानी रखें कि जहां धान की फसल लेनी हो, उस खेत में सबसॉइलर नहीं चलाएं। साथ ही ऐसे खेत जहां मुरम हो या जमीन पथरीली हो वहां भी सबसॉइलर उपयोगी नहीं है। किसान इस यंत्र को खेत के 1-2 बीघा रकबे के हिस्से में चलाकर पूर्व में इससे होने वाले फायदे–नुकसान को परख सकते हैं।

60 प्रतिशत गिरा टाटा केमिकल्स का मुनाफा

ब्रोकरेज ने कहा- शेयर में है दम, खरीद लो

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा केमिकल्स ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 60 प्रतिशत से अधिक घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले इसी अवधि में उसका प्रॉफिट 194 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान टाटा केमिकल्स का परिचालन राजस्व 3.05 प्रतिशत घटकर 3,877 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 3,999 करोड़ रुपये था। टाटा केमिकल्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ आर मुकुंदन ने कहा, सोडा ऐश बाजारों में आपूर्ति की अधिकता बनी हुई है और अधिकांश क्षेत्रों में भंडार का स्तर ऊंचा है। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के दौरान कीमतें कमजोर बनी रहीं। चूंकि मांग-आपूर्ति संतुलन कमजोर बना हुआ है, इसलिए हमारा अनुमान है कि मध्यम अवधि में बाजार सीमित दायरे में रहेगा। उन्होंने कहा कि कम कीमतों के कारण बाजार में आई चुनौतियों के बावजूद बिक्री बढ़ने के कारण कंपनी का एकल प्रदर्शन सकारात्मक रहा और समग्र प्रदर्शन अनुशासित लागत प्रबंधन के कारण लचीला रहा है। बीते शुक्रवार को टाटा केमिकल्स के शेयर की बात करें तो 1.10 प्रतिशत टूटकर 890.75 रुपये पर बंद हुआ। इस शेयर को लेकर बीते दिनों एक ब्रोकरेज ने नया टारगेट प्राइस भी दिया था। घरेलू ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने टाटा केमिकल्स पर एड रेटिंग के साथ कवरेज शुरू किया है और सितंबर 2026 के लिए 970 प्रति शेयर का टारगेट प्राइस निर्धारित किया है। कंपनी ने सोडा ऐश व्यवसाय में मजबूत विकास संभावनाओं और रणनीतिक परिचालन कदमों का हवाला देते हुए यह टारगेट दिया है। नवंबर 2024 में शेयर की कीमत 1,164.65 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मार्च 2025 में शेयर 756.45 रुपये तक आ गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

पेंशन पाने वालों को इसी महीने जमा करना होगा लाइफ सर्टिफिकेट

● आधार ऑथेंटिकेशन होता है ● घर पर कैसे मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। पेंशनर्स के लिए डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट भारत सरकार की एक योजना है। इसमें ध्यान रखा जाता है कि पेंशनर्स को लाइफ सर्टिफिकेट प्राप्त करने में कोई असुविधा नहीं हो। उन्हें घर बैठे और आसान तरीके से यह प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए कुछ एजेंसियों को अधिकृत किया गया है। ये एजेंसियां पेंशनर्स के घर जा कर भी प्रमाणपत्र जारी करती हैं। जीवन प्रमाण पेंशनर्स के लिए एक डिजिटल सर्विस है जो बायोमेट्रिक तरीके से ऑथेंटिकेट कर उन्हें लाइफ सर्टिफिकेट प्रदान करता है। यह प्रमाणपत्र होते ही पेंशनर्स के संबंधित बैंक या पोस्टल पेमेंट बैंक के पास उनके जीवित होने की सूचना डिजिटल तरीके से पहुंच जाती है। उसके बाद उनके खाते में निर्बाध तरीके से पेंशन क्रेडिट होना जारी रहता है।

जीवन प्रमाण में आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है। आपको जानकारी होगी ही कि हर साल पेंशन लेने वाले बुजुर्गों को अपनी पेंशन लगातार पाने के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करना जरूरी होता है। अब सरकार ने इसे और आसान बना दिया है। बुजुर्ग अपने घर बैठे ही जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं, इसके लिए 'डोरस्टेप बैंकिंग' और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

अब पब्लिक सेक्टर बैंक एलायंस की डोरस्टेप बैंकिंग सर्विसेज के जरिए बुजुर्ग अपने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र घर बैठे जमा कर सकते हैं। यह सुविधा इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के ग्राहकों और गैर-ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्ध है। आप अपने नजदीकी डाकघर से संपर्क करें, या पोस्ट जानकारी मोबाइल ऐप के जरिए रिक्वेस्ट डालें। डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने के लिए कोई डोरस्टेप शुल्क नहीं। सफल डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट या डीएलसी के निर्माण पर केवल 70 रुपये (जीएसटी सहित) का शुल्क देय होगा। हालांकि सरकारी बैंक या पीएसबी गठबंधन में 60 साल और उससे ऊपर के बुजुर्गों के लिए यह सुविधा मुफ्त है। जीवन प्रमाण सफलतापूर्वक बनने के बाद पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस भेजा जाएगा। इसके बाद ट्रांजैक्शन आईडी का उपयोग कर प्रमाण पत्र डाउनलोड किया जा सकता है। यही प्रमाणपत्र पेंशनर्स के जीवित होने का प्रमाणपत्र है और इससे साल भर पेंशनर्स के खाते में पेंशन क्रेडिट होते रहेगा।

डोरस्टेप सर्विस लेने के लिए जरूरी चीजें

यदि आप जीवन प्रमाण के लिए डोरस्टेप सर्विस लेना चाहते हैं तो कुछ जरूरी चीजों का आपको ध्यान रखना होगा। सबसे पहले आपका आधार नंबर एक्टिव होना चाहिए और पेंशन खाते से लिंक होना चाहिए। साथ ही मोबाइल नंबर बैंक या डाकघर में रजिस्टर्ड होना चाहिए। इसके साथ ही पेंशन की जानकारी जैसे पीपीओ नंबर, पेंशन का प्रकार और भुगतान एजेंसी तैयार रखें। पेंशनर्स को हर साल इस समय लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होता है। इसमें 60 साल से 80 साल तक के पेंशनर्स के लिए यह सर्टिफिकेट जमा करने का तय समय एक नवंबर 2025 से 30 नवंबर 2025 है। हां, जिन पेंशनर्स की उम्र 80 साल या इससे ज्यादा हो चुकी है, उन्हें एक अक्टूबर 2025 से लेकर एक नवंबर 2025 तक लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने का वक्त दिया गया है।

व्यापार समझौते पर ट्रंप-शी में सहमति, आर्थिक सहयोग पर 21 देश राजी

चुनौतियों से निपटने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। व्यापार युद्ध पर अस्थायी विराम लगाने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में सहमति बनने के बाद एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं ने शनिवार को वार्षिक आर्थिक शिखर सम्मेलन का समापन किया। इस दौरान क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग पर जोर देने संबंधी बयान भी जारी किया गया। नेताओं ने आर्थिक सहयोग बढ़ाने व साझा चुनौतियों से निपटने पर चर्चा को लेकर शुक्रवार को अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन शुरू किया था। दक्षिण कोरियाई शहर ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दो दिनों के बाद 'एपेक' नेताओं ने एक साझा बयान में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं (अमेरिका-चीन) के बीच व्यापार तनाव से प्रभावित वैश्विक अर्थव्यवस्था की साझा चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सहयोग करने का वादा किया। इससे एक दिन पहले ही राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति ने व्यापार के मामले में बढ़ता तनाव घटाने के लिए कदम उठाने पर सहमति जताई थी। ट्रंप ने एक दिन पूर्व जिनपिंग से हुई मुलाकात में चीन पर लगाए गए शुल्क (टैरिफ) में कटौती की बात कही और बीजिंग ने दुर्लभ धातुओं के निर्यात की अनुमति देने व अमेरिका से सोयाबीन खरीदने पर सहमति जताई। ट्रंप-शी में बनी सहमति वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को घोषणा की कि चीन अगले साल नवंबर 2026 में एपेक आर्थिक नेताओं की बैठक की मेजबानी करेगा। उन्होंने कहा, एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेताओं का 2026 का शिखर सम्मेलन शेन्झेन में आयोजित किया जाएगा।

अमेरिका ने मोड़ा मुंह तो कई देशों ने किया भारत का बाहें खोलकर स्वागत

भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और सी प्रोडक्ट (समुद्री उत्पाद) पर काफी असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर टैरिफ लगाया है, अमेरिका को एक्सपोर्ट काफी कम हो गया है। शुरू में माना जा रहा था कि इससे भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और सी प्रोडक्ट (समुद्री उत्पाद) पर काफी असर पड़ेगा। लेकिन ऐसा बहुत कम हुआ। अमेरिका ने टैरिफ के जरिए भारत के लिए रास्ते बंद किए तो दूसरे देशों ने भारतीय प्रोडक्ट का स्वागत किया।

भारत के टेक्सटाइल, जेम्स, ज्वेलरी और समुद्री उत्पादों के निर्यात में अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से मिली है। यह दिखाता है कि भारत अपने सामान को अलग-अलग देशों में बेच रहा है, सिर्फ अमेरिका पर निर्भर नहीं है। यूएई, वियतनाम, बेल्जियम और सऊदी अरब जैसे देशों में इन चीजों की मांग बढ़ी है। एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में बढ़ती मांग के कारण इन क्षेत्रों में भारत के निर्यात में अच्छी वृद्धि हुई है। हालांकि अमेरिका अभी भी समुद्री उत्पादों के लिए सबसे बड़ा बाजार है जहां भारत ने 1.44 अरब डॉलर का निर्यात किया। लेकिन सबसे ज्यादा बढ़ोतरी वियतनाम में 100.4 फीसदी, बेल्जियम में 73.0 फीसदी और थाईलैंड में 54.4 फीसदी देखी गई। इससे पता चलता है कि भारत अपने समुद्री उत्पादों का व्यापार एशिया और यूरोप के कई देशों में फैला रहा है। चीन में भी 9.8 फीसदी, मलेशिया में 64.2 फीसदी और जापान में 10.9 फीसदी की वृद्धि हुई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में निर्यात में 8.6 फीसदी (136.5 मिलियन डॉलर) की वृद्धि हुई है, जो इसे भारतीय कपड़ों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय

कपड़ा निर्यात में यहां मारी बाजी

भारत के कपड़ा निर्यात भी पेरू और नाइजीरिया जैसे नए और उभरते बाजारों में अपनी जगह बना रहे हैं। जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान, भारत के कपड़ा निर्यात में 1.23 फीसदी की मामूली लेकिन सकारात्मक वृद्धि हुई है। यह कुल 28.05 अरब डॉलर रहा। यह वृद्धि अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में अच्छी मांग के कारण हुई है। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात में पिछले साल की तुलना में 15.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह कुल 4.83 अरब डॉलर रहा। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में समुद्री उत्पादों की बढ़ती मांग है।

एलजी नहीं, लेंसकार्ट का हाल टाटा कैपिटल जैसा ना हो जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले महीने दो कंपनियों के आईपीओ की खूब चर्चा थी। पहली कंपनी टाटा कैपिटल और दूसरी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड। इसमें से टाटा कैपिटल के आईपीओ की सुस्त शुरुआत हुई थी। कहीं यही हाल लेंसकार्ट का ना हो जाए। ग्रे मार्केट लेंसकार्ट के आईपीओ को लेकर डरा रहा है। बता दें, रिटेल निवेशकों की तरफ से लेंसकार्ट के आईपीओ को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। जिसकी वजह से पहले दिन ही रिटेल कैटगरी में आईपीओ पूरा भर गया है। इंवेस्टरगेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ कल शाम को 85 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। जोकि 21.14 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन की ओर संकेत दे रहे हैं। हालांकि, 31 अक्टूबर की तुलना में लेंसकार्ट के आईपीओ का जीएमपी 10 रुपये प्रति शेयर गिर चुका है। लेंसकार्ट के आईपीओ का सबसे अधिक जीएमपी 108 रुपये रहा है। इस स्तर पर यह आईपीओ ग्रे मार्केट में 28 अक्टूबर को था। लेंसकार्ट का आईपीओ शुक्रवार यानी 31 अक्टूबर को खुला था। पहले दिन ही आईपीओ को 1.13 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 1.32 गुना, क्यूआईबी कैटगरी में 1.42 गुना और एनआईआई कैटगरी में 0.41 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। लेंसकार्ट का आईपीओ अगले दो दिन यानी 4 नवंबर तक ओपन रहेगा। एंकर निवेशकों से लेंसकार्ट ने 3268.36 करोड़ रुपये जुटाए थे। लेंसकार्ट का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 30 अक्टूबर को खुला था। इस मेनबोर्ड सेगमेंट के आईपीओ का प्राइस बैंड 382 रुपये से 402 रुपये प्रति शेयर था। कंपनी ने 37 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14874 रुपये का दांव लगाना पड़ा था।

वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी राजस्व बजट अनुमान से अधिक रहेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की आर्थिक दिशा पर अहम संकेत देते हुए एसबीआई रिसर्च ने कहा है कि वित्त वर्ष 2026 (एफवाई26) में जीएसटी से होने वाली आय सरकार के बजटीय अनुमानों से ज्यादा होगी। रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में कर दरों के पुनर्गठन के बाद भी जीएसटी से होने वाला कुल राजस्व मजबूत स्थिति में रहेगा। यह भारतीय अर्थव्यवस्था में कर प्रणाली की स्थिरता का संकेत देता है।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है कि हम अनुमान लगाते हैं कि वित्त वर्ष 2026 में जीएसटी संग्रह बजट में तय अनुमान से अधिक रहेगा। रिपोर्ट ने यह आकलन जीएसटी परिषद द्वारा जारी विकास दर के अनुमानों के आधार पर किया है। इसमें बताया गया कि कर दरों में हालिया पुनर्गठन के बावजूद अधिकांश राज्यों को वित्त वर्ष 2026 में शुद्ध लाभ मिलेगा।

जानें राज्यों की स्थिति

सितंबर 2025 में लागू किए गए जीएसटी दर पुनर्गठन के तहत अब चार स्तर की संरचना लागू है। शून्य प्रतिशत, पांच

प्रतिशत, 18 और 40 फीसद। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र को इस बदलाव से करीब छह प्रतिशत का लाभ होगा, जबकि कर्नाटक को 10.7 फीसद तक की बढ़ोतरी मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दरों के पुनर्गठन के बाद कुल मिलाकर राज्य नेट गेनर यानी लाभार्थी रहेंगे।

पूर्व आंकड़ों से मिला भरोसा

एसबीआई रिसर्च ने अपने विश्लेषण में जुलाई 2018 और अक्टूबर 2019 के जीएसटी दर संशोधन के अनुभवों को भी जोड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, दरों में बदलाव के बाद शुरुआती महीनों में तीन से चार प्रतिशत की अस्थायी गिरावट देखने को मिलती है, लेकिन इसके बाद राजस्व में लगातार पांच से छह प्रतिशत मासिक वृद्धि होती है। अनुमान के मुताबिक, यह सुधार सालाना एक लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त आमदनी में बदल सकता है।

मौजूदा जीएसटी आंकड़े

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में जीएसटी संग्रह 4.6 प्रतिशत बढ़कर 1.95 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो पिछले साल इसी महीने में 1.87 लाख करोड़ रुपये था। अप्रैल से अक्टूबर 2025 तक कुल संग्रह नौ प्रतिशत की वृद्धि के साथ 13.89 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। इस अवधि में सेंट्रल जीएसटी, स्टेट जीएसटी और इंटीग्रेटेड जीएसटी सभी में बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सेस कलेक्शन में मामूली कमी आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी महीनों में सरकार का राजस्व और मजबूत हो सकता है।

अमेरिका का यह प्रस्ताव बेहद खतरनाक...

रघुराम राजन की भारत को बड़ी चेतावनी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने अमेरिका में प्रस्तावित हेयर एक्ट को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यह प्रस्तावित कानून भारत की सेवा निर्यात और ग्लोबल टैलेंट आपूर्ति श्रृंखला के लिए एच-1बी वीजा शुल्क में हाल ही में हुई 1 लाख डॉलर की वृद्धि से कहीं अधिक गंभीर खतरा बन सकता है। राजन ने अमेरिकी मीडिया प्लेटफॉर्म छ्रह्रश्वसद्ध को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि जबकि एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ोतरी से केवल अल्पकालिक

झटका लग सकता है, लेकिन हेयर अधिनियम के जरिये अमेरिका अगर आउटसोर्स की गई सेवाओं पर टैरिफ लगाना शुरू करता है, तो इसका असर लंबे समय तक रह सकता है। राजन ने कहा, हमारी सबसे बड़ी चिंता वस्तुओं पर लगने वाले टैरिफ से नहीं, बल्कि सेवाओं पर टैरिफ लगाए जाने की संभावना से है। यह एक वास्तविक खतरा है। अमेरिकी कांग्रेस में हेयर अधिनियम पर चर्चा चल रही है, जिसका उद्देश्य आउटसोर्स्ड सेवाओं पर टैरिफ लगाना है। यह कैसे लागू किया जाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अगर टैरिफ धीरे-धीरे वस्तुओं से आगे बढ़कर सेवाओं और एच-1बी वीजा धारकों तक पहुंच गए, तो यह भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का विषय होगा। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने यह भी कहा कि भारत पहले ही अमेरिका के रिकॉर्ड स्तर के 50 प्रतिशत टैरिफ से प्रभावित है, जो चीन के 47 प्रतिशत टैरिफ से भी अधिक है। उन्होंने कहा, यह भारत के कुछ प्रमुख उद्योगों (विशेषकर टेक्सटाइल (वस्त्र)) के लिए बड़ी समस्या है। अमेरिका के त्योहार सीजन में हमारी सप्लाई प्रभावित हो रही है। आगे जाकर हमें यह नहीं होने देना चाहिए कि जिन आपूर्ति श्रृंखलाओं को हमने वर्षों में बनाया है, वे स्थायी रूप से बाधित हो जाएं। राजन ने भारत सरकार से अपील की कि वह अमेरिका के साथ जारी वार्ताओं में टैरिफ स्तर घटाने पर जोर दे। उन्होंने कहा, यह बेहद जरूरी है कि भारत के टैरिफ जल्दी से जल्दी कम किए जाएं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां हमारी श्रम-प्रधान उद्योगों ने अमेरिकी बाजार में अच्छी पकड़ बनाई है। हमारी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को नुकसान होगा। एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि पर बोलते हुए राजन ने कहा कि इसका असर उतना गंभीर नहीं होगा।

खुलने से पहले ही 60 प्रीमियम पर पहुंचा जीएमपी, दिग्गज कंपनी का आ रहा आईपीओ

मुंबई, एजेंसी। अगर आप आईपीओ मार्केट में पैसे लगाने में दिलचस्पी रखते हैं तो आपके लिए काम की खबर है। अगले सप्ताह एक और आईपीओ निवेश के लिए ओपन हो रहा है। भारतीय फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स का आईपीओ 7 नवंबर से 11 नवंबर के बीच खुलने जा रहा है। यह इश्यू भारतीय बाजार में इस समय चल रही आईपीओ की लहर में शामिल होगा। कंपनी पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनल्स जैसी पेमेंट सॉल्यूशंस प्रदान करती है और पेटीएम और वॉलमार्ट-स्वामित्व वाली फोनपे जैसी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करती है। ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर ?60 प्रीमियम पर उपलब्ध हैं। बता दें कि भारतीय फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स ने अपने आईपीओ का साइज घटा दिया है। कंपनी ने मौजूदा निवेशकों द्वारा बेचे जाने वाले शेयरों की संख्या में 44 प्रतिशत की कटौती की है, जबकि नए शेयरों के जरिए जुटाई जाने वाली पूंजी में 20 प्रतिशत की कमी की गई है। यह जानकारी कंपनी की 31 अक्टूबर को दाखिल की गई अपडेटेड प्रॉस्पेक्टस से सामने आई है। प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, मौजूदा निवेशक जैसे कि पीक एक्सवी पार्टनर्स, पेपल और मास्टरकार्ड अब कुल 8.23 करोड़ शेयर बेचेंगे।

घोषणा-पत्रः लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

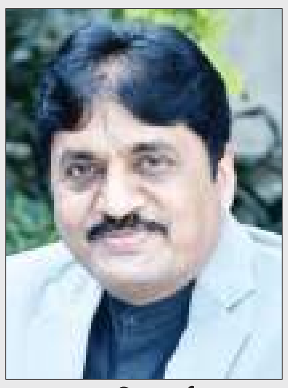

ललित गर्ग

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है।

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता।

यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने ह्यसंकल्प पत्रह्न में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने ह्यतेजस्वी प्रणह्न में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

बिहार की रक्तरंजित राजनीति व जातीय समीकरणों का नया गणित

विनोद कुमार सिंह

बिहार विधान सभा चुनाव 25 की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है। बिहार विधान सभा के इस चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है ।

बिहार विधानसभा चुनाव 25 के प्रथम चरण से पहले ही मोकामा में हुई जन सुराज समर्थक नेता दुलार चंद यादव की हत्या ने राज्य की राजनीति में सनसनी मचा दी है।यह घटना न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहरी चोट है,बल्कि यह बिहार की उस पुरानी सियासी संस्कृति को भी उजागर करती है,जहाँ बाहुबल, जाति और सत्ता का संगम अक्सर खून-खराबे का सबब बनता है।हत्या से उपजा सियासी तूफान मोकामा विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता दुलार चंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई।उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के समर्थकों ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया और फिर यादव को कार से कुचल दिया।वहीं अनंत सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि जन सुराज समर्थकों ने उनके काफिले पर पथराव किया,जिसमें उनके कई समर्थक घायल हुए औरअफरातफरी में किसी ने गोली चला दी।इस घटना ने मोकामा की राजनीति को आग में झोंक दिया है।तेजस्वी यादव,पप्पू यादव और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।पप्पू यादव ने कहा,'हर बड़ी घटना में अनंत सिंह का नाम क्यों आता है?' यह बयान अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है।दुलारचंद यादव कभी लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी माने जाते थे। टाल क्षेत्र में उनका वर्चस्व रहा और वे 1990 के दशक में मोकामा से चुनाव भी लड़ चुके थे।उनका नाम राजनीति के साथ-साथ अपराध की दुनिया से भी जुड़ा रहा।हाल के वर्षों में वे जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी उर्फ लल्लू मुखिया के समर्थक बने और खुलेआम अनंत सिंह के खिलाफ बयान देने लगे।यही विरोध अबउनके जीवन का अंत साबित हुआ।बिहार विधान सभा चुनाव में मोकामा : -सर्व विदित रहे कि बिहार में बाहुबल और राजनीति की प्रयोगशाला पटना से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित मोकामा है । यहाँ की विधानसभा क्षेत्र बिहार की राजनीति का प्रतीक-क्षेत्र बन चुका है ।यहाँ जाति,बाहुबल और जनाधार का अनोखा समीकरण है।1951 में गठित यह विधानसभा क्षेत्र मुंगेर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है।यहाँ का इतिहास बताता है कि 1990 के दशक से बाहुबली नेताओं का बोलबाला रहा है।पहले 'बड़े सरकार' दिलीप सिंह,फिर 'छोटे सरकार'अनंत सिंह।अनंत सिंह ने 2005 से 2020 तक पाँच बार इस सीट पर विजय हासिल की-चाहे वे जदयू,राजद या निर्दलीय उम्मीदवार रहे हों।2020 में जेल से चुनाव जीतने के बाद भी उनका प्रभाव अडिग रहा,और 2022 में पत्नी नीलम देवी को उपचुनाव में विजेता बनाकर उन्होंने अपना किला बचाए रखा।विधान सभा चुनाव जीत की कुंजी मोकामा की सामाजिक संरचना बिहार की सियासत का सूक्ष्म प्रतिबिंब है।भूमिहार समुदाय यहाँ निर्णायक भूमिका में है, परंतु यादव, कुर्मी, धानुक, पासवान और अति पिछड़ी जातियाँ भी परिणाम तय करती हैं।दुलारचंद यादव की हत्या से यादव और ओबीसी वर्ग में गुस्सा देखा जा रहा है,जो जनसुराज और राजद के पक्ष में लामबंदी की भूमिका निभा सकता हैवहीं,भूमिहार मतदाता परंपरागत रूप से अनंत सिंह के साथ रहे हैं,लेकिन इस घटना ने उनके बीच भी असहजता पैदा की है।यदि यह असंतोष जदयू के कोर वोट बैंक में सेंध लगाता है,तो मोकामा का 'अभेद्य किला' दरक सकता है।इसका राजनीतिक प्रभाव और संभावित परिणाम -1.जनसुराज पार्टी के लिए सहानुभूति लहर-हत्या ने पीयूष प्रियदर्शी के लिए सहानुभूति की जमीन तैयार कर दी है।

2.अनंत सिंह की छवि पर आघात - बाहुबली की पहचान अब उनके लिए शक्ति नहीं,बोझ बन सकती है।

3.राजद और कांग्रेस के लिए अवसर -यादव और अति पिछड़े मतदाताओं के एकजुट होने से महागठबंधन को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है।

4.एनडीए की रणनीति पर दबाव – जदयू और बीजेपी के लिए यह सीट अब 'सम्मानजनक हार' से बचाने की चुनौती बन गई है।

बिहार विधान सभा चुनाव की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है।बिहार के इस विधान सभा चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है।दुलारचंद यादव की हत्या सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक चेतना की हत्या है जो बिहार को बदलाव की राह पर ले जाने की कोशिश कर रही थी।मोकामा का ऐतिहासिक गौरव और आज का विरोधाभास-1908 में यहीं मोकामा घाट स्टेशन पर क्रांतिकारी प्रफुल्ल चाकी ने ब्रिटिश मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड की हत्या के प्रयास के बाद आत्मबलिदान दिया था।आज वही भूमि राजनीतिक हिंसा और बाहुबलीकरण का प्रतीक बन चुकी है-यह बिहार की विडंबना है कि जहाँ कभी क्रांति के लिए गोली चली थी,अब सत्ता के लिए चलती है।दुलारचंद यादव हत्याकांड ने बिहार के पहले चरण के चुनाव को एक भावनात्मक मोड़ दे दिया है।यदि यह मामलाजनमानस में अनंत सिंह के खिलाफ लहर बनाता है,तो यह मोकामा ही नहीं,आस-पास की सीटों पर भी असर डाल सकता है।दूसरी ओर,यदि एनडीए इसे राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में पेश कर पाने में सफल रहा,तो परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।लेकिन इतना तय है कि मोकामा की यह रक्तरंजित घटना 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को जातीय और नैतिक दोनों ही दृष्टियों से निर्णायक मोड़ पर पहुँचा चुकी है। मूल प्रश्न यह नहीं कि किसने गोली चलाई बल्कि यह कि बिहार में लोकतंत्र कब तक बंदूक की नली से निकलेगा।जो आगामी वर्ष होने वाले पश्चिमी बंगाल,उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में होने विधान सभा चुनावों व भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्रवाद ' लिंग भेद भाव के पड़नें वाले प्रभाव भारत की राजनीति के लिए खतरें की घंटी है।

काला शनिवार : श्मशानघाट बन गया मंदिर,भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं लाशों के अंबार लगते जा रहे हैं हर माह ऐसे हादसे हो रहे हैं' सितम्बर में हुई घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की एक नवंबर 2025 को आंध्रप्रदेश में फिर घटना हो गईं' वेंकटेशवर स्वामी मंदिर में रेलिंग टूटने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए मंदिर पल भर में श्मशानघाट बन गया भगदड़ मचने से नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं यह दुःखद हादसा शनिवार को सुबह साढ़े नौ बजे के करीब हुआ 'ऐसी ही भगदड़ की घटना बीते 27 सितम्बर को तमिलनाडु के करूर में तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड मचने से 39 लोगों की मौत हो गईं थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' 17 महिलाओं की मौत हो गई थी 'मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे ' करूर के जिस मैदान में यह हादसा हुआ था वहाँ केवल.10000 लोगों की क्षमता थी 'लेकिन यहां लगभग 30000 से अधिक लोग मौजूद थे' भगदड़ मचने से ज्यादातर मोटे हुई हैं मौत का कारण दम घुटना था ' शनिवार को चारों तरफ लाशों का अंबार लग गया' पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था ' सरकार ने मृतकों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया है' गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धांलुओं की मौत हो गईं थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे ' मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ था ' मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था 'यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी ' 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गईं थी और काफी लोग घायल हुए थे ' 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गईं थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं ' 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे ' मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे ' भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं ' कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरूा के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो.रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें। वक़्त अभी संभलने का है'

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

वर्क लाइफ बैलेंस पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' और आगामी फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर चर्चाओं में हैं। वहीं रश्मिका और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरें भी लगातार फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अब इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस के बीच रश्मिका ने काम और जिंदगी में संतुलन को लेकर बात की है। इससे पहले 'द गर्लफ्रेंड' के निर्माता एसकेएन ने रश्मिका की तारीफ करते हुए कहा था कि वो काम को घंटों की तरह नहीं लेती हैं। अब रश्मिका ने भी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन को लेकर बात की और ज्यादा काम न करने के महत्व को समझाया है।

वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो

कुछ समय पहले रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें पूरे 8 घंटे की नींद लिए हुए कई महीने हो गए हैं। इसी बात का जिक्र करते हुए जब प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन के बारे में पूछा गया तो रश्मिका ने गल्ट से कहा, 'मुझे लगता है कि इस बात का महिमामंडन करना कि हम जरूरत से ज्यादा काम करते हैं, ठीक नहीं है। मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं और मैं आपको बता रही हूं यह बिल्कुल भी सुझाव देने योग्य नहीं है। ऐसा मत करो। यह टिकाऊ नहीं है। वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो, वही करो जो तुम्हारे लिए सही हो। वो 8 घंटे काम करो, वो 9-10 घंटे भी काम करो क्योंकि यकीन मानो, ये तुम्हें आगे चलकर बचाएगा। जैसे मैंने हाल ही में ऐसी कई बातचीत देखी हैं जहां लोग कहते हैं, ठीक है, काम का समय पता है वगैरह। मैंने दोनों ही किया है। यह इसके लायक नहीं है।'

मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं

अभिनेत्री ने आगे कहा कि जैसा जाहिर है कि यह एक जिम्मेदारी है जो तुम पर है। मैं खुद पर जरूरत से ज्यादा काम कर लेती हूं क्योंकि मैं एक सामान्य इंसान से कहीं ज्यादा काम ले लेती हूं। लेकिन मैं ऐसी भी नहीं हूं जो अपनी टीमों से कहूं कि मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकती। अगर मुझे पता है कि वे संघर्ष कर रहे हैं और वे कहते हैं, नहीं, मेरे पास अभी तक केवल यही लोकेशन है और हमें इस समय में बहुत कुछ शूट करना है।' तब मैं यह समझती हूं और मान जाऊंगी और वैसा करूंगी।

हमें भी 9 से 5 की जॉब की तरह काम करने दें

बातचीत के दौरान रश्मिका ने कहा कि सिनेमा में यह बहुत पहले से होता आया है। यही कारण है कि हमें अपनी टीमों से प्यार है। लेकिन अगर मुझे खुद चुनना होता, तो मैं कहती कि कृपया हम अभिनेताओं को ऐसा करने पर मजबूर न करें, क्योंकि बहुत कुछ चल रहा है। सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि निर्देशक, लाइटमैन, संगीतकार, सभी। जैसा आप जानते हैं कि ऑफिस का समय 9 से 6 या 9 से 5 या 9 से 4 होता है, हमें ऐसा करने दें। क्योंकि अभी भी एक पारिवारिक जीवन है जिस पर मैं ध्यान देना चाहती हूं, अभी भी मेरी नींद बाकी है जो मैं पूरी करना चाहती हूं। मैं अभी भी वर्कआउट करना चाहती हूं, इसलिए, आप जानते हैं, बाद में मुझे इस बात का पछतावा नहीं होगा कि काश मैं छोटी उम्र में स्वस्थ और फिट होती और वर्कआउट करती। मैं अभी भी अपने भविष्य के बारे में सोच रही हूं। लेकिन अभी मेरे पास कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि मैं खुद पर बहुत ज्यादा जिम्मेदारी ले रही हूं।

'द ताज स्टोरी' की कंट्रोवर्सी पर परेश रावल ने तोड़ी चुप्पी

परेश रावल का कहना है कि फिल्म 'द ताज स्टोरी' में कोई झूठ नहीं है। उनका दावा है कि यह फिल्म विश्व प्रसिद्ध स्मारक यानी ताजमहल के बारे में तथ्य ही पेश करती है। इससे आगे चलकर पर्यटन को ही बढ़ावा मिलेगा।

परेश रावल को फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी

बातचीत में परेश रावल ने कहा, 'हमारे सिनेमा में बहुत सारा छल-कपट और झूठ है। लेकिन हमारी फिल्म में कोई झूठ नहीं है, सिर्फ तथ्य हैं। जब मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट आई, तो मैंने उसे पढ़ा और मुझे यह पसंद आई। मुझे फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी। मैंने कुछ दोस्तों के साथ तथ्यों की पुष्टि की और पाया कि यह सही थे। इसके बाद मैं निर्देशक से मिला। हमने तय किया कि फिल्म में कोई कट्टर राष्ट्रवाद नहीं होगा, यह फिल्म सिर्फ ताज के बारे में होगी।'

विवाद खड़ा करना नहीं चाहते हैं

परेश रावल आगे कहते हैं, 'लोग कह रहे हैं कि हम हिंदू-मुस्लिम विवाद खड़ा करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हम हमेशा से इससे दूर रहे हैं। हम एक शोध वाली मजेदार फिल्म बनाना चाहते थे जो हमारे यहां बनती नहीं हैं।' इस फिल्म को तुषार अमरीश गोयल ने डायरेक्ट किया है।

क्या है 'द ताज स्टोरी' के मेकर्स का दावा

मेकर्स का दावा है यह फिल्म भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को पेश करती है जिसे पहले कभी किसी ने सामने लाने की हिम्मत नहीं की। इस महीने की शुरुआत में, फिल्म का पहला पोस्टर तब विवादों में घिर गया था जब इसमें परेश रावल के किरदार को ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की एक मूर्ति निकलते हुए दिखाया गया था। पोस्टर के पीछे का विचार यह है कि यह ताजमहल नहीं है। कुछ लोग इसे तेजो महालय कहते हैं।

तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

माही विज और जय भानुशाली अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर दोनों का रिश्ता टूट गया है और कपल का तलाक होने वाला है। यह खबर सामने आने के बाद जय और माही के फैंस आहत हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक को लेकर तरह-तरह के दावे करते हुए पोस्ट वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए माही विज ने गुस्सा जाहिर किया है। जय भानुशाली के साथ तलाक की अफवाहों पर माही विज ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया गया। इसमें माही विज के हवाले से एक कमेंट लिखा गया, जिसमें कहा गया है, आधिकारिक रूप से पांच मिनट पहले मेरा तलाक हुआ है। मुझे पता है कि कुछ लोग इस पर बधाई देंगे, लेकिन मेरे लिए ऐसे परिदृश्य मायने नहीं रखते। तलाक होना हमेशा दुखद ही होगा। इस पोस्ट पर माही विज ने गुस्सा जाहिर करते हुए हिदायत दी है। माही विज ने कमेंट लिखा है, झूठी बातें पोस्ट मत करिए। मैं इसके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगी। अभिनेत्री ने शायद तलाक को लेकर उनकी तरफ से की गई कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। फिलहाल माही के इस कमेंट से उनके फैंस ने राहत की सांस ली है कि शायद तलाक की बात झूठी हो। हालांकि, माही के कमेंट में यह जिक्र नहीं है कि तलाक होगा या नहीं, उन्होंने गलत नैरेटिव फैलाने को लेकर एतराज जताया है।

क्या मुंज्या 2 में लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा की एंट्री?

साल 2024 की सरप्राइज हिट मुंज्या ने छोटे बजट और नए चेहरों के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर बड़ा कमाल दिखाया था। अभय वर्मा और शारवरी वाघ स्टारर इस हॉरर-कॉमेडी ने 100 करोड़ क्लब में जगह बनाकर मैडॉक फिल्म्स यूनिवर्स को नई ऊंचाई दी। अब इसका सीक्वल महा मुंज्या डेवलपमेंट स्टेज में है। हाल ही में खबरें आई थीं कि लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। हालांकि, मुंज्या के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार ने इस खबर को सिरे से खारिज किया।

महा मुंज्या में उनका नाम सिर्फ अफवाह है आदित्य ने कहा, न प्रतिभा ने कुछ कहा है, न उनकी टीम ने और न हमने। इसमें कोई सच्चाई नहीं है, ये बस एक फैन थ्योरी है। शायद लोगों को लगा कि वो इस यूनिवर्स का हिस्सा हैं क्योंकि उन्होंने लापता लेडीज में शानदार काम किया है। मुझे भी जब ये खबर सुनी तो थोड़ा हंसी आई कि ये आया कहां से?

आदित्य ने आगे बात करते हुए कहा, प्रतिभा बहुत टैलेंटेड और शानदार एक्ट्रेस हैं। मैं खुद मानता हूं कि वो इस तरह की फिल्मों में बिल्कुल फिट बैठेंगी। अगर आगे चलकर ऐसा कुछ होता है तो क्यों नहीं? लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ नहीं है। न कोई ऑफिशियल बातचीत हुई है, न कोई कन्फर्मेशन आया है। ये सिर्फ सोशल मीडिया की हवा है।

अभय वर्मा और शारवरी वाघ की होगी वापसी

जब आदित्य सरपोतदार से पूछा गया कि क्या सीक्वल में मुंज्या के लीड कलाकार अभय वर्मा और शारवरी वाघ फिर नजर आएंगे तो उन्होंने तुरंत कहा, अभय और शारवरी 100 प्रतिशत लौट रहे हैं। उनके किरदार वहीं से आगे बढ़ेंगे, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। लेकिन इनके साथ और कौन जुड़ता है, ये अभी बताना जल्दबाजी होगी। जब वक्त आएगा, सब कुछ साफ हो जाएगा।

मुंज्या 2 इसलिए बन रही है क्योंकि ऑडियंस इंटरेस्टेड हैं

सीक्वल पर बात करते हुए आदित्य ने कहा, ये साफ दिखाता है कि लोग इस यूनिवर्स में इंटरेस्टेड हैं और उन्होंने मुंज्या के साथ एक इमोशनल इन्वेस्टमेंट बनाया है। जब हमने पहली फिल्म बनाई थी, तब सीक्वल का कोई प्लान नहीं था। लेकिन फिल्म के हिट होने के बाद भरोसा मिला कि इस कहानी को और आगे बढ़ाया जा सकता है। अगर फिल्म नहीं चलती तो पार्ट टू बनाने का कोई मतलब नहीं होता। लेकिन जब दर्शक खुद पूछने लगें कि आगे क्या होगा, तब समझ आता है कि आपने कुछ सही किया है।

महा मुंज्या का पैमाना और बड़ा होगा

उन्होंने आगे बात करते हुए कहा, अब महा मुंज्या के साथ हम उस यूनिवर्स को और बड़ा करने जा रहे हैं। बहुत सारी प्लानिंग चल रही है, कई एक्साइटिंग चीजें तैयार हो रही हैं। हम चाहते हैं कि ये फिल्म सिर्फ सीक्वल नहीं, बल्कि एक नया एक्सपीरियंस बने। जैसे पहली फिल्म के एंड में हमने एक प्रॉमिस छोड़ा था, वैसे ही अब महा मुंज्या उस प्रॉमिस को पूरा करेगी। कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां मुंज्या खत्म हुई थी, लेकिन इस बार पैमाना और बड़ा होगा, दुनिया और गहरी।

'पद्मावत' की मेहरुनिसा से लेकर 'मर्डर 3' की रोशनी तक, अदिति राव हैदरी ने हर किरदार में बिखेरा अभिनय का जादू

अदिति राव हैदरी भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी सादगी और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर जानेंगे उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में, जिनके लिए उन्हें पहचाना जाता है। तो चलिए जानते हैं उनकी फिल्में।

मर्डर 3

बॉलीवुड की मशहूर मर्डर फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट का नाम 'मर्डर 3' है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसे विशेष भट्ट द्वारा निर्देशित किया गया था। इस फल्म में विक्रम (रणदीप हुड्डा) जो एक फोटोग्राफर है, निशा (सारा लोरेन) से एक बार मिलता है और दोनों की तुरंत दोस्ती हो जाती है। जल्द ही वे प्यार में पड़ जाते हैं और अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर ले जाते हैं। निशा उसके घर में रहने आती है, लेकिन जल्द ही उसे उसके राज पता चलने लगते हैं। वह विक्रम की पूर्व प्रेमिका रोशनी (अदिति राव हैदरी) के गायब होने के पीछे छिपे के सच का पता लगाने

दिल्ली 6

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में दिल्ली 6 फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी। आपक बता दें कि इस फिल्म से अदिति राव हैदरी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनका रोल कम था, लेकिन सभी ने उनके किरदार को खूब सराहा था। फिल्म एक एनआरआई के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बीमार दादी के साथ भारत लौटता है, लेकिन हैरानी की बात है कि वह खुद को दिल्ली के बीचों-बीच एक मंदिर-मस्जिद विवाद में फंसा हुआ पाता है। दिल्ली 6 में अदिति राव हैदरी ने रमा बुआ का किरदार निभाया था। इसमें अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर मुख्य भूमिका में थे।

पद्मावत

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म पद्मावत में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म अदिति राव हैदरी की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। अदिति हर फ्रेम में एक स्टार की तरह चमकीं। उन्होंने खिलजी की पत्नी मेहरुनिसा का किरदार बखूबी निभाया था। फिल्म में जैसे-जैसे खिलजी रानी पद्मावती के प्रति और अधिक आसक्त होता गया, मेहरुनिसा ने पत्नी से पहले, एक महिला बनना चुना। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी।

वजीर

फरहान अख्तर, अमिताभ बच्चन और अदिति राव हैदरी जैसे कलाकारों से सजी फिल्म वजीर 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अदिति राव हैदरी ने रुहाना अली की भूमिका निभाई थी और तमाम दिग्गजों के बीच भी अपनी जगह और लाइमलाइट बरकरार रखी। इस फिल्म की कहानी एक पुलिसवाले दानिश के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी की हत्या करने वाले एक आतंकवादी से बदला लेने के मिशन पर है। इसी दौरान उसकी मुलाकात पंडित से होती है, जो अपनी बेटी के लिए शोक मना रहा है।

रॉकस्टार

इम्तियाज अली के निर्देशन में साल 2011 में रॉकस्टार फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, नरगिस फाखरी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं अदिति राव हैदरी ने शीना के रूप में फिल्म अहम किरदार अदा किया था। उनके रोल ने दर्शकों को आकर्षित किया था।

हीरामंडी

अदिति राव हैदरी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार सीरीज में नजर आई थीं। यह साल 2024 में रिलीज हुई थी, जिसे संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित किया गया था। यह शो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाहौर के हीरा मंडी में वेश्याओं के जीवन पर केंद्रित है। इसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा और ऋचा चड्ढा जैसे कई सितारे शामिल थे।

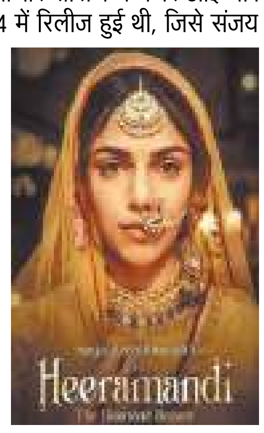

भारतीय टीम ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। भारतीय टीम की जीत में वाशिंगटन सुंदर की नाबाद 49 रनों की पारी के अलावा तिलक वर्मा की 29 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को जीत के लिए 187 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारतीय पारी का आकर्षण सुंदर की पारी रही। सुंदर ने 23 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाये।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत की पर वह अधिक देर नहीं टिक पाये। अभिषेक ने 16 गेंद में 2 चौके और 2 छक्के लगाकर 25 रन बाये। वह नाथन एलिस की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद एलिस ने शुभमन गिल को भी पेवेलियन भेजे दिया। शुभमन 15 रन ही बना पाये। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 24 रन बनाये। सूर्यकुमार के आउट होने के बाद अक्षर पटेल ने 17 रन बनाये और तिलक वर्मा के साथ पारी को आगे बढ़ाया। एलिस ने अक्षर को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

अक्षर पटेल के आउट होने के बाद तिलक ने सुंदर के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 रनों की अहम साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। इसके बाद तिलक 29 रन बनाकर जेवियर बार्टलेट की गेंद पर आउट को गये। इसके बाद . सुंदर ने जितेश शर्मा के साथ टीम को जीत दिलायी। जीतेश ने 22 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस ने तीन विकेट लिए।

इससे पहले इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को बल्लेबाज के के लिए बुलाया था। मेजबान टीम की ओर से टिम डेविड ने 8 चौके और 5 छक्के लगाकर 38 गेंदों पर 74 रन बनाए। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने 39 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाकर 64 रन बनाये। इस प्रकार मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 186 रन बनाये।

वहीं भारतीय टीम की ओर से भारत अर्शदीप सिंह ने 3 और वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट जबकि एक विकेट शिवम दुबे ने लिया। वहीं इस मैच में इस मैच में भारतीय टीम ने तीन बदलाव करते हुए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और विकेटकीपर बल्लेबाज

जितेश शर्मा को शामिल किया है जबकि हर्षित राणा, कुलदीप यादव और संजू सैमसन को बाहर कर दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह ऑलराउंडर सीन एबॉट को शामिल किया है। पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा ऑस्ट्रेलियाना ने चार विकेट से जीता था।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया।

रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी। इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल गेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

डेवाल्ड ब्रेविस ने रचा इतिहास, 2025 में एसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भले ही साउथ अफ्रीका को हार झेलनी पड़ी हो, लेकिन युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने इतिहास रच दिया। 22 वर्षीय इस स्टार खिलाड़ी ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बनकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफ्रीकी टीम महज 110 रन पर ढेर हो गई। पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ ने 4 विकेट और सलमान मिर्जा ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए साइम अय्यूब ने मात्र 38 गेंदों पर नाबाद 71 रन की विस्फोटक पारी खेलते हुए पाकिस्तान को 13.1 ओवर में जीत दिला दी। इस जीत के साथ अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के (2025)

डेवाल्ड ब्रेविस (दक्षिण अफ्रीका) - 50
हैरी ब्रुक (इंग्लैंड) - 46
अभिषेक शर्मा (भारत) - 43
शाई होप (वेस्टइंडीज) - 42
तनजीद हसन (बांग्लादेश) - 41.

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल

– आईपीएल से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक मचाया धमाल

होबार्ट (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैंस दोनों ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे।

आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷हम वर्षों से भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और आज हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है।÷

धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं और उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिल रही है। हाल ही

में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

धूमल ने कहा, ÷रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी केवल रन नहीं बनाते, बल्कि उदाहरण पेश करते हैं। रोहित ने जिस तरह से इस सीरीज में अपनी क्लास दिखाई, वह बताता है कि उनमें अब भी वैसी ही भूख और जुनून है जैसी करियर की शुरुआत में थी। यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट दुनिया में इतनी मजबूती से खड़ा है क्योंकि हमारे पास अनुभव और नई प्रतिभा, दोनों का सही संतुलन है।÷

वैभव सूर्यवंशी का नाम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट जगत में गूंज रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वह इसी लय में आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में वह भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार बन सकते हैं। फिलहाल, फैंस बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहे हैं, जब यह 14 वर्षीय बल्लेबाज टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए मैदान पर उतरेगा।

अर्शदीप ने सोशल मीडिया में रखी बात

मुम्बई ।पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन के बाद भी पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाने से निराश भारतीय टीम के बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सोशल मीडिया में अपनी बात रखी है।अर्शदीप ने लिखा है कि जैसे करोगे वैसा ही भरोगे।इस तेज गेंदबाज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी।टीम प्रबंधन के इस रुख की प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने आलोचना की थी जिसके बाद तीसरे टी20 के लिए अर्शदीप को जगह मिली। अर्शदीप ने 65 टी20 अंतरराष्ट्रीयमें 101 विकेट हासिल किए हैं।इसके बाद भी पर्याप्त अवसर नहीं मिलने से नाराज अर्शदीप ने सोशल मीडिया में लिखा।, 'जो भी बीज आप बोते हैं आपके कर्म, वही फल आप काटते हैं।' इस पोस्ट से साफ है कि ये तेज गेंदबाज टीम प्रबंधन के रवैये से नाराज है।

एकदिवसीय के बाद टी20 में भी खामोश है शुभमन का बल्ला

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनों ही प्रारुपों में कप्तान बनाये जाने की अटकलें हैं।चयन समिति और कोच गौतम गंभीर भविष्य में शुभमन को ही टी20 कप्तान बनाना चाहते हैं।इसी कारण उनको टी20 की उपकप्तानी दी गयी है पर इंग्लैंड दौरे के बाद से ही जिस प्रकार से शुभमन का बल्ला सीमित ओवरों टेस्ट और टी20 में नहीं चल रहा।उससे गंभीर की चिन्ता जरुर बढ़ गयी होगी।शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैचों में रन नहीं बना पाये।टी20 सीरीज के भी पहले दो मैच में वह विफल रहे। एशिया कप में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये।कुल मिलाकर देखा जाये तो वह पिछली 12 पारियों मे एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये।ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज में खेले गए दो मैचों में उन्होंने 37 और 5 रन बनाए है।शुभमन ने टी20 में अंतिम बार अर्धशतक 13 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एकदिवीसय सीरीज में भी शुभमन विफल रहे थे।तीन मैचों की सीरीज में शुभमन गिल रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए सिर्फ 43 रन ही बना सके।उनका सबसे अधिक स्कोर 24 रन था।

रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी का जलवा, अगरतला में उमड़ा फैंस का सैलाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच विवाद की खबरें सुर्खियों में रही थीं। शमी का कहना है कि वह पूरी तरह फिट हैं, फिर भी बिना किसी ठोस कारण के उन्हें टीम से बाहर रखा गया। वहीं, अगरकर ने उन्हें ड्रॉप करने के अपने अलग तर्क दिए थे। इस विवाद के बीच शमी ने अब मैदान पर अपने प्रदर्शन से जवाब देना शुरू कर दिया है। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते हुए एक बार फिर शानदार गेंदबाजी के दम पर चर्चा में हैं।

त्रिपुरा के खिलाफ यह मुकाबला अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम कॉलेज स्टेडियम में खेला जा रहा है। जैसे ही शहर में यह खबर फैली कि मोहम्मद शमी मैदान पर उतरने वाले हैं, बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी

स्टेडियम की ओर उमड़ पड़े। आमतौर पर रणजी ट्रॉफी के घरेलू मैचों में दर्शकों की तादाद बहुत कम होती है, लेकिन इस मैच में माहौल बिल्कुल अलग था। अनुमान के मुताबिक, करीब दो से तीन हजार दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, जो केवल शमी की एक झलक पाने और उन्हें गेंदबाजी करते देखने पहुंचे थे।

फैंस स्टैंड्स से लगातार शमी के नाम के नारे लगाते रहे, जिससे माहौल रोमांचक बन गया। बारिश की वजह से पहले दिन का खेल केवल 60 ओवर तक ही हो पाया, जिसमें बंगाल की टीम ने एक विकेट खोकर 171 रन बनाए हैं। भले ही शमी को अभी बल्लेबाजी या गेंदबाजी का पूरा मौका नहीं मिला हो, लेकिन उनकी मौजूदगी ने मैच का आकर्षण कई गुना बढ़ा दिया है। शमी अब तक भारत के लिए 64 टेस्ट, 108 वनडे और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। वर्ल्ड कप 2023 में उन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी और टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार रहे थे। रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह दिखाती है कि वह अब भी फिट और फॉर्म में हैं और शायद चयनकर्ताओं को अपने प्रदर्शन से जवाब देने के मूड में हैं।

ऋषभ की दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ आक्रामक पारी, जमकर चौके, छक्के लगाये

नई दिल्ली।विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करते हुए दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन किया है।इंग्लैंड दौरे पर चोटिल होने के बाद से ही खेल में वापसी करने वाले ऋषभ पंत इस मैच की पाहली पारी में 17 रन ही बना पाये पर दूसरी पारी मे उन्होंने अपने ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाज करते हुए जमकर चौके और छक्के लगाये।ऋषभ इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 90 रन बनाकर आउट हुए।इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 4 छक्के लगाए। ऋषभ ने 113 गेंदों पर 90 रन बनाये।वह तियान वैन वुरेन की गेंद पर आउट हो गए।ऋषभ इंग्लैंड दौरे में पैर के अंगूठे में फैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे।अब इस पारी से उनका इसी माह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए मनोबल बढ़ा है।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जैमीसन और सोढ़ी को शामिल किया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइडीज के खिलाफ 5 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को भी इस टीम में जबह मिली है।

भारत और श्रीलंका में अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ये सीरीज दोनो ही टीमों के लिए काफी अहम रहेगी। वेस्टइंडीज की टीम जहां खराब दौर से गुजर रही है। वहीं कीव टीम का प्रदर्शन भी पिछले कुछ समय में खराब हुआ है। पूर्व कप्तान केन विलियमसन भी संन्यास लेने के कारण टी में नहीं होंगे जिसका भी उसे नुकसान होगा। बोर्ड ने कहा कि पांच खिलाड़ी फिन एलेन, लॉकी फर्ग्युसन, एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्सऔर बेन सीयर्स अभी फिट नहीं है। इसलिए टीम से बाहर हैं। वहीं मैट हेनरी को ब्रेक दिया गया है। फिन के पैर में चोट लगी है जबकि फर्ग्युसन हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान हैं। इस खिलाड़ियों को विश्वकप से पहले फिट होने का भरोसा है।

टीम इस प्रकार है- मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम रॉबिन्सन, टिम सीफर्ट (विकेट कीपर), नाथन स्मिथ और ईश सोढ़ी।

विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे

–टेस्ट प्रारुप पर ध्यान देंगे

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। विलियमसन ने 2024 के बाद से ही टी20 क्रिकेट नहीं खेला है और इस प्रारुप में पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। विलियमसन अब अपना पूरा ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर लगायेंगे और इसी को देखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। वह हालांकि फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे।।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि टी20 से सही संन्यास का सही समय है। उन्होंने कहा, मैं सभी से मिले समर्थन के साथ ही सहयोग के लिए भी आभारी हूं। खेल की यादों हमेश बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आज देश में टी20 की काफी प्रतिभाएं हैं। उनके हटने से अब युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा जिससे टीम की टी20 विश्वकप की तैयारी बेहतर तरीके से हो सकेगी। उन्होंने कप्तान मिचेल सेंटनर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। साथ ही कहा कि अब टीम को इस प्रारुप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार रहना चाहिये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि वह किसी न किसी रुप में खेल से जुड़े रहना चाहेंगे और इसके लिए बोर्ड के संपर्क में बने रहेंगे।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से साल 2011 में टी20 डेब्यू किया था और कुछ ही समय में अंदर वह टीम के एक बड़े खिलाड़ी बनकर उभरे। उन्होंने अभी तक 93 टी20द्ध मैचों में कुल 2575 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 18 अर्धशतक लगाये। उनका सबसे अधिक स्कोर 95 रन रहा।

विलियमसन ने टी20 प्रारुप में सफल कप्तान की है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी से टीम को कई बार जीत दिलायी थी। उन्होंने न्यूजीलैंड की ओर से 75 टी20 मैचों में कप्तानी की है जिसमें टीम ने 39 मैचों टीम को जीत हासिल की जबकि 34 में उसे हार का सामना करना पड़ा। उनकी कप्तानी में टीम 2021, 2016 और 2022 टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।

इरफान पठान ने शुभमन गिल की फॉर्म पर उठाए सवाल, कहा– टीम पर बढ़ेगा यशस्वी को वापस लाने का दबाव

मुम्बई ।पूर्व ऑलराउंडर राजेश बानिक का एक सड़क हादसे में निधन हो गया है।40 साल के बानिक ने भारत की अंडर–19 टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला था। वह अपने सरल स्वभाव के लिए जाते थे।उनके निधन की खबर से भारतीय क्रिकेट जगत में शोक की लहर छा गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश त्रिपुरा में अपने गृहनगर आनंदनगर में सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे।जिसके बाद उन्हें अगरतला के जीबीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।बानिक ने घरेलू क्रिकेट में त्रिपुरा की ओर से कई अच्छी पारियां खेलीं हैं। इस क्रिकेटर ने साल 2002–03 के रणजी सत्र में त्रिपुरा की ओर से डेब्यू किया था।अपने करियर के दौरान उन्होंने 42 प्रथम श्रेणी मैच में 1469 रन बनाए और 6 अर्धशतक लगाये। त्रिपुरा क्रिकेट

असोसिएशन के सचिव सुब्रत डे ने राजेश के निधन पर गहरा शोक जताते हुए कहा, 'यह बहुत बड़ी क्षति है।बानिक सिर्फ एक अच्छे खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि एक शानदार इंसान भी थे।उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को पहचाना और आगे बढ़ने में मदद की। उनकी मौत हमारे लिए अपूरणीय क्षति है।' खेल से संन्यास लेने के बाद बानिक ने क्रिकेट प्रशासन से भी भी जुड़े।उन्हें त्रिपुरा की अंडर–16 टीम का चयनकर्ता बनाया गया था। वे न सिर्फ एक अनुशासित खिलाड़ी थे बल्कि मैदान के बाहर भी एक मार्गदर्शक की तरह युवा खिलाड़िया की सहायता करते थे।इरफान पठान सहित कई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर बानिक को श्रद्धांजलि दी है।

संक्षिप्त समाचार

कुछ ग्रह खुद ही बना सकते हैं अपना पानी

काठमांडू, एजेंसी। कुछ ग्रह बाहरी पानी के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय खुद ही पानी बना सकते हैं। अब तक यह माना जाता था कि ऐसे जल-समृद्ध ग्रह अपने तारों से दूर बनते हैं और बाद में पास आ जाते हैं, क्योंकि सूरज की भयंकर गर्मी से पानी टिक नहीं पाता। हमारे सौरमंडल में भी एक स्नो लाइन होती है। इसके भीतर बने ग्रहों (जैसे शुक्र) पर पानी नहीं होता, जबकि इसके बाहर बने ग्रह (शनि, नेपच्यून) पर पानी और गैस की भरमार होती है। नए अध्ययन के अनुसार, अगर सही परिस्थितियां हों तो हाइड्रोजन और खनिजों की रासायनिक प्रक्रिया से ग्रहों के अंदर ही स्थानीय रूप से पानी बन सकता है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों में इसे तार्किक ढंग से समझाया गया है।

पैनल में खराबी आने से फोर्ड ने वापस मंगाए 79,800 वाहन

काठमांडू, एजेंसी। फोर्ड मोटर कंपनी ने अमेरिका में लगभग 79,800 वाहनों को दरवाजे के पैनल और पिछली लाइटबार की खराबी के कारण वापस मंगाने की घोषणा की है। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) के अनुसार, इसमें 14,843 एफ-150 लाइटनिंग इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक शामिल हैं। इसके अलावा फोर्ड ने 34,481 री-मैन्युफैक्चर्ड 10आर80 ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट्स भी वापस मंगाई हैं, जो कुछ फोर्ड और लिंकन वाहनों में मरम्मत के पुर्जों के रूप में उपयोग की गई थीं।

किम का दावा-1969 में कोई चांद पर नहीं उतरा, नासा ने किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेत्री किम कार्दशियन ने दावा किया कि 1969 में कोई चंद्रमा पर उतरा ही नहीं। हालांकि, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अभिनेत्री को इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि हम छह बार चांद पर जा चुके हैं। रियलिटी शो द कार्दशियन्स के हालिया एपिसोड में किम ने कहा कि मुझे लगता है कि अपोलो मिशन नकली था। इस पर नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने सोशल मीडिया पर किम को टैग करते हुए लिखा, हम पहले भी छह बार चांद पर जा चुके हैं और अब आर्टेमिस मिशन के तहत दोबारा जा रहे हैं।

इस्राइल के हाइफा में भारतीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के हाइफा में इस साल के दूसरे भारतीय फिल्म महोत्सव की जोरदार शुरुआत हो चुकी है। इस उद्घाटन समारोह में 200 से अधिक लोग शामिल हुए। दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव में पद्मावत, गंगूबाई काठियावाड़ी, जवान, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, अंधाधुन और 12वीं फेल जैसी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। पहला फिल्म महोत्सव फरवरी में हुआ था, जिसकी सफलता के बाद यह दूसरा संस्करण आयोजित किया गया है।

नेपाल में 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने पंजीकरण के लिए किया आवेदन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव से पहले 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने निर्वाचन आयोग (ईसी) में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई ने बताया, इनमें से 7 पार्टियों ने 12 सितंबर को चुनाव तिथि घोषित होने के बाद, जबकि 10 ने उससे पहले आवेदन किया। नए आवेदनों के साथ आयोग में पंजीकृत पार्टियों की कुल संख्या अब 124 हो गई है। आयोग नए दलों के दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है।

तंजानिया में आम चुनाव के बाद हिंसा, 700 से अधिक लोगों की मौत का दावा, दार-एस-सलाम में 350 की जान गई

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया में विवादित आम चुनावों के बाद भड़की हिंसा में 700 से अधिक लोगों की मौत होने का दावा किया गया है। विपक्षी पार्टी चडेमा ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में हुई झड़पों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से दस लोगों की मौत की पुष्टि की है। चडेमा के प्रवक्ता जॉन कितोका ने बताया कि सिर्फ दार-एस-सलाम में करीब 350 और म्वांजा क्षेत्र में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। अन्य हिस्सों को जोड़ें तो संख्या लगभग 700 तक पहुंचती है। पार्टी का कहना है, आंकड़ा अस्पतालों के दौरे पर आधारित है। सरकार ने अब तक कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। कहा है कि कुछ छिटपुट घटनाओं के बाद कानून-व्यवस्था बहाल की जा रही है।

जमैका में लोग कीचड़-मलबे में खाना ढूंढ़ने पर मजबूर

तूफान मेलिसा के बाद भूख-प्यास से परेशान ; बाढ़ का पानी भरा, जानवर सड़ रहे

किंग्सटन, एजेंसी। जमैका में कैटेगरी-5 के हरिकेन मेलिसा के टकराने के बाद हालात खराब हो चुके हैं। ब्लैक रिवर शहर में लोग कीचड़ और मलबे में खाने-पीने का सामान खोज रहे हैं। कई लोग टूटी दुकानों और सुपरमार्केट से पानी की बोतलें और जरूरी चीजें निकाल रहे हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, तूफान के बाद पिछले तीन दिनों से शहर में अराजकता और भूख-प्यास का संकट है। सड़कों पर कीचड़, टूटी इमारतें, पलटी नावें और बिखरे वाहन चारों ओर तबाही की तस्वीर पेश कर रहे हैं। बिजली-पानी की सप्लाई बंद है। लोगों का परिवारों से संपर्क टूट गया है।

अब तक लोगों को मदद नही मिली बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि अब तक इलाके में कोई राहत ट्रक नहीं पहुंचा है। वे सड़क पर पड़े मलबे या दुकानों में जो कुछ भी मिल रहा है, उसी से गुजारा कर रहे हैं।

एक स्थानीय युवक डेमर वॉकर ने कहा, हम सड़क पर जो भी मिल रहा है, वही खा रहे हैं। सुपरमार्केट से पानी लिया, लेकिन हमने दूसरों से भी साझा किया। पास की एक फार्मेसी और दुकानों में भी लूटपाट की घटनाएं हुईं। लोग कीचड़ में सनी दवाइयां और खाना उठाते दिखे। कई दुकानदार अपनी लूटी दुकानों के बाहर पहरा दे रहे हैं। राजधानी किंग्स्टन एयरपोर्ट पर राहत सामग्री पहुंचनी शुरू हो गई है, लेकिन छोटे एयरपोर्ट और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से मदद देर से पहुंच रही है। सेना और राहत एजेंसियों के ट्रक रास्तों के टूटे हिस्सों से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं।

19 की मौत, हैती में भी 30 की जानें गई जमैका सरकार ने पुष्टि की है कि तूफान में 19 लोगों की मौत हुई है। हैती में भी 30 लोगों की मौत की खबर है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि शहर के 90% घर तबाह हो चुके हैं। अस्पताल, पुलिस स्टेशन और फायर स्टेशन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। शहर के मेयर ने कहा, ब्लैक रिवर पूरी तरह तबाह हो चुका है। लोग मजबूरी में सामान उठा रहे हैं, लेकिन हिंसा भी बढ़ रही है। एक मेडिकल वर्कर ने बताया कि फायर स्टेशन में चार से पांच फीट पानी भर गया था। बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोग घायल अवस्था में लाए गए। कई जगह ऐसे लोग मिले जो जिंदा नहीं बचे। शुक्रवार दोपहर सेना के हेलिकॉप्टर ब्लैक रिवर पहुंचे। इसके बाद सड़कों से भीड़ कम हुई।

मेलिसा तूफान के बाद कैरिबियाई देशों की मदद में जुटे यूएन और सहयोगी संगठन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी तूफान मेलिसा के बाद राहत सामग्री पहुंचाने और मदद समन्वयित करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की मानवीय संस्था ओसीएचए ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ओसीएचए ने कहा कि जमेका, क्यूबा और हैती में लाखों लोग तूफान से प्रभावित हुए हैं और तुरंत मदद की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर ने कहा कि ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग सिर्फ सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवनरेखा होता है।

क्यूबा के पूर्वी हिस्सों से गुजरे तूफान मेलिसा ने सैंटियागो, होलगुइन, ग्रान्मा और ग्वांतानामो में भारी तबाही मचाई है। कई क्षेत्र अभी भी कटे हुए हैं और सड़कों, रेल और हवाई मार्गों को नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत कार्य मुश्किल हो रहे हैं। ओसीएचए ने बताया कि वह एक कार्य योजना बना रहा है ताकि राहत कार्य बेहतर तरीके से चल सकें। इसके लिए एक टीम मौके पर भेजी गई है और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्रीय कार्यालय से भी सहायता मिल रही है। जमैका में सरकार खुद राहत कार्यों का नेतृत्व कर रही है और ओसीएचए कैरेबियन आपदा आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की टीमों के साथ मिलकर जरूरतों का आकलन कर रही है। खाद्य एवं कृषि संगठन, यूनिसेफ, यूएन जनसंख्या कोष और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन भी इन प्रयासों में शामिल हैं। हैती में, जहां पहले से ही मानवीय और हिंसक संकट गहरा हुआ है, संयुक्त राष्ट्र की टीमें सरकार के साथ मिलकर आश्रय, भोजन, जरूरी सामान और नकद सहायता जैसी तत्काल जरूरतों को पूरा करने में लगी हैं। कैरेबियाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों में इस सदी का सबसे भयंकर तूफान कहे जा रहे मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है। ताजा अपडेट के अनुसार इस भीषण तूफान में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है।

'संवाद से बनता है भरोसा, एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत', आसियान बैठक में बोले मलयेशियाई रक्षा मंत्री

कुआलालंपुर, एजेंसी। आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान मलेशिया के रक्षा मंत्री मोहम्मद खालिद नोरदिन ने क्षेत्रीय सहयोग और संवाद की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि एडीएमएम प्लस की स्थापना को 15 वर्ष पूरे हो गए हैं और यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद भरोसे को मजबूत करता है और एकता ही आसियान की सबसे बड़ी रक्षा है।

वैश्विक चुनौतियों पर चिंता व्यक्त : नोरदिन ने कहा आज दुनिया ऐसी चुनौतियों का सामना कर रही है जो सीमाओं से परे हैं। साइबर हमलों से लेकर जलवायु परिवर्तन तक, खाद्य असुरक्षा से लेकर महामारी तक। साइबरस्पेस में शक्तिशाली गैर-राज्यीय तत्व समाजों को अस्थिर करने और सरकारों को चुनौती देने में सक्षम हो गए हैं। वहीं, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाएं हर दिन हमारी सहनशीलता की परीक्षा ले रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय मूल्यों की रक्षा की अपील : मलेशियाई रक्षा मंत्री ने कहा कि हर देश, बड़ा या छोटा, अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के उल्लंघन के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा हो। उन्होंने गाजा और फलस्तीन में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताई। नोरदिन ने कहा भूख और अभाव को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जो अत्यंत निंदनीय है। मलेशिया सभी देशों, विशेषकर बड़ी शक्तियों से आग्रह करता है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अपने प्रभाव का प्रयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि मलेशिया अमेरिका की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का स्वागत करता है।

रिकॉर्ड समय में तियांगोंग स्पेस स्टेशन से जुड़ा चीन का शेंझोउ-21, छह माह तक इन बातों पर करेगा शोध

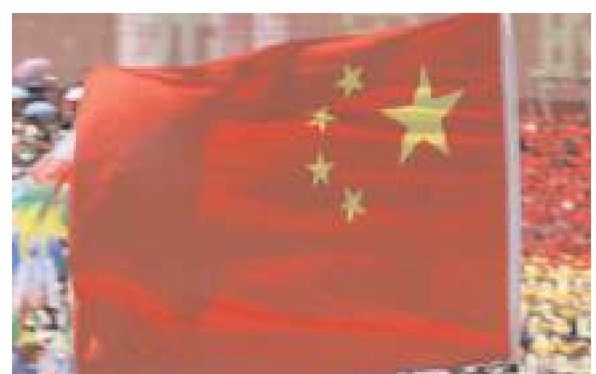

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने शनिवार को घोषणा की कि उसका शेंझोउ 21 अंतरिक्ष यान अपनी नवीनतम तीन सदस्यीय टीम के साथ देश के तियांगोंग स्पेस स्टेशन से रिकॉर्ड समय में जुड़ गया। पूरी डॉकिंग प्रक्रिया लगभग 3.5 घंटे चली, जो पिछले मिशनों की तुलना में तीन घंटे कम है। शेंझोउ 21 यान शुक्रवार रात 11:44 बजे जिउक्वुआन लॉन्च सेंटर से उड़ान भरी।

बता दें कि टीम में मिशन कमांडर और पायलट झांग लू शामिल हैं, जो दो साल पहले शेंझोउ 15 मिशन में भी गए थे। अन्य दो सदस्य पहली बार अंतरिक्ष जा रहे हैं। 32 वर्षीय इंजीनियर वू फेई चीन के सबसे कम उम्र के अंतरिक्ष यात्री हैं। झांग होंगझांग एक पेलोड विशेषज्ञ हैं, जो पहले नए ऊर्जा और नए पदार्थों पर शोधकर्ता थे। झाग ने क्या स्पेस मिशन पर क्या कहा? झांग ने कहा कि टीम स्पेस स्टेशन में ताई ची, बागवानी और कविता पढ़ने जैसी गतिविधियों के जरिए इसे स्वर्ग जैसा बनाएगी। तीनों सदस्य लगभग छह महीने तक स्टेशन पर रहेंगे। अंतरिक्ष में रहकर वे बायोटेक्नोलॉजी, एयरोस्पेस मेडिसिन, मैटेरियल साइंस और अन्य क्षेत्रों में 27 वैज्ञानिक और व्यावहारिक परियोजनाओं पर काम करेंगे। अंतरिक्ष में चार चुहें भेज रहा चीन इतना ही नहीं इस बार चीन पहली बार अपने स्पेस स्टेशन में चूहों को भेज रहा है। कुल चार चूहे दो नर और दो मादा वजनहीनता और संगरोध के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए भेजे गए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे छोटे जानवरों की अंतरिक्ष में प्रजनन और अनुकूलन तकनीक पर शोध में मदद मिलेगी। ये चूहे 300 उम्मीदवारों में से चुने गए और इनकी 60 दिनों तक कड़ी ट्रेनिंग हुई। ये चूहे शेंझोउ 20 के साथ पृथ्वी पर वापस आएंगे। क्या है चीन का अंतरिक्ष मिशन? गौरतलब है कि चीन ने 2003 में पहला मानवयुक्त मिशन लॉन्च किया और अमेरिका व सोवियत संघ के बाद तीसरा देश बना। चीन का लक्ष्य 2030 तक चंद्रमा पर मानव भेजना है। तियांगोंग स्पेस स्टेशन पूरी तरह चीन ने बनाया है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अलग रखा गया है। चीन पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण के लिए भी सहयोग कर रहा है। भविष्य में एक पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री को शॉर्ट मिशन पर भेजने की योजना है।

न्यू मैक्सिको में तेल रिफाइनरी में धमाके के बाद लगी भीषण आग, कई लोग घायल

न्यू मैक्सिको, एजेंसी। अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य के आर्टेसिया शहर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां शुक्रवार को एक तेल रिफाइनरी में जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद वहां से घना धुआं उठने लगा और देखते ही देखते धुंआ शहर के कई हिस्सों में फैल गया। राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। मामले में आर्टेसिया पुलिस कमांडर पीट किनोनेस ने बताया कि धमाके में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन कई लोग घायल हुए हैं। एडी काउंटी इमरजेंसी मैनेजर जेनिफर आर्मेन्डारिज़ ने कहा कि घायलों की संख्या फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

घटना के बाद सड़क कुछ समय के लिए बंद : बता दें कि घटना के बाद प्रशासन ने रिफाइनरी के पास की सड़कों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया था ताकि मेडिकल हेलीकॉप्टर को उतरने की जगह दी जा सके। दोपहर तक धुआं छंट गया और सड़कें दोबारा खोल दी गईं। यह धमाका एचएफ सिंक्लेयर नवाजो रिफाइनरी में हुआ, जो आर्टेसिया के मुख्य चौराहे के पास स्थित है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी की दैनिक क्षमता लगभग एक लाख बैरल कच्चे तेल की प्रोसेसिंग की है। हालांकि, घटना के समय प्लांट कितनी क्षमता पर काम कर रहा था, यह साफ नहीं हो सका है। गौरतलब है कि यह रिफाइनरी पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका के बाजारों में तेल की आपूर्ति करती है और इसके साथ लगभग 105 किलोमीटर दूर लोविंगटन में भी कंपनी का एक और संयंत्र संचालित होता है।

अमेरिका में हैलोवीन के मौके पर आतंकी हमला नाकाम, एफबीआई निदेशक काश पटेल का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने दावा किया है कि मिशिगन में संभावित आतंकी हमले को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हैलोवीन सप्ताह के मौके पर कुछ संदिग्ध आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। हालांकि काश पटेल ने ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन विभिन्न रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मामला चरमपंथियों के समूह से जुड़ा है, जो हैलोवीन के मौके पर हमले की योजना बना रहे थे।

काश पटेल ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी : सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में काश पटेल ने कहा कि 'आज सुबह एफबीआई ने एक संभावित आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया और मिशिगन में कई लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर हैलोवीन सप्ताह पर एक हिंसक हमले की साजिश रच रहे थे। और ज्यादा जानकारी जल्द ही आएगी। एफबीआई और हर जगह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन सभी पुरुषों और महिलाओं को धन्यवाद जो 24 घंटे पहरा दे रहे हैं और देश की रक्षा करने के हमारे मिशन को पूरा कर रहे हैं।' हालांकि काश पटेल ने ये नहीं बताया कि एफबीआई ने मिशिगन में कहां कार्रवाई की, लेकिन मिशिगन पुलिस ने बताया कि डियरबोर्न इलाके में एफबीआई ने एक ऑपरेशन किया है।

संदिग्धों के चरमपंथियों के संपर्क में होने का शक : डियरबोर्न इलाका फोर्ड मोटर कंपनी के मुख्यालय के लिए प्रसिद्ध है और इस शहर में अरब अमेरिकी मूल की आबादी बड़ी संख्या में है। ये पता नहीं चल पाया है कि ये आतंकी हमला किस तरह का था। राष्ट्रपति ट्रंप के शासन में लैटिन अमेरिकी ड्रग तस्करों और फासीवादी विरोधी अभियान एंटीफा को भी आतंकी घोषित किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि यह साजिश इस्लामिक स्टेट के चरमपंथ से प्रेरित थी और जांच की जा रही है कि हिरासत में लिए गए लोग कहीं ऑनलाइन चरमपंथियों के संपर्क में तो नहीं थे। इस जांच में एक ऑनलाइन चैट रूम में हुई बातचीत शामिल है, जिसमें हिरासत में लिए गए कुछ संदिग्ध शामिल थे।

'एशिया-प्रशांत सहयोग का नया दौर शुरू', चीन में होगा अगला एपीईसी शिखर सम्मेलन, जिनपिंग ने की घोषणा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि वर्ष 2026 का एपीईसी शिखर सम्मेलन चीन के शेनझेन शहर में आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेता शामिल होंगे। दक्षिण कोरिया के योंगजू में संपन्न इस साल की बैठक के समापन सत्र में शी ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि शेनझेन, जो कभी एक छोटा मछली पकड़ने वाला गांव था, आज आधुनिक अंतरराष्ट्रीय महानगर बन चुका है। यह चीन के खुलेपन और विकास की कहानी का प्रतीक है। आने वाले साल में हम सब इसी शहर में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

ट्रंप-शी बैठक बनी रही चर्चा का केंद्र : इस साल के एपीईसी सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। दोनों नेताओं के बीच टैरिफ और दुर्लभ खनिजों के व्यापार को लेकर नई सहमति बनी। ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका चीन पर लगाई गई फेंटानिल टैरिफ को 20% से घटाकर 10% करेगा।

इसके बदले चीन ने अमेरिका से सोयाबीन और सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात को मंजूरी दी और दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण को हटाने पर सहमति जताई। ट्रंप ने कहा कि वह अप्रैल 2026 में चीन का दौरा करेंगे, जबकि शी जिनपिंग उसके बाद अमेरिका की यात्रा करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि ट्रंप भी शेनझेन शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

विकास पर जोर : शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा एशिया-प्रशांत देशों को पारस्परिक सहयोग को और गहरा करना चाहिए, नई तकनीकों में खुला नवाचार अपनाना चाहिए और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को मानवता के हित में दिशा देनी चाहिए।

क्षेत्रीय सहयोग और तकनीकी उन्होंने विकसित देशों से विकासशील देशों को वित्तीय, तकनीकी और क्षमता निर्माण में सहयोग देने की अपील की। शी ने कहा कि एपीईसी की असली ताकत उसकी एकजुटता और साझा दृष्टिकोण में निहित है।

चीन के लिए शेनझेन क्यों है खास : शेनझेन चीन की आर्थिक क्रांति का केंद्र माना जाता है। 1980 के दशक में यह शहर चीन के पहले आर्थिक विशेष क्षेत्र के रूप में उभरा था। आज यहां तकनीकी, विनिर्माण और समुद्री व्यापार का मजबूत नेटवर्क है, जो इसे एपीईसी जैसे वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी के लिए आदर्श स्थान बनाता है।

डिक्शनरी डॉट कॉम ने 6-7 को वर्ड ऑफ द ईयर घोषित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ऑनलाइन शब्दकोश, डिक्टशनरी डॉट कॉम का इस वर्ष का वर्ड ऑफ द ईयर कोई शब्द नहीं है। इस बार उसने वायरल शब्द या वाक्यांश '6-7' को इस श्रेणी में जगह दी, जो बच्चों-किशोरों में बहुत लोकप्रिय है। यह पीढ़ी इस वाक्यांश का अकसर इस्तेमाल करते हैं जबकि माता-पिता और शिक्षक इसे समझ नहीं पा रहे हैं। डिक्शनरी ने इसे तय करने के लिए सर्च इंजन, और शोशल मीडिया ट्रेंड्स का विश्लेषण किया।

नैनीताल में टूरिस्टों से भरा टेम्पो ट्रैवलर खाई में गिरा... दो की मौत, 16 गंभीर रूप से घायल

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड के नैनीताल में टूरिस्टों से भरा टेम्पो ट्रैवलर 50 फीट गहरी खाई में गिर गया, इससे दो लोगों की मौत हो गई और 16 गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, ड्राइवर सहित 18 टूरिस्टों का दल बाबा नीब करौरी के कैंची धाम में दर्शन के बाद दिल्ली लौट रहा था। टेम्पो ट्रैवलर में एक ही परिवार के लोग सवार थे। वाहन ज्योलीकोट के मटियाली बैंड के पास पहुंचा, तब अचानक ड्राइवर का नियंत्रण वाहन से हट गया। वाहन करीब 50 फीट गहरी खाई में जा गिरा। घायलों के मुताबिक, टेंपो ट्रैवल का ड्राइवर नशे में था और उस गाड़ी चलाने से रोका भी था। लेकिन वह नहीं माना और गाड़ी भगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने पर गौरव बंसल (26) और सोनू कुमार (32), निवासी दिल्ली, को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य 16 लोग, जिसमें कई महिलाएं व बच्चे शामिल हैं, घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में अंशिका (21), सोनिया (32), सुशांत (8), दिशा (5), निकिता (20), श्वेता (25), पूर्वा (8 महीने), यशी (2), अजय (34), अनु, शिल्पी (28), हेमंत, श्रुति (28), वंश, विजय (30) निवासी बदरपुर, नई दिल्ली शामिल है।

नाबालिग छात्रा ने स्कूल बस चालक से की शादी, फिर दोनों ने खाया जहर

गोरखपुर (एजेंसी)। जिले के गुलरिहा क्षेत्र में 11वीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने अपने स्कूल के बस चालक से मंदिर में शादी कर ली, जिसके बाद पकड़े जाने के डर से दोनों ने ही जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, 23 वर्षीय चालक अभिषेक शर्मा उर्फ हैप्पी और छात्रा ने कीटनाशक खा लिया और अपनी कलाई काट ली थी। दोनों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां अभिषेक की हालत गंभीर बताई जा रही है जबकि लड़की खतरे से बाहर है। पुलिस ने बताया कि जहर खाने से पहले दोनों ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें कहा कि हम साथ नहीं रह सकते लेकिन साथ मरने से कोई नहीं रोक सकता। वीडियो अभिषेक के रिश्तेदारों को भेजा गया था, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। गुलरिहा थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक किसी परिवार ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस लड़की की उम्र का सत्यापन कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई इसी के बाद की जाएगी।

बेंगलुरु में बेकाबू एंबुलेंस की चपेट में आने से दंपति की मौत, कई घायल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गत रात एक तेज रफ्तार एंबुलेंस बेकाबू हो गई और उसने कई वाहनों को रौंद दिया, जिससे एक दंपति की मौके पर ही मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हादसा रिचमंड सर्किल के पास शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एंबुलेंस तेज रफ्तार में पीछे से आ रही थी और अचानक बेकाबू होकर तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मारते हुए पुलिस बूथ से जा टकराई। इसी दौरान एक स्कूटर पर सवार कपल इसकी चपेट में आ गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय इस्माइल और उनकी पत्नी सामीन बानो के रूप में हुई है। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें एंबुलेंस कई वाहनों को घसीटते हुए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। पलटने के बाद लोगों ने नीचे फंसी गाड़ियों को निकालने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि एंबुलेंस के बेकाबू होने के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में ब्रेक फेल या चालक द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने की संभावना जताई गई है।

एसआईआर के डर से एक और व्यक्ति की मौत का टीएमसी ने किया दावा

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा इसका जोरदार विरोध किया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि पूर्वी बर्धमान जिले के जमालपुर के रहने वाले एक श्रमिक विमल संतरा की मौत इस डर से हुई कि 2002 की मतदाता सूची में नाम न होने के कारण उसे गैर-नागरिक घोषित कर दिया जाएगा। टीएमसी ने मजदूर की मौत के लिए भाजपा की डर और नफरत की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया और पहले भी इसतरह के तीन अन्य आत्महत्याओं के लिए भाजपा पर निशाना साधा था। बात दें कि निर्वाचन आयोग 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (जिसमें पश्चिम बंगाल भी शामिल है) में एसआईआर का दूसरा चरण 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक आयोजित करेगा। इसके बाद आयोग की ओर से मसौदा मतदाता सूची 9 दिसंबर को जारी होगी। वहीं अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी को प्रकाशित होगी। वहीं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मतदाता सूची के एसआईआर के विरोध में मंगलवार को कोलकाता में विशाल मार्च का नेतृत्व करेंगी। इस रैली में उनके भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल होने वाले है। मंगलवार को ये रैली बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के पास से शुरू होकर जोरासांको में रवींद्रनाथ टैगोर के निवास के पास समाप्त होगा। टीएमसी ने एसआईआर को खामोशी से की जाने वाली धांधली बताया है और सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करने के लिए सब कुछ झोंक देने का संकल्प लिया है।

दिल्ली से कैंची धाम दर्शन कर लौट रहे पर्यटकों की ट्रैवलर 60 फिट गहरी खाई में गिरी 16 घायल

देहरादून (एजेंसी)। नैनीताल के निकट शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। दिल्ली से कैंची धाम दर्शन कर लौट रहा पर्यटकों से भरा टेम्पो ट्रैवलर ज्योलिकोट के दोगांव इलाके में मटियाली बैंड के पास अचानक अनियंत्रित होकर 60 फुट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में चालक सहित कुल 16 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस और स्थानीय लोगों की त्वरित मदद से सभी घायलों को सकुशल निकालकर हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के बदरपुर इलाके से पर्यटकों का यह दल शनिवार सुबह बाबा नीब करोरी के प्रसिद्ध कैंची धाम मंदिर दर्शन के लिए निकला था। दर्शन पूरा कर रात में दिल्ली लौटते समय यह हादसा हुआ। रात का अंधेरा और पहाड़ी रास्ते की चुनौतियां हादसे को और भयावह बना रही थीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिद्वार (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन की विविध वनस्पतियों पर आधारित दो पुस्तकें 'फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन' एवं 'मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवन' की प्रतिलिपियाँ भी भेंट कीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने पदक प्राप्त विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन-निर्माण में योगदान देने वाले अध्यापकों और अभिभावकों का भी विशेष अभिनंदन किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियाँ हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विकसित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है जिसमें महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान जैसी विशेषताएँ निहित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर आधारित जीवन-मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल आत्म-विकास बल्कि राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। गंगा तट पर स्थित हरिद्वार की सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ये पवित्र स्थल ज्ञान और अध्यात्म का संगम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्वाध्याय और तपस्या जैसे आदर्शों का पालन करते हुए स्वस्थ, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में योगदान देंगे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके देवभूमि आगमन को गर्व का क्षण बताया। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्र है। इस पवित्र धरती से प्रचलित योग और आयुर्वेद की परंपरा ने न केवल भारत को, बल्कि समूचे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और सद्भाव का संदेश दिया है। उत्तराखंड की यह ऋषि-परंपरा आज भी हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि विश्व-कल्याण है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और आशा व्यक्त की कि वे दीक्षांत समारोह के पश्चात आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने राष्ट्र, प्रदेश और समाज की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे तथा अपनी शिक्षा, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का उपयोग मानव-कल्याण के लिए करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने जो ज्ञान अर्जित किया, वह केवल हमारे लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण के लिए था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को स्वीकृति दिलाकर योग के विज्ञान पर किए गए हजारों वर्षों के कार्य को वैश्विक मंच प्रदान किया।

सीएम ममता बनर्जी ने अभिनेता शाहरुख खान को दी 60वें जन्मदिन की बधाई

कोलकाता (एजेंसी)। किंग ऑफ रोमांस कहे जाने वाले फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपना भाई मानती हैं। उन्होंने उनके 60वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए एक्स पर लिखा शाहरुख मेरे भाई जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! आप अपनी अद्भुत प्रतिभा और करिश्मा से भारतीय सिनेमा को यूं ही समृद्ध करते रहें'। बॉलीवुड के बादशाह, किंग ऑफ रोमांस शाहरुख खान आज 2 नवंबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। ग्लोबल स्टार शाहरुख के बर्थडे के मौके पर देश और दुनिया से उनके फैंस उन पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। आज सुबह से सोशल मीडिया पर शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई देने वालों का तांता लगा है। इस खास मौके पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी किंग ऑफ रोमांस को जन्मदिन की बधाई दी है। किंग खान आईपीएल में कोलकाता की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं जिसकी वजह से उनका पश्चिम बंगाल और कोलकाता आना-जाना लगा रहता है। कोलकाता टीम के मालिक के तौर पर शाहरुख राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं। वो एक्टर को अपना मुंह बोला भाई मानती हैं। ये पहला मौका नहीं है जब ममता ने शाहरुख के लिए कोई खास मेसेज शेयर किया है। कुछ समय पहले जब खबर आई थी कि शाहरुख खान अपनी फिल्म किंग की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं और उन्हें डॉक्टर्स ने आराम करने की सलाह दी है। तो भी ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किंग खान की सलामती की दुआ मांगी थी। अब अगर शाहरुख खान की बात करें तो आज अपना 60वां बर्थडे मना रहे एक्टर जल्द ही किंग में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो पहली बार अपनी बेटी सुहाना के साथ नजर आएंगे। किंग सुहाना की पहली फिल्म है जिससे वो सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करने जा रही हैं।

देश के अंदर तूफान मोन्था का असर खत्म... अब शुरु होगा कड़कड़ाती ठंड का दौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर तूफान मोन्था का प्रभाव करीब समाप्त हो गया है, और अब इसके मार्ग में आने वाले राज्यों में बारिश नहीं होगी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अगले 3-4 दिन में तापमान गिरेगा, जिससे ठंड बढ़ेगी। इतना ही नहीं राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हिमाचल में अभी भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। जहां 4 और 5 नवंबर को हिमाचल में बर्फबारी के आसार हैं। 3 नवंबर की रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा। वहीं अरब सागर में बना डिप्रेशन सिस्टम कमजोर हो गया है। 3 नवंबर से फिर बारिश का दौर शुरू होगा क्योंकि एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा।

मौसम विभाग के मुताबिक 3-4 नवंबर को जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर संभाग के जिलों में मौसम बदलेगा। 3 नवंबर को 17 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं दिल्ली में प्रदूषण गंभीर राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण गंभीर है। रविवार को एम्स और आसपास के इलाकों में एक्यूआई लेवल 420 तक पहुंच गया (जो 400 पार है)। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के कारण बीएस-3 और उससे पुराने मानक वाले सभी ट्रांसपोर्ट व कमर्शियल डीजल चालित वाहनों को दिल्ली में एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। अब केवल बीएस-4 व बीएस-6 मानक के कमर्शियल मालवाहक, सीएनजी, एलएनजी और ईवी वाहनें ही प्रवेश कर सकते है। वहीं गुजरात के सौराष्ट्र में बेमौसम बारिश के कारण जूनागढ़ में 2 से 6 नवंबर तक प्रस्तावित गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द कर दी गई है।

लोकतंत्र बचाने सुप्रीम कोर्ट जाएगी डीएमके ! स्टालिन ने 49 दलों संग एसआईआर को बताया मताधिकार पर हमला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया गया। एक पोस्ट साझा करते हुए, एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की घोषणा की और आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के पीछे का उद्देश्य लोगों के मताधिकार को छीनना है। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने के इरादे से जल्दबाजी में लागू किए जा रहे एसआईआर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना सभी दलों का कर्तव्य है।

एमके स्टालिन ने आगे कहा, 'मतदाता सूची संशोधन में भ्रम और शंकाओं के संबंध में - चूँकि हमारी माँग थी कि ये संशोधन 2026 के आम चुनावों के बाद पर्याप्त समय पर और बिना किसी समस्या के किए जाएँ, चुनाव आयोग द्वारा स्वीकार नहीं की गई है, इसलिए हमने आज की सर्वदलीय बैठक में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है।' स्टालिन ने बैठक में भाग लेने वाले 49 दलों को 'लोकतंत्र की रक्षा' के लिए धन्यवाद भी दिया। X पोस्ट में लिखा था कि मैं सर्वदलीय बैठक में भाग लेने वाले और अपनी भावनाएँ व्यक्त करने वाले 49 दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूँ जिन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया है कि वे अपनी पार्टियों में SIR पर चर्चा करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पहल करें।

डीएमके नेता आरएस भारती ने एसआईआर को 'अप्रत्यक्ष रूप से' राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा, 'हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसे किसी छिपे हुए इरादे से लागू किया जा रहा है। यह एसआईआर नहीं है। यह अप्रत्यक्ष रूप से एनआरसी में शामिल होने जैसा है। हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।' बैठक में शामिल न होने वाले दलों पर निशाना साधते हुए भारती ने उन्हें 'भाजपा का गठबंधन' बताया। उन्होंने कहा, 'हमें उनकी परवाह नहीं है। वे सभी भाजपा गठबंधन में हैं। इसलिए वे नहीं आए।'

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, 'अदालत को अपना अंतिम आदेश जारी करने दीजिए। उसके बाद, वे एसआईआर पर आगे बढ़ सकते हैं। हम यही चाहते थे, और यही प्रस्ताव है। प्रस्ताव का उद्देश्य यह है कि चुनाव आयुक्त एसआईआर में अपनी मनमानी न करें...'

ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूर, न वेतन दे रहे न भोजन, बस काम करा रहे

रांची (एजेंसी)। कई मजदूरों ने वीडियो संदेशों में कहा है कि उन्हें पिछले तीन से छह महीने से कोई वेतन नहीं मिला, जिसके कारण वे भूखे हैं और परिवार से संपर्क करने के लिए भी पैसे नहीं बचे हैं। एक मजदूर ने वीडियो में कहा, 'हम लोग भूखे हैं, बहुत परेशान हैं, किसी तरह भारत लौटना चाहते हैं।' ये झारखंड के 48 प्रवासी मजदूर ट्यूनीशिया में फंसे हुए हैं और गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें दिल्ली की एक निजी भर्ती कंपनी ने धोखे से विदेश भेजा और वहां बिना वेतन और भोजन के 12-12 घंटे काम करने को मजबूर किया जा रहा है।

फंसे हुए मजदूरों में ज्यादातर हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिलों के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें जाने से पहले सही कॉन्ट्रैक्ट और तय मजदूरी का वादा किया गया था, लेकिन ट्यूनीशिया पहुंचने के बाद न तो कॉन्ट्रैक्ट मिला और न वेतन। रिपोर्ट्स के मुताबिक मजदूरों ने जिस कंपनी पर आरोप लगाया है, उसका नाम प्रेम पावर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड बताया गया है। मजदूरों के अनुसार, कंपनी ने उन्हें हाई वोल्टेज पावर लाइन प्रोजेक्ट के लिए भर्ती किया था और बाद में शर्तें बदल दीं। उन्हें धमकी दी जा रही है कि अगर वे विरोध करेंगे या वापस लौटना चाहेंगे तो जेल भेज दिया जाएगा।

लाइसेंस नहीं होने के बावजूद एयर इंडिया के 2 पायलट्स ने उड़ाया विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया में पायलटों की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग प्रणाली में गंभीर अनियमितताएं अब भी जारी हैं, जिस पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पांच महीने पहले कड़ी फटकार लगाई थी। ताजा घटनाओं में, एक को-पायलट और एक सीनियर कैप्टन को फ्लाइंग ड्यूटी से तत्काल हटा दिया गया है। कारण यह पता चला कि दोनों ने पिछले महीने बिना वैध योग्यता के एक-एक उड़ान संचालित की थी। डीजीसीए इन मामलों की गहन जांच कर रहा है और एयरलाइन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

पहले मामले में, एयरबस ए320 के को-पायलट ने अपना नवीनतम इंस्ट्रूमेंट रेटिंग आधारित बाय-एनुअल पायलट प्रोफिशिएंसी चेक (आई-पीपीसी) क्लियर नहीं किया था। नियमों के अनुसार, असफलता के बाद पायलट को अनिवार्य सुधारात्मक प्रशिक्षण (करेक्टिव ट्रेनिंग) पूरा करना पड़ता है, तभी रोस्टर पर वापसी संभव है। लेकिन इस को-पायलट ने बिना प्रशिक्षण के उड़ान भर ली, जो सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान दिया, फर्स्ट ऑफिसर का ट्रेनिंग चेक में असंतोषजनक प्रदर्शन पकड़ा गया। जैसे ही यह त्रुटि सामने आई, क्रू शेड्यूलर और पायलट को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया। कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और डीजीसीए को सूचित कर दिया गया है। यह घटना एयरलाइन की निगरानी प्रणाली पर सवाल उठाती है।

दूसरे मामले में, सीनियर कमांडर ने इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी (ईएलपी) लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बावजूद ए320 उड़ान का पायलट-इन-कमांड रहते हुए संचालन किया। ईएलपी पायलटों के लिए बुनियादी आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय संचार सुनिश्चित करता है। एयरलाइन ने स्वीकार किया, सीनियर पायलट का एक्सपायर्ड ईएलपी के साथ उड़ान भरने का मामला सामने आया। तुरंत ऑफ-रोस्टर किया गया और जांच जारी है। डीजीसीए को रिपोर्ट सौंपी गई है।

सीनियर पायलटों की चिंता

सीनियर पायलटों का मानना है कि ये खामियां एयर इंडिया की ओवरसाइट में गंभीर कमी दर्शाती हैं, जहां केवल योग्य क्रू ही रोस्टर पर आने चाहिए। ऐसी त्रुटियां न केवल यात्री सुरक्षा को जोखिम में डालती हैं, बल्कि एयरलाइन की विश्वसनीयता पर भी असर डालती हैं। डीजीसीए की जांच से शेड्यूलिंग सिस्टम में सुधार की उम्मीद है, लेकिन पांच महीने बाद भी समस्या बने रहना चिंताजनक है। एयर इंडिया को अपनी प्रक्रियाओं को मजबूत करना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

भारत की ओर से अफगानिस्तान को मानवीय सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान को 16 टन से ज़्यादा दवाइयाँ और डायग्नोस्टिक किट भेजी हैं। ये दवाइयाँ और किट मुख्य रूप से वेक्टर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस से निपटने में मदद करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता देना और देश की रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ाना है। तालिबान प्रवक्ता शराफत जमान ने इस सहायता की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह मदद अफगानिस्तान में स्वास्थ्य क्षेत्र को समर्थन देने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने भारत सरकार की समय पर और बहुमूल्य सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, और इसे जन स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, ये दवाइयां और डायग्नोस्टिक किट सीधे तौर पर अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता प्रदान करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस जैसी बीमारियों से निपटने के लिए देश की क्षमता को बढ़ाना है, जो अफगानिस्तान के कई क्षेत्रों में गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां बनी हुई हैं।

द्विपक्षीय संबंध और हालिया मुलाकात

यह मेडिकल सहायता अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी के अक्टूबर में भारत दौरे के बाद प्रदान की गई है। 10 अक्टूबर को, मुत्ताकी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों ने अफगानिस्तान के विकास, द्विपक्षीय व्यापार, क्षेत्रीय अखंडता, लोगों के बीच संबंधों और क्षमता निर्माण के लिए भारत के समर्थन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने अफगानिस्तान को पाँच एम्बुलेंस सौंपने की भी घोषणा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी बताया था कि भारत ने भूकंप प्रभावित लोगों के लिए अफगानिस्तान को अतिरिक्त खाद्य सामग्री भी पहुंचाई है।

दिल्ली की जहरीली हवा ने ले ली 100 में से 15 लोगों की जान

-रिपोर्ट से हुआ खुलासा, जल्द सुधार नहीं हुआ तो बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मौत को लेकर हुए चौंकाने खुलासे ने सभी को हिलाकर रख दिया है। 2023 में शहर में हुई हर सातवीं मौत करीब 15फीसदी वायु प्रदूषण से जुड़ी थी। इसमें पीएम2.5 जैसे कणों ने 17,188 लोगों की जान ली। 2023 की एक रिपोर्ट खुलासा हुआ है कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने इसे जारी किया है। वहीं एक एनालिस्ट ने कहा कि दिल्ली में पीएम प्रदूषण से 9.4फीसदी डिसेबिलिटी एडजस्टेड लाइफ इयर्स प्रभावित हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इससे 4.9 लाख स्वस्थ लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। यह आंकड़ा 2018 के 15,786 मौतों से बढ़कर 17,188 हो गया है। दिल्ली में सबसे ज्यादा मौतों का कारण प्रदूषित हवा है। अन्य प्रमुख जोखिम कारकों में हाई सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर है, जिससे 14,874 मौतें यानी 12.5फीसदी होती है। हाई फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज यानी डायबिटीज से 10,653 यानी 9फीसदी मौतें हो रही हैं। वहीं, हाई कोलेस्ट्रॉल से 7267 यानी 6फीसदी मौतें और हाई बॉडी मास इंडेक्स से 6,698 यानी 5.6फीसदी मौतें हो रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषण से हार्ट की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और सांस लेने के अंगो के नीचले भाग में संक्रमण लगातार बढ़ रही हैं। मनोज कुमार ने चेतावनी दी कि, 'यह सिर्फ पर्यावरण मुद्दा नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। प्रदूषण कम न होने पर श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर से मौतें और बढ़ेंगी।' रिपोर्ट में कहा गया कि प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण से लाखों लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

एम्स के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. हर्षल रमेश सल्वे ने कहा कि प्रदूषण से अतिरिक्त मौतें हो रही हैं, लेकिन संख्या पर बहस हो सकती है। ये अनुमान गणितीय मॉडल पर आधारित हैं। भारतीय आबादी के लिए एक्सपोजर रिस्पॉन्स फंक्शन परफेक्ट नहीं है। फिर भी बढ़ती मौतें मल्टी-सेक्टरल एक्शन की मांग करती हैं। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. निखिल मोदी ने 15 फीसदी आंकड़े को विश्वसनीय बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण लंबे समय तक बीमारियों को बिगाड़ता है, जो मौत का कारण बनती हैं। हाल के वर्षों में यह बढ़ा है और जल्द सुधार न हुआ तो और मौतें हो सकती हैं।

पुल्मोनोलॉजिस्ट ने स्पष्ट किया कि 15 फीसदी का मतलब तत्काल मौत नहीं, बल्कि क्रॉनिक स्ट्रेसर है जो पीएम2.5 से सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और फेफड़े-हृदय की क्षति पहुंचाता है। ये अनुमान एपिडेमियोलॉजिकल मॉडल से आते हैं, जो दिल्ली के हाई पॉल्यूशन को देखते हुए सही लगते हैं। हालांकि यह सच है कि मौत की सटीक संख्याएं तय करना जटिल है क्योंकि मृत्यु प्रमाण-पत्रों पर मौतों को 'प्रदूषण के कारण' दर्ज नहीं किया जाता है। ये अनुमान जनसंख्या जोखिम डेटा, रोग की वजह और मृत्यु दर के रुझानों का उपयोग करके मज़बूत विज्ञान मॉडल से हासिल किए गए हैं।